THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 309 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ.2 2080 शनिवार, 27 जनवरी-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के परेड की सलामी लेते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

75वां गणतंत्र दिवस : कर्तव्य पथ पर शंखनाद से परेड की शुरूआत

40 साल बाद पारंपरिक बग्गी में आईं राष्ट्रपति

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कर्तव्य पथ से 75वें गणतंत्र दिवस का नेतृत्व किया। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन परेड में मुख्य अतिथि रहे। दोनों राष्ट्रपति 'पारंपरिक बग्गी' में परेड स्थल पर पहुंचे। पारंपरिक बग्गी में आने की प्रथा 40 वर्षों के अंतराल के बाद इस साल फिर शुरू की गई है। परेड में भारत की समृद्ध बढ़ती नारी शक्ति को प्रदर्शित किया गया। परेड की शुरूआत महिला कलाकारों ने शंख, नादस्वरम, नगाड़ा आदि बजाते हुए मधुर संगीत के साथ की।

कर्तव्य पथ पर मार्च करते हुए सभी महिलाओं की त्रि-सेवा टुकड़ी की पहली भागीदारी का भी गवाह बना। सलामी उड़ान (फ्लाई-पास्ट) के माध्यम से महिला पायलटों ने नारी शक्ति का प्रतिनिधित्व किया। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की टुकड़ियों में भी महिला कर्मी शामिल हुईं। 'विकसित भारत' और 'भारत-लोकतंत्र की मातृका' दोनों विषयों पर आधारित इस वर्ष की परेड में लगभग 13,000 विशेष अतिथियों ने भाग लिया। गणतंत्र दिवस समारोह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पहुंचने के साथ शुरू हुआ, जहां उन्होंने पुष्पांजलि अर्पित करके शहीद नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। परंपरा के अनुसार, सबसे पहले राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इसके बाद राष्ट्रगान और स्वदेशी बंदूक प्रणाली 105-एमएम इंडियन फील्ड गन के साथ 21 तोपों की सलामी दी गई। फिर 105 हेलीकॉप्टर यूनिट के चार एमआई-17 IV हेलीकॉप्टर ने कर्तव्य पथ पर उपस्थित दर्शकों पर फूलों की वर्षा की। राष्ट्रपति के सलामी लेने के साथ परेड शुरू हुई। सर्वोच्च वीरता पुरस्कारों के सम्मानित विजेताओं में परमवीर चक्र विजेता भी शामिल रहे। कार्तव्य पथ, फ्रांसीसी सशस्त्र बलों के संयुक्त बैंड और मार्चिंग दल के मार्च पास्ट का गवाह बना।

30 सदस्यीय बैंड दल का नेतृत्व कैप्टन खुरदा ने किया। इसके बाद 90 सदस्यीय फ्रांसीसी मार्चिंग दल आया। एक मल्टी-रोल टैंकर परिवहन विमान और फ्रांसीसी वायु तथा अंतरिक्ष बल के दो राफेल लड़ाकू विमानों ने सलामी मंच से आगे बढ़ते समय टुकड़ियों के ऊपर उड़ान भरी। सेना के मार्चिंग दल में मैकेनाइज्ड कॉलम का नेतृत्व करने वाली पहली सेना टुकड़ी 61 कैवेलरी की थी।

75वें गणतंत्र दिवस पर प्रधानमंत्री ने पहनी बांधनी पगड़ी

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। देश में शुक्रवार को 75वां गणतंत्र दिवस मनाया गया है। इस मौके पर पीएम मोदी वॉर मेमोरियल पहुंचे और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान पीएम मोदी रंग-बिरंगी पगड़ी में नजर आए।

वे हर बार गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस पर अलग-अलग तरह की पगड़ियों में नजर आते हैं। इस बार जो पगड़ी पीएम ने पहनी है वह बांधनी प्रिंट की है जो राजस्थान में काफी लोकप्रिय है। पीएम की पगड़ी में लाल, पीला, गुलाबी, नीला रंग है। इस पर अलग-अलग तरह के प्रिंट हैं। पीले रंग ज्यादा होने के कारण इस पगड़ी को भगवान श्रीराम से जोड़ कर देखा जा रहा है। पीएम मोदी ने सफेद रंग का कुर्ता-पायजामा और भूरे रंग की सदरी भी पहनी है।

कर्तव्य पथ पर महिला शक्ति दिखी

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। देश आज 75वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वॉर मेमोरियल गए और शहीदों को श्रद्धांजलि दी। मोदी ने यहां दो मिनट का मौन भी रखा। फिर मोदी कर्तव्य पथ पहुंचे। इस बार गणतंत्र दिवस समारोह में फ्रांस के प्रेसिडेंट इमैनुएल मैक्रों चीफ गेस्ट थे। वे इस समारोह में भाग लेने वाले फ्रांस के छठे राष्ट्रपति हैं।

गणतंत्र दिवस पर आसमान में दिखे सुखोई-राफेल के फॉर्मेशन

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। देश आज अपना 75वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वॉर मेमोरियल पहुंचे और शहीदों को श्रद्धांजलि दी। यहां मोदी ने 2 मिनट का मौन रखा। इसके बाद वे गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल होने के लिए कर्तव्य पथ पहुंचे।

उधर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और फ्रांस के प्रेसिडेंट इमैनुएल मैक्रों बग्घी में कर्तव्य पथ पहुंचे। 1984 के बाद पहली बार कोई राष्ट्रपति गणतंत्र दिवस कार्यक्रम के लिए बग्घी से पहुंचा। वहीं, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दूसरी बार राजपथ पर तिरंगा फहराया। 13 हजार स्पेशल गेस्ट भी पहुंचे। इस बार गणतंत्र दिवस की थीम 'विकसित भारत' और भारत-लोकतंत्र की मातृका (जननी) है।

हमारे लिए महान सम्मान : मैक्रों

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। मेरे लिए यह गर्व की बात है कि मैं भारत के गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होने भारत आया हूं। यह कहना है फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का। मैक्रों दो दिवसीय दौरे पर भारत आएं हैं। भारत दौरे के पहले दिन वे राजस्थान के जयपुर में रहे। वहीं, दूसरे दिन यानी शुक्रवार को उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ भारत की गणतंत्र दिवस परेड को भी देखा। मैक्रों ने परेड के बाद ट्वीट कर खुशी जताते हुए कहा कि यह फ्रांस के लिए सम्मान की बात है। शुक्रिया भारत। इससे पहले गुरुवार को मैक्रों ने जयपुर दौरा करने के बाद गणतंत्र दिवस परेड को लेकर उत्साह दिखाया था। उन्होंने फ्रेंच में एक ट्वीट कर कहा था कि कार्यक्रम में शामिल होना दोनों देशों के बीच गहरी दोस्ती का प्रतीक है। मैं हमारी गहरी साझेदारी का जश्न मनाने आया हूं। हमारा पहला कदम है कि हम दोनों देशों के युवाओं को साथ लेकर आएं।

हमें साथ मिलकर बहुत कुछ करना है। फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में कर्तव्य पथ पर इस भव्य कार्यक्रम के गवाह बने। इसके साथ ही वह विश्व के उन चुनिंदा नेताओं की सूची में शुमार हो गए जिन्होंने पिछले सात दशकों में देश के सबसे बड़े समारोह की शोभा बढ़ाई है। परेड में हिस्सा लेने के लिए इमैनुएल मैक्रों के साथ फ्रांस की 95 सदस्यीय मार्चिंग टीम और 33 सदस्यीय बैंड दल भी भारत आया। यह छठा मौका था जब कोई फ्रांसीसी नेता गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि बना है। कर्तव्य पथ फ्रांसीसी सशस्त्र बलों के संयुक्त बैंड और मार्चिंग दल के मार्च पास्ट का भी गवाह बना। 30 सदस्यीय बैंड दल का नेतृत्व कैप्टन खुरदा ने किया। इसके बाद 90 सदस्यीय मार्चिंग दल था जिसका नेतृत्व कैप्टन नोएल ने किया। एक मल्टी-रोल टैंकर परिवहन विमान और फ्रांसीसी वायु तथा अंतरिक्ष बल के दो राफेल लड़ाकू विमानों ने सलामी मंच से आगे बढ़ते समय टुकड़ियों के ऊपर उड़ान भरी।

आज राज्यपाल के सामने परेड कर सकते हैं आरजेडी विधायक

दिल्ली में नड्डा-शाह के साथ बिहार प्रदेश प्रभारी की मीटिंग

पटना, 26 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में सियासी संकट गहराता जा रहा है। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के टी पार्टी में बुलावे पर सीएम नीतीश कुमार पहुंचे, लेकिन डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव नहीं पहुंचे। सीएम करीब 50 मिनट राजभवन में रहे। उन्होंने मीडिया से दूरी बनाए रखी।

इधर, दिल्ली में बीजेपी हेडक्वार्टर में पार्टी के बड़े नेताओं की बैठक चल रही है। पटना में नीतीश सीएम हाउस और लालू राबड़ी आवास में अपने-अपने पार्टी नेताओं से बैठक कर रहे हैं। आज शाम 4 बजे बीजेपी के विधायक दल और कार्यसमिति की बैठक है। प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े भी रहेंगे। 26 जनवरी के कार्यक्रम में भी सीएम नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव डेढ़ घंटे साथ रहे, लेकिन दोनों ने आपस में बात नहीं की। बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम सुशील मोदी ने कहा कि राजनीति में किसी के लिए दरवाजे परमानेंट बंद नहीं होते। अगर बंद होता है तो खुलता भी है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि उम्मीद है कि नीतीश कुमार एनडीए में नहीं जाएंगे। इधर, सूत्रों के हवाले से खबर है कि विधायक दल की बैठक के बाद आरजेडी के विधायक राज्यपाल के सामने परेड कर सकते हैं।

वैज्ञानिक शैलेश नायक को पद्मश्री सम्मान

सुनामी वॉर्निंग और एक्यूआई आधारित प्रदूषण मॉनिटरिंग सिस्टम बनाया

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। डॉ. नायक ने सुनामी और तेज समुद्री लहरों के लिए स्टेट-ऑफ-द-आर्ट अर्ली वॉर्निंग सिस्टम बनाया और उसका सेटअप किया। इसके अलावा उन्होंने मरीन जीआईएस बनाने में मदद की। इसके अलावा एक्यूआई आधारित वायु प्रदूषण मॉनिटरिंग सिस्टम बनाया और उसका सेटअप करवाया। डॉ. नायक का मुख्य काम सुनामी वॉर्निंग सिस्टम है। इसके अलावा मछली पालन के लिए खास फिशिंग जोन की खोज करने के लिए इसरो के अहमदाबाद स्थित स्पेस एप्लीकेशन सेंटर पर नया तरीका निकाला। इससे अब देश में टूना मछलियों को लेकर भविष्यवाणी की जाती है। समुद्र में सही से निकलने के लिए समुद्री मौसम की भविष्यवाणी करने वाले सिस्टम और तकनीक विकसित किए। ये भारत के पूरे समुद्री क्षेत्र पर लागू होता है। कोस्टल लैंडफॉर्म, कोरल रीफ, मैन्ग्रूव, तटों में आ रहे बदलावों पर नजर रखने के लिए नई तकनीक बनाई। 20 से ज्यादा संस्थाएं देश में ओशन कलर मॉनिटर के डेटा का इस्तेमाल कर रहे हैं। डॉ. शैलेश नायक गुजरात के नवसारी जिले के बिलिमोरा में 21 अगस्त 1953 को पैदा हुए। बड़ोदा की एमएस यूनिवर्सिटी से 1980 में पीएचडी की। ताकि रिमोट सेंसिंग और ओशिएनोग्राफी में महारत हासिल कर सकें।

राम नाइक और लक्ष्मीकांत प्यारेलाल समेत महाराष्ट्र के 12 दिग्गजों को पद्म पुरस्कार

मुंबई, 26 जनवरी (एजेंसियां)। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर पद्म पुरस्कारों की घोषणा की गई। प्रतिष्ठित पुरस्कारों के लिए महाराष्ट्र से 12 नामों की घोषणा की गई है। जिनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री राम नाइक, जाने-माने संगीत निर्देशक लक्ष्मीकांत प्यारेलाल और मशहूर फिल्मकार राजदत्त भी शामिल हैं।

महाराष्ट्र की जिन 12 हस्तियों को पद्म भूषण से सम्मानित किया जाएगा, उनमें होर्मुसजी एन. कामा (पत्रकारिता और साहित्य), अश्विन मेहता (चिकित्सा), राम नाइक (सार्वजनिक मामले), दत्तात्रेय ए. मायालू उर्फ राजदत्त (कला), लक्ष्मीकांत प्यारेलाल (कला) और कुंदन व्यास (पत्रकारिता और साहित्य) शामिल हैं।

इसके अलावा, राज्य के जिन दिग्गजों को पद्मश्री से नवाजा जाएगा, उनमें उदय वी. देशपांडे (खेल), मनोहर डोले (चिकित्सा), जहीर काजी (साहित्य, शिक्षा), चंद्रशखर मेश्राम (चिकित्सा), कल्पना मोरपारिया (व्यापार और उद्योग) और शंकर बाबा पुंडीलकरवा पापलकर (सामाजिक कार्य) शामिल हैं। राष्ट्रपति ने कुल 132 पुरस्कारों की घोषणा की है। जिनमें पांच पद्म पुरस्कार, सत्रह पद्म भूषण और 110 पद्मश्री शामिल हैं। ऐतिहासिक घटनाओं और पारिवारिक मूल्यों की कहानियों को चित्रित करती बांस की टोपियां बनाने वाले सिक्किम के कारीगर जॉर्डन लेपचा को इस साल के पद्मश्री सम्मान के लिए चुना गया है।

निर्माण कार्य पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

महाराष्ट्र सरकार और मेट्रो रेल कॉरपोरेशन पर अंकुश

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि महाराष्ट्र के नागपुर में फुटाला लेक पर किसी भी तरह का निर्माण कार्य नहीं किया जाएगा। अदालत ने कहा कि झील पर किसी तरह का निर्माण कार्य करने से महाराष्ट्र सरकार और मेट्रो रेल कॉरपोरेशन पर रोक लगाई जाती है।

सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने यह आदेश पारित किया। बता दें कि फुटाला लेक भोंसले राजाओं ने बनवाई थी। नागपुर में लगभग 60 एकड़ भूमि पर बनी इस झील को महाराष्ट्र के सबसे महत्वपूर्ण जल निकायों में से एक माना जाता है। चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ की पीठ में गुरुवार को वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायण ने पैरवी की। अदालत को बताया गया कि फुटाला लेक की अहमियत को देखते हुए झील का संरक्षण जरूरी है। याचिकाकर्ता ने कहा कि इस जल निकाय को बचाने के लिए निर्माण रोकने के लिए यथास्थिति बरकरार रखने का आदेश जरूरी है। अदालत में बताया गया कि फुटाला लेक पर कंक्रीट की कई संरचनाओं का निर्माण हो चुका है।

दलीलों को सुनने के बाद अदालत ने स्वीकार किया कि मामला संवेदनशील है। कोर्ट ने कहा कि आर्द्र भूभाग काफी कम मात्रा में बची हैं। ऐसे में अधिकारियों को फिलहाल निर्माण कार्य जारी रखने से परहेज करना चाहिए। अदालत ने सवाल किया कि झील के अस्तित्व पर संकट बन चुकी कंक्रीट संरचनाओं को कब हटाया जाएगा? बता दें कि झील घूमने आने वाले पर्यटकों के लिए दर्शक दीर्घा का निर्माण भी कराया गया है। अदालत ने इसे हटाने को लेकर भी तीखा सवाल किया।

अधीर रंजन ने डेरेक ओ ब्रायन को कहा विदेशी

भड़कीं टीएमसी नेता, कहा-उनका बयान संस्कृति के खिलाफ

कोलकाता, 26 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद अधीर रंजन चौधरी ने तृणमूल नेता डेरेक ओ ब्रायन पर टिप्पणी की। उन्होंने ओब्रायन को विदेशी कहकर संबोधित किया है। उनकी इस टिप्पणी पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने प्रतिक्रिया दी है। अधीर रंजन के बयान पर टीएमसी नेता सुष्मिता देव ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा, वह (अधीर रंजन चौधरी) वर्षों से कांग्रेस के अध्यक्ष हैं। बंगाल में उनका रिकॉर्ड क्या रहा है? क्या उन्होंने इसके बारे में सोचा है? जब सीट बंटवारे की बात आती है तो उन्हें कोई झिझक नहीं होती है। इसलिए मैं कहना चाहती हूं कि जिस तरह का बयान उन्होंने दिया है, वह देश की संकृति के खिलाफ है। मुझे लगता है कि वह जितना कम बोलेंगे, 2024 के चुनाव के लिए उतना ही बेहतर होगा। दरअसल, गुरुवार को टीएमसी नेता डेरेक ओ ब्रायन ने दावा किया कि इंडिया गठबंधन के कई आलोचक हैं।

जरांगे बोले-शिंदे सरकार मराठा आरक्षण पर फैसला ले

अध्यादेश जारी करें, वरना 12 बजे मुंबई पहुंचकर आंदोलन शुरू करूंगा

मुंबई, 26 जनवरी (एजेंसियां)। आरक्षण की मांग को लेकर मराठा नेता मनोज जरांगे ने शिंदे सरकार को मराठा आरक्षण के लिए शनिवार सुबह 11 बजे तक का अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने कहा, 11 बजे तक आरक्षण का अध्यादेश जारी करें, नहीं तो 12 बजे मुंबई के आजाद मैदान पहुंचकर आंदोलन शुरू कर देंगे।

जरांगे का काफिला शुक्रवार सुबह नवी मुंबई के वाशी पहुंचा। यहां महाराष्ट्र सरकार के कुछ अफसरों ने जरांगे से मुलाकात की और सीएम एकनाथ शिंदे से फोन पर उनकी बातचीत कराई। मीटिंग के बाद जरांगे ने कहा कि राज्य सरकार ने मुझे कुछ जरूरी दस्तावेज सौंपे हैं। शुक्रवार दोपहर उन्होंने बातचीत को अपने लोगों के सामने रखा। उन्होंने कहा कि आरक्षण चाहिए तो लड़ना सीखना होगा, हमें आरक्षण लेकर रहना है। हम अपनी मांगों के लिए मुंबई आए हैं। सरकार के अधिकारी निर्णय पहुंचने के लिए आये थे, सरकार का कोई भी मंत्री नहीं आया।

जरांगे ने कहा कि 54 लाख कुनबी सर्कुलर मिले हैं। अब सरकार सर्टिफिकेट बांटना शुरू करे। सर्कुलरों को ग्राम पंचायत के बाहर लगाया जाए, तभी पता चलेगा कि कुनबी प्रमाण मिला है या नहीं। एक कुनबी सर्टिफिकेट का फायदा 50 से 150 लोगों को होगा। इस तरह 2 करोड़ मराठाओं को लाभ मिलेगा। जरांगे ने कहा है कि सरकार के मुताबिक 37 लाख लोगों को कुनबी जाति का सर्टिफिकेट दिया गया है। हमने इसकी जानकारी मांगी है। शिंदे सरकार ने सर्कुलर ढूंढने के लिए समय मांगा है। जरांगे ने लोगों से कहा कि सर्कुलर खोजने में हमें भी सरकार की मदद करनी होगी।

हमारी सभी मांगे एक साथ पूरी नहीं हो सकतीं, इसलिए एक-एक करके सभी मांगों को मनवाएंगे। मनोज ने लोगों से कहा कि एक सर्कुलर मिलने पर सभी सगे-संबंधियों को दिया जाए। इसके लिए सरकार अध्यादेश जारी करे। इसके साथ ही खुद पर और उनके लोगों के खिलाफ दर्ज किए गए सभी मामले वापस लेने को भी कहा है।

मनोज ने 20 जनवरी को जालना से मुंबई तक के लिए पदयात्रा शुरू की थी। मराठा आरक्षण की मांग को लेकर मुंबई के आजाद मैदान में जरांगे भूख हड़ताल करने वाले हैं। हालांकि, मुंबई पुलिस ने उन्हें प्रदर्शन की इजाजत नहीं दी है। जरांगे ने मुंबई के आजाद मैदान या शिवाजी पार्क में प्रदर्शन की परमिशन मांगी थी।

आरएसएस के हाथों की कठपुतली की तरह बर्ताव कर रहे हैं प्रधानमंत्री मोदी: कांग्रेस अध्यक्ष खरगे

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के हाथों की कठपुतली की तरह व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि संघ और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संविधान को विकृत करने की साजिश रच रहे हैं। खरगे ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पार्टी नेताओं से एकजुट होकर आगामी लोकसभा चुनाव में उतरने और संविधान एवं लोकतंत्र की रक्षा करने का आह्वान किया। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर यहां कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में तिरंगा फहराने के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। खरगे ने कहा, "अगर इस देश में कोई संविधान नहीं होता, तो हमारे लिए लोकतंत्र को बचाना संभव नहीं होता। हमारे स्वतंत्रता संग्राम के नेताओं और संविधान सभा के सदस्यों ने बहुत प्रयासों के बाद इस देश को संविधान दिया।" उन्होंने आरोप लगाया, "आरएसएस और भाजपा इस संविधान को विकृत करने और इसमें बदलाव करने की साजिश रच रहे हैं। भाजपा द्वारा हमारे स्वायत्त निकायों को एक-एक करके नष्ट करने या कमजोर करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। खासकर जब मोदी आरएसएस के हाथों की कठपुतली की तरह व्यवहार कर रहे हैं, तो हमारी न्यायपालिका या हमारी धर्मनिरपेक्षता को खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।'

कलकत्ता हाईकोर्ट में जज ने दूसरे जज पर लगाए आरोप

ईडी पर हमले की जांच को लेकर आमने-सामने

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस पार्टी के नेता शेख शाहजहां के घर पर छापेमारी के दौरान ईडी की टीम पर हमले की जांच सीबीआई को सौंपे जाने के फैसले पर कलकत्ता हाईकोर्ट के जज अभिजीत गंगोपाध्याय ने अपने साथी जज पर गंभीर आरोप लगाए हैं। दरअसल, जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय ने मामले की जांच पुलिस से लेकर सीबीआई को सौंपने को कहा था, जिसके बाद राज्य सरकार ने यह मामला खंडपीठ के समक्ष उठाया। इसके बाद खंडपीठ ने जस्टिस गंगोपाध्याय के फैसले पर रोक लगा दी।

जस्टिस गंगोपाध्याय ने सीबीआई को जांच सौंपने का दिया था आदेश

इस मामले में आरोप लगाया गया था कि पश्चिम बंगाल में बड़े पैमाने पर फर्जी जाति प्रमाणपत्र बनाये गये और फिर उनके आधार पर अनेक बच्चों ने मेडिकल कॉलेजों में दाखिला ले लिया। इस मामले की जांच पश्चिम बंगाल पुलिस कर रही थी। जस्टिस गंगोपाध्याय ने अपने आदेश में कहा था, 'पश्चिम बंगाल की पुलिस ईडी टीम पर हमला करने के आरोपी शाहजहां शेख को भी गिरफ़्तार नहीं कर पाई थी। लिहाजा राज्य की पुलिस पर विश्वास नहीं, इसकी जांच तत्काल सीबीआई को सौंप दी जाये।'

खंडपीठ ने जस्टिस गंगोपाध्याय के आदेश पर लगा दिया रोक

ये फैसला आने के तत्काल बाद राज्य सरकार की ओर से ये मामला जस्टिस सोमेन सेन और जस्टिस उदय कुमार की खंडपीठ के समक्ष उठाया गया। इसके बाद खंडपीठ ने जस्टिस गंगोपाध्याय के आदेश पर रोक लगा दी। जस्टिस गंगोपाध्याय ने गुरुवार ने को फिर ये मामला उठाया। उन्होंने अपने आदेश में कहा कि खंडपीठ ने जल्दबाज़ी में उनके आदेश पर रोक लगाई, जबकि इसका कोई कारण नहीं था।

जस्टिस गंगोपाध्याय ने जज अमृता सिन्हा पर लगाया आरोप

उन्होंने कहा कि राज्य की सत्ता में काबिज एक राजनीतिक दल को फायदा पहुंचाने के लिए ऐसा किया गया। जस्टिस गंगोपाध्याय यहीं नहीं रुके, उन्होंने अपने आदेश में ये भी लिख दिया कि कुछ दिन पहले कोर्ट की ही एक अन्य जज अमृता सिन्हा ने उन्हें अपने चैंबर में बुलाया था और अभिषेक बनर्जी को डिस्टर्ब नहीं करने और उनसे संबंधित याचिका खारिज करने को कहा था। जस्टिस गंगोपाध्याय ने ये भी लिखा कि उन्हें ये भी पता चला था कि जस्टिस अमृता सिन्हा ने इसकी जानकारी चीफ़ जस्टिस को भी दी थी।

जस्टिस सेन के ट्रांसफर पर भी उठाया सवाल

जस्टिस गंगोपाध्याय ने आदेश में ये भी लिखा कि दो साल पहले जस्टिस सेन का ट्रांसफ़र ओड़िसा हाई कोर्ट हो गया था। बावजूद इसके आज तक उस आदेश का पालन नहीं हुआ। उन्होंने पूछा कि उनके पीछे कौन लोग हैं, कौन सुप्रीम कोर्ट कॉलेज़ियम के ट्रांसफ़र आदेश के बावजूद उसका पालन करने से बचा रहे हैं। जस्टिस गंगोपाध्याय ने इस आदेश की प्रति देश के मुख्य न्यायाधीश के पास भी भेजने का आदेश दिया है। ये अनुरोध किया है कि इन सब तथ्यों को देखा जाये। साथ ही ये भी कहा है कि जस्टिस सेन की खंडपीठ का आदेश ग़ैर क़ानूनी है, लिहाज़ा उसे इग्नोर कर दिया जाये। जस्टिस गंगोपाध्याय पहले भी अपने आदेशों को लेकर चर्चा में रहे हैं। अब इस मामले ने न्यायिक सिस्टम में खलबली मचा दी है।

दिल्ली में गोदाम की दीवार और छत गिरी, 5 लोगों को रेस्क्यू कर पहुंचाया अस्पताल

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। बाहरी दिल्ली के सिरसपुर में एक गौदाम की दीवार और छत गिर गई। इस हादसे में 5 लोग दब गए, जिन्हें रेस्क्यू किया गया। सभी को हॉस्पिटल भर्ती करवाया गया। पुलिस ने निर्माण कर रहे ठेकेदार को हिरासत में ले लिया। सभी घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। राहत की बात यह है कि इस हादसे में किसी की मौत नहीं हुई। यह हादसा आज दोपहर के वक्त दिल्ली के बादली क्षेत्र के अंतर्गत सीरस पुर गांव में हुई। जब अचानक गोदाम की दीवारें गिर गई। इस गोदाम के अंदर कागज के बड़े-बड़े रोल भरे हुए थे। इस हादसे में पांच लोग अंदर दब गए। जिन्हें दिल्ली पुलिस, फायरकर्मी और कैट एंबुलेंस डिजास्टर की टीमों ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू किया और अस्पताल में पहुंचाया।

आरएसएस मुख्यालय पर मोहन भागवत ने किया ध्वजारोहण, संविधान के लिए कही बडी बात

नागपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय में सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने ध्वजारोहण किया। इस दौरान डॉ। मोहन भागवत ने भारत माता का पूजन किया। उनके मंच पर राम मंदिर के बैनर भी लगा था। इस दौरान डॉ मोहन भागवत ने परेड का निरीक्षण भी किया और मुख्यालय में उपस्थित लोगों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। डॉ मोहन भागवत ने कहा कि आज ऐसा देख रहे हैं कि हम धर्म क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। यह शक्ति कहां से आई, यह शक्ति हमेशा थी। 22 जनवरी को एक वातावरण उत्पन्न हुआ, वैसे इस दिन भी वातावरण उत्पन्न होता है।

संविधान की बातों का पालन करना भी जरूरी

उन्होंने कहा कि संविधान को हमने अपने आपको दिया, उसका पालन करना भी एक बात है। क्योंकि बाबासाहेब ने कहा था, संविधान का व्यवहार महत्वपूर्ण बात है। आज के दिन सभी लोग जिस तरह से एक साथ हर साल गणतंत्र दिवस मनाते हैं, वैसे सब देश एक मत हो जाए, सब लोग तिरंगा फहराएं, सब लोग दिल्ली का कार्यक्रम टीवी पर देखें। उन्होंने कहा कि अपना गणराज्य है यानी प्रजा का राज्य है, इसको प्रजा को चलना है। सरकार की उसमें एक भूमिका है, सांसदों की उसमें भूमिका है, इस संविधान को सुरक्षित रखना, इस संविधान को लागू करना यह टेक्निकली सरकार का काम है परंतु वास्तविक रूप से यह अपने व्यवहार का काम है। इसलिए संविधान का थोड़ा अध्ययन करें।

संविधान ने नागरिकों को दिए अधिकार

उन्होंने कहा कि मोटा-मोटी चार बातें हैं जो संविधान का प्राण हैं। संविधान की अपनी प्रस्तावना है, संविधान में नागरिक कर्तव्य दिए हैं, संविधान में नागरिकों को हक दिए हैं, मार्गदर्शक तत्व दिए हैं, यह बातें बदलती नहीं हैं। हमारे यहां सब प्रकार की स्वतंत्रता दी गई है। उन्होंने बंधुभाव की बात पर जोर दिया। भारतवर्ष के जन की ताकत परम्पार है, वह कभी भी कम नहीं थी। ऐसा भारतवर्ष आएगा, जब हम 40 साल पहले यह कहते थे तो अपने ही लोग मजाक उड़ाते थे। आज हम ऐसा देख रहे हैं। आज हम धर्म क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। जन-जन की अपेक्षा है कि भारत विश्व गुरु बने, हममें इतना सामर्थ्य है।

दसूहा में सड़क किनारे खड़ी थार पर मिले गोलियों के निशान, पहलवान मालिक का अता-पता नहीं

होशियारपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। होशियारपुर के दसूहा में संसारपुर लिंक रोड के किनारे एक लावरिस थार पर चली गोलियों के निशान मिले हैं। इससे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने थार को अपने कब्जे में ले लिया। जानकारी के अनुसार यह गाड़ी गांव जागला के रहने वाले पहलवान राजीव ठाकुर की है, जिसका फिलहाल कोई सुराग नहीं है। पुलिस ने अलग अलग पहलुओं से जांच शुरू कर दी। थार पर छह गोलियों के निशान पाए गए हैं। इससे अंदेशा लगाया जा रहा है कि कोई बड़ी गैंगवार के कारण गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया गया होगा। फिलहाल सारे मामले में अभी तक कोई पुलिस अधिकारी खुलासा करने को तैयार नहीं है।

लोकसभा चुनाव 2024

अब तेजी से सुनाई दे रही है भाजपा की 'रामधुन' क्या है सियासी जानकारों का मानना

देहरादून, 26 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में रामलला के विराजमान होने के बाद अब भाजपा की 'रामधुन' सुनाई दे रही है। सियासी जानकारों का मानना है कि जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव का माहौल गरमाएगा, भाजपा उतनी ही तेजी से रामधुन में रमती दिखेगी। बयानों, प्रतीकों, गीतों और धर्म-कर्म के आयोजनों में गुंजायमान हो रही रामधुन से भाजपा का कार्यकर्ता उत्साहित है, लेकिन विपक्ष खासतौर पर कांग्रेस भी अपनी राजनीतिक धुनों से मुकाबला करने की रणनीति बना रहा है। रामलहर के आगे उसकी यह रणनीति कितनी कारगर होगी, ये आगे का सियासी माहौल बताएगा, लेकिन भाजपा ने राम लहर का प्रभाव बनाए रखने की योजना बना ली है। पार्टी इस मुद्दे को आसानी से छोड़ने वाली नहीं है। इसे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के बयान से समझा जा सकता है, जो उन्होंने रुड़की में युवा मोर्चा के नमो नवमतदाता सम्मेलन के दौरान दिया। धामी ने कहा, भगवान राम आज अयोध्या में विराजमान हो गए हैं। यह हमारे लिए गौरव की बात है। यह वोट की ही देन है, जो अयोध्या में भगवान राम विराजे हैं।

संघर्ष यात्रा को जन-जन तक बताएं

आपके एक वोट से ही आज उत्तराखंड सरकार कठिन निर्णय लेने का काम कर रही है। जाहिर है कि भाजपा रामधुन को रामलहर में बदलने के लिए चरणबद्ध ढंग से आगे बढ़ रही है। इसके लिए संगठन स्तर पर खास योजना बनाई गई है। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को यह काम दिया गया कि वे अयोध्या में रामजन्मभूमि के लिए चले आंदोलन, कारसेवकों के बलिदान और रामलला के वहां विराजमान होने तक की संघर्ष यात्रा को जन-जन तक बताएं। अधिक से अधिक लोगों के बीच इसकी चर्चा करें। इसके लिए सोशल मीडिया का सहारा लें। धार्मिक व्यक्तियों को साथ जोड़ें और उनके जरिये संदेश फैलाएं। पार्टी ने यह योजना भी बनाई कि राज्य से जो लोग अयोध्या जाएं तो उनकी सुविधा के लिए पार्टी कार्यकर्ता वहां मौजूद रहें, इसलिए पार्टी कार्यकर्ताओं की टोलियां बनाकर उन्हें सिलसिलेवार अयोध्या जाने के निर्देश हुए हैं। सीएम धामी अपने मंत्रिमंडल के साथ रामलला के दर्शन के लिए दो फरवरी को अयोध्या जा रहे हैं। उनके बाद पार्टी वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं की बारी है। कुल मिलाकर रणनीति यही है कि चुनाव से पूर्व पांचों लोकसभा सीटों पर विपक्ष सत्तारोधी रुझान के सुर बजाने का जतन करे तो ये रामधुन में दब जाए।

गैस सिलेंडर ब्लास्ट से घर में लगी आग, हादसे में पत्नी की मौत, पति गंभीर, चाय बनाते समय हुआ धमाका

मंदसौर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। मंदसौर शहर के वार्ड नंबर 4 राजीव कालोनी में शुक्रवार सुबह चाय बनाने के दौरान गैस सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। धमाके के बाद मकान में आग लग गई। सूचना पर दमकल वाहन मौके पर पहुंचा और आग पर काबू पाया। सिलेंडर में हुए ब्लास्ट से महिला की मौत हो गई। वहीं महिला का पति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल व्यक्ति को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मंदसौर शहर के वार्ड नंबर 4 राजीव कालोनी में सुबह 8 बजे राजेश पोरवाल के मकान में चाय बनाने के दौरान गैस सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। सूचना पर दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। ब्लास्ट से पूरा मकान क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में महिला पुष्पाबाई पति राजेश पोरवाल उम्र 38 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, ब्लास्ट के कारण गिरे मकान के मलबे में दबने से राजेश पिता मोहनलाल पोरवाल गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे आस पड़ोसियों ने बाहर निकाला और जिला चिकित्सालय पहुंचाया।

मायावती ने नाराजगी जताते हुए सरकार को दी आत्म चिंतन की सलाह

लखनऊ, 26 जनवरी (एजेंसियां)। देश 75वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। इस अवसर पर तमाम राजनेताओं ने लोगों को शुभकामनाएं दी हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ दीं। इसके साथ ही उन्होंने सरकार को लोकतांत्रिक मूल्यों और मान मर्यादाओं का पालन करने की सलाह दी। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर गणतंत्र दिवस की बधाई देते हुए कहा, 'देश व दुनिया भर में रहने वाले सभी भारतीयों को 75वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें। यह वह ख़ास मौका है जब देश की लोकतांत्रिक मान-मर्यादाओं व पवित्र संविधान के आदर्श मानवीय मूल्यों से आमजन को लाभान्वित कराने के प्रति सरकार द्वारा आत्म-चिन्तन भी जरूरी।' बसपा सुप्रीमो ने आगे कहा, 'भारत का मानवतावादी संविधान देश के समस्त नागरिकों के न्याय व समतामूलक विकास के कल्याणकारी जीवन की गारण्टी देता है, किन्तु इस पर पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा से अमल नहीं करने का परिणाम है कि यहाँ के अधिकतर लोग गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा आदि का त्रस्त जीवन जीने को मजबूर हैं' अशिक्षा आदि का उन्मूलन तथा प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि है, ना कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का विकास या बड़े-बड़े पूंजीपतियों व धन्नासेठों की पूंजी में इजाफा। अतः देश दावों एवं वादों के बजाय ठोस प्रगति की राह पर चले तो बेहतर। आपको बता दें कि इस बार मायावती ने अकेले ही लोकसभा चुनाव लड़ने का एलान किया है।

पत्नी के चचेरे भाई को रेप के केस में फंसाने के लिए रची साजिश

कोर्ट में मुकर गई बीवी, जज ने पति पर किया जुर्माना

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने पत्नी के साथ कथित रूप से दुष्कर्म करने का फर्जी आरोप लगाने वाले एक शख्स पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाते हुए उसका केस खारिज कर दिया। इस मामले में खास बात यह है कि उसकी पत्नी ने खुद के साथ किसी भी तरह के दुष्कर्म किए जाने से इनकार किया है। जस्टिस अनूप कुमार मेंदीरत्ता की एकल पीठ ने मामले को खारिज करते हुए कहा कि ऐसे केस कोर्ट पर बोझ बनते हैं।

पति ने एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने की मांग की थी

अदालत ने कहा, "यह न केवल पत्नी के लिए, बल्कि उस व्यक्ति के लिए भी दुखद है, जिसे निर्दोष होने पर भी फंसाया जा रहा है।" पति ने अपनी शिकायत में पत्नी के चचेरे भाई पर उसके साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था। उसने मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत और सत्र अदालत द्वारा पारित दो आदेशों को चुनौती दी थी। दोनों अदालतों ने सीआरपीसी की धारा 156 (3) के तहत चचेरे भाई के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया था।

पुलिस की कार्रवाई रिपोर्ट में पत्नी ने घटना से इनकार किया था

पति ने दावा किया कि मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत और सेशन कोर्ट ने रिपोर्ट दर्ज करने का निर्देश नहीं देना सही फैसला नहीं है। हाईकोर्ट ने कहा कि पुलिस की कार्रवाई रिपोर्ट में बताया गया है कि पत्नी को कोई शिकायत नहीं थी और उसने दुष्कर्म की घटना से इनकार किया था। पति ने अपनी शिकायत में बताया कि उसकी पत्नी ने शादी के कुछ दिनों बाद खुलासा किया था कि उसके चचेरे भाई ने उसके साथ दुष्कर्म किया था और मां ने उसे यह बात किसी को नहीं बताने की चेतावनी दी थी। अदालत ने कहा कि सिर्फ इसलिए कि पत्नी ने कथित तौर पर पति को अपराध के संबंध में जानकारी का खुलासा किया था, यह कार्रवाई का कारण नहीं बन सकता है। पत्नी ने खुद अपने चचेरे भाई द्वारा किए गए ऐसे किसी भी अपराध से स्पष्ट रूप से इनकार किया था। पत्नी ने ट्रायल कोर्ट के समक्ष दावे का खंडन किया, और कहा कि उसका पति उसे शारीरिक रूप से और दहेज के लिए भी परेशान कर रहा था। उन्होंने अदालत को यह भी बताया कि दोनों पक्षों के बीच घरेलू हिंसा, भरण-पोषण और तलाक के संबंध में कार्यवाही लंबित है।

भागवान राम का आपत्तिजनक वीडियो बनाकर महिला ने किया पोस्ट, तो भड़क उठे लोग

चंडीगढ़, 26 जनवरी (एजेंसियां)। बठिंडा जिले की रामा मंडी के बैंक बाजार में स्थित सैलून में काम करने वाली शाइना नाम की महिला ने बुधवार की रात अपने इंस्टाग्राम पर भगवान राम और रामभक्तों के विरुद्ध आपत्तिजनक वीडियो बनाकर पोस्ट किया था। वीडियो वायरल होने के उपरांत गुरुवार को रामा मंडी के व्यापारियों, शहर की धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं ने रोष स्वरूप बाजार बंद करके रैली निकाली। खबरों का कहना है कि वहीं स्थानीय गांधी चौक में धरना देकर आरोपी महिला को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध कार्रवाई करने की अपील की। केस की स्थिति को ध्यान में रखते हुए पुलिस प्रशासन ने मंडी में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए हैं। धरने में बीजेपी के जिला प्रधान और हलका तलवंडी साबो के प्रभारी रवीप्रीत सिंह सिद्धू और सुखपाल सिंह सरां ने शिरकत की। रामभक्तों ने दुकानें बंद करके स्थानीय गांधी चौक में धरना भी लगाया और पुलिस प्रशासन के विरुद्ध नारेबाजी करना शुरू कर दी। तलवंडी साबो डीएसपी राजेश स्नेही ने अपराधी महिला शाइना के विरुद्ध केस दर्जकर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

गणतंत्र दिवस पर इसरो की झांकी में नजर आए चंद्रयान-3, आदित्य एल-1

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। गणतंत्र दिवस के अवसर पर निकाली गई झांकियों में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की झांकी बेहद आकर्षक रही और इसमें चंद्रयान-3, आदित्य एल-1 को प्रमुखता दी गई। झांकी में इसरो के विभिन्न मिशनों में महिला वैज्ञानिकों की भागीदारी को भी प्रदर्शित किया गया।

इसरो अगले वर्ष भारत की पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान को अंजाम देने की योजना बना रहा है। इस झांकी में 'लॉन्च व्हीकल मार्क-3' का एक मॉडल पेश किया गया जिसके जरिए चंद्रयान-3 को श्रीहरिकोटा से चंद्रमा तक भेजा गया था। झांकी में अंतरिक्ष यान के चंद्रमा में उतरने के स्थान को भी दर्शाया गया। इस स्थान को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शिव शक्ति प्वाइंट नाम दिया है।

इसरो की झांकी में सूरज के अध्ययन के लिए निचली कक्षा में भेजे गए आदित्य एल-1 को भी प्रदर्शित किया गया। इसके अलावा इसरो के भविष्य के मिशन गगनयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन आदि को भी झांकी में स्थान दिया गया।

बीजेपी विधायक ने कहा- मुझे दारू पीकर कॉल मत करना, फोन नहीं उठाऊंगा

उज्जैन, 26 जनवरी (एजेंसियां)। उज्जैन के सांसद रह चुके आलोट के भाजपा विधायक चिंतामणि मालवीय ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को भरे मंच से एक नसीहत देते हुए कहा, उन्हें दारू पीकर कोई फोन नहीं लगाए। आलोट विधायक चिंतामणि मालवीय का कार्यकर्ताओं को नसीहत देते हुए यह वीडियो अब सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। यह वीडियो आलोट में विधायक कार्यालय के शुभारंभ समारोह का है। विधायक चिंतामणि मालवीय मंच से संबोधित करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं से कह रहे हैं, वह क्षेत्र की जनता के कार्य के लिए हमेशा तत्पर है। उनकी समस्या का समाधान के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। मगर मुझे रात में दारू पीकर कोई भी फोन न लगाए। जैसे ही बीजेपी विधायक ने दारू की बात कही तो वहां उपस्थित कार्यकर्ताओं की निगाहें एक दूसरे को देखती रहीं। विधायक कार्यालय शुभारंभ पर विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रेहड़ी-पटरी वालों के खिलाफ कार्रवाई न करे पुलिस, दिल्ली हाई कोर्ट ने क्यों कही ये बात

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। धौला कुआं में गुड़गांव बस स्टैंड के पास रेहड़ी-पटरी लगाकर अपना और अपने परिवार का पेट पालने वाले दुकानदारों को दिल्ली हाई कोर्ट से राहत मिली है। कोर्ट ने ऐसे 17 फेरीवालों के खिलाफ कार्रवाई से दिल्ली पुलिस को रोक दिया है। जस्टिस विभू बाखरू और जस्टिस तारा वितस्ता गंजू की बेंच ने कहा कि पुलिस याचिकाकर्ताओं को ऐसे ही परेशान नहीं कर सकती है। जांच एजेंसी को मामले में स्वतंत्र रूप से कार्रवाई करने का अधिकार तभी है, जब लैंड ओनिंग एजेंसी या जमीन का मालिकाना हक रखने वाली एजेंसी उसे ऐसा करने के लिए कहे या अनुरोध करे। इस केस में कंटोनमेंट बोर्ड ने खुद कहा है कि इन्हें अपनी जगह पर लगने दिया जाए। फिर दिल्ली पुलिस को हक नहीं बनता है कि वह इन्हें वहां पर बैठने से मना करे। ऐसा एडवोकेट कमलेश कुमार मिश्र ने बताया, जिन्होंने सुरेंद्र कुमार समेत 17 वेंडर्स की ओर से याचिका दायर कर मामले में दखल देने का हाई कोर्ट से अनुरोध किया। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता मेट्रो पिलर नंबर-85 के पास धौला कुआं, गुड़गांव बस स्टैंड पर डीडीए की दीवार के पास खाली जमीन पर अपनी रेहड़ी-पटरी लगाते हैं। यह इलाका दिल्ली कंटोनमेंट बोर्ड के अधिकारक्षेत्र में आता है। स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट-2014 की धारा 3(3) के अनुसार, इनका सर्वे हो चुका है और इन्हें वहां बैठने की मान्यता हासिल है। याचिकाकर्ताओं ने खासतौर पर इस बात को लेकर परेशानी जताई कि टाउन वेंडिंग कमिटी द्वारा इनके पक्ष में आदेश जारी करने के बावजूद दिल्ली पुलिस के अधिकारी इन्हें शांति से अपना काम करने नहीं दे रहे हैं। पुलिस के रुख को देख अन्य विभागों के अधिकारी भी इन्हें परेशान करने लगे हैं, इसलिए इन्हें मदद के लिए अदालत में आना पड़ा। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड की टाउन वेंडिंग कमिटी की प्रस्तावना के बावजूद दिल्ली पुलिस के अधिकारी उन्हें रोजाना परेशान करते हैं और वहां से हटा देते हैं।

सुविचार
हमेशा इस बात पर यकीन रखिए कि जो आने वाला है वह बीते कल से बेहतरीन होगा

टीएएसए में पुष्पांजलि समारोह का आयोजन

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रव्यापी समारोहों के एक भाग के रूप में, तेलंगाना और आंध्र सब एरिया (टीएएसए) के तत्वावधान में 26 जनवरी को वीरुला सैनिक स्मारक, आर्मी परेड ग्राउंड सिकंदराबाद में पुष्पांजलि समारोह का आयोजन किया गया। इस वर्ष फिर से भारत की गणतंत्र के रूप में %5वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 'गणतंत्र दिवस' मनाया गया। यह अवसर एक शानदार कार्यक्रम था, जिसमें सैन्य बैंड और तीनों सेनाओं के अधिकारी और सैनिक पूरी औपचारिक पोशाक में देश की सेवा में उनकी विभिन्न उपलब्धियों को दर्शाने वाले चमचमाते पदकों से सजे हुए थे और साथ ही शहीदों और उनके भाइयों को वर्दी में श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे थे। जिन्होंने गणतंत्र की रक्षा में अपना जीवन लगा दिया।सुबह धूमधाम से हुई और कार्यक्रम का क्रम एनसीसी कैडेट द्वारा पुष्पांजलि अर्पित करना था, उसके बाद स्टेशन के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की गई और अंत में, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की गई, जो इस अवसर के मुख्य अतिथि थे।

हैदराबाद एसबीआई के प्रधान कार्यालय में मनाया गया गणतंत्र दिवस

हैदराबाद, 26 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद स्थित भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय में भव्य रूप से 75वां गणतंत्र दिवस आयोजित किया गया।

इस संदर्भ में, ग्रेटर हैदराबाद स्थित भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय में भव्य रूप से 75वां गणतंत्र दिवस आयोजित किये जाने पर एसबीआई, मुख्य महा प्रबंधक राजेश कुमार ने फहराया राष्ट्रीय झंडा फहराया। इस शुभावसर उन्होने सभी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

इस कार्यक्रम में सीएसआर गतिविधि के रूप में, महिला सशक्तिकरण व रोजगार सृजन के अंतर्गत तपस्वी एनजीओ को 50 सिलाई मशीनें प्रदान की गईं तथा खेल, शिक्षा और विज्ञान के अनुशासन कलाओं को सम्मानित किया गया। इसके अलावा, बैंक सशस्त्र गार्ड के अनुकरणीय प्रदर्शन और प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ गणतंत्र कार्यक्रम का समापन हुआ।

इस गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में महाप्रबंधक, वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी बैंक के कर्मचारी सदस्य और तत्संबंधित परिवार के सदस्यगण उपस्थित हुए।

एलआईसी आंचलिक प्रबंधक ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया

हैदराबाद, 26 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। एलआईसी आंचलिक प्रबंधक एलके शामसुंदर ने 75वें गणतंत्र दिन पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया इस संदर्भ में, ग्रेटर हैदराबाद एलआईसी आंचलिक कार्यालय में %5 वें गणतंत्र समारोह के अवसर पर आंचलिक कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया एवं सभी कर्मचारियों, विकास अधिकारियों को सम्बोधित किया। इस अवसर पर आंचलिक कार्यालय परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा वृक्षारोपण भी किया गया ।

जिसमें आंचलिक प्रबंधक एलके शामसुंदर ने संबोधन में कहा कि एलआइसी सभी पॉलिसीधारकों को अपनी नवीन तकनीकी प्रगति के साथ बेहतरीन सेवाएं प्रदान कर रही है साथ ही उन्होने कहा कि, एलआईसी में ऐसे नूतन उत्पाद सामने आए हैं जो ग्राहकों को न्यूनतम संभव समय में सेवाएं प्राप्त करने की सुविधा प्रदान कर रहे हैं। उन्होने सभी से आने वाले परिवर्तनों के अनुरूप ढलने का आह्वान किया एवं स्वयं के साथ-साथ संगठन के विकास में भी योगदान देने का अनुरोध किया। इस अवसर पर एलके शामसुंदर ने पौधारोपण भी किया। इस कार्यक्रम में एलआईसी के संबंधित अधिकारीगण जैसे पी. रमेश बाबू, सतीश बाबू, एम रविकुमार, उथुप जोसेफ, एमएमपी श्रीनिवास राव क्षेत्रीय प्रबंधक और राजीब विश्वास, वरिष्ठ डीएम उपस्थित हुए।

एफटीसीसीआई में मनाया गया गणतंत्र दिवस

हैदराबाद, 26 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) में 75वां गणतंत्र दिवस मनाया गया । एफटीसीसीआई की अध्यक्ष मीला जयदेव ने कई कर्मचारियों, सदस्यों और उद्योग प्रतिनिधियों की उपस्थिति में झंडा फहराया। समारोह में करीब 250 लोगों ने हिस्सा लिया

गणतंत्र समारोह उत्सव के शुभावसर पर, सिकंदराबाद, दक्षिण अंचल-।, आरएचक्यू पर स्थित पावरग्रिड कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड(पावरग्रिड) कंपनी कार्यालय में समधुर देश भक्ति गीत गाते हुए ग्रुप के पदाधिकारी।

न्यूप पेपर हॉकर्स एसोसिएशन कि ओर से एबिड्स में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एसोसिएशन के मुख्य सचिव के श्रीधर ने झंडा फहराया। कार्यक्रम में विजय सिंह, अर्जुन,सिंह, खादीर भाई, मुरली, अरविंद सिंग और अन्य कर्मचारी सम्मिलित हुए।

बिहार एसोसिएशन ने मनाया गणतंत्र दिवस

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार एसोसिएशन हैदराबाद अपने भवन परिसर में गणतंत्र दिवस ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया। महासचिव प्रभास कुमार ने बताया कि अध्यक्ष हरेराम सिंह द्वारा ध्वजारोहण हुआ। सभा में एसोसिएशन के वरिष्ठ कार्यकारी रविशंकर सिंह, दिनेश सिंह, मदन सिंह, विनोद गुप्ता, दीपक यादव, हरेराम यादव, भरत सिंह, दिलीप कुमार यादव इत्यादि ने अपने विचार प्रकट किए।

एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार संतोष झा, निशिकांत झा, धर्मेंद्र सिंह, राजू राय, सुरेश सिंह, दिलीप कुमार, नागेंद्र, धर्मेंद्र इत्यादि ने अपनी अपनी सहयोग राशि से अवगत कराया।

उपाध्यक्ष रविशंकर सिंह ने बिहार एसोसिएशन उप्पल इकाई कार्यालय हेमा नगर में ध्वजारोहण किया जिसमें मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार, प्रवीण कुमार, एसएस पाठक, कन्हैया झा, उदय नारायण यादव इत्यादि गणमान्य सम्मिलित हुए।

महेश बैंक में मनाया गया गणतंत्र दिवस

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ए.पी. महेश कोऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड ने अपने प्रधान कार्यालय, बंजारा हिल्स में 75वां गणतंत्र दिवस मनाया। बैंक के अध्यक्ष रमेश कुमार बंग ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। समारोह में बैंक की निदेशक पुष्पा बूब, पेशेवर निदेशक रमाकांत इनानी उपस्थित थे।

इस अवसर पर रमेश कुमार बंग ने कहा कि यह हमारे देश के प्रत्येक नागरिक की बुनियादी जिम्मेदारी है कि वह अपने शक्तिशाली देश के अभूतपूर्व विकास में अपना योगदान दे। अध्यक्ष ने बैंक के शेयरधारकों, ग्राहकों, शुभचिंतकों और कर्मचारियों को अपनी शुभकामनाएं दीं। प्रवीण कुमार, मुख्य अनुपालन अधिकारी, एवीवीएस मूर्ति, उप महाप्रबंधक, आईटी विभाग, संजीव रेड्डी, सहायक महाप्रबंधक, वरिष्ठ प्रबंधक, शाखा प्रबंधक, बैंक प्रधान कार्यालय और शाखाओं के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

गौलिगुडा में गणतंत्र दिवस उत्साह से मनाया गया। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता पाण्डु यादव, रघुनंदन यादव, अमरसिंह राजपुरोहित, अमित यादव एवं अन्य।

बिहार सहयोग समिति तेलंगाना द्वारा दुर्गा माता मंदिर इंदिरा नेहरू नगर मल्काजगिरी में गणतंत्र दिवस मनाया गया। वरिष्ठ सलाहकार चंद्र देव द्वारा झंडा फहराया गया। अध्यक्ष बिनय कुमार यादव, उपाध्यक्ष सागर भगत, जयंत यादव, आनंद गुप्हा, सुनील भगत, हरीश यादव, ललन मिश्रा, रविंद्र भगत, सुरज यादव, मनोज भगत, बिनोद यादव, सुनील ठाकूर, गुलशन कुमार एवं भारी मात्रा में बच्चों ने भाग लिया।

उत्तर भारतीय नागरिक संघ द्वारा मनाया गया गणतंत्र दिवस

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता) उत्तर भारती नागरिक संघ के तत्वधान में वनस्थलीपुरम के श्रद्धा नगर कालोनी में गणतंत्र दिवस मनाया गया। संघ के अध्यक्ष एन के सिंह ने तिरंगा झंडा फहराया। समारोह में नंद किशोर सिंह, अमरजीत सिंह, नागेश्वर राव, सुरेश, राजेंद्र तिवारी, लक्ष्मण राव, निखिल, सूर्यांश सिंह, शाहनवाज, विनय कुमार, श्रीनिवास, अवाम जिला परिषद हाईस्कूल के बच्चे एवं अन्य सम्मिलित हुए।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

सं.वाय/सी.ई-आक्शन/एचवायबी/2023-24 दि.24-01-2024
हैदराबाद डिवीजन में वाणिज्यिक संविदाओं हेतु ई-नीलामी सूचना

PUB/0085

हैदराबाद डिवीजन ने वाणिज्यिक आय संविदाओं तथा एनएफआर संविदाओं के लिए ई-नीलामी कार्यान्वित की है। तदनुसार, हैदराबाद डिवीजन ने निम्न श्रेणियों के लिए ई-नीलामी संसाधित की है।

क्रम सं.	कार्य विवरण	श्रेणी	कैटलाग नं.	नीलामी तिथि	नीलामी शुरू होने की तिथि	नीलामी बंद होने की तिथि
1.	मलकपेट (मेन) रेलवे स्टेशन पर पार्किन्ग लाट प्रदान करना	पार्किन्ग	एचवायबी-पीआरकेजी-एमएक्सटीएमए आयएन	03-02-2024	11:00	11:30
2.	निम्न 04 स्टेशनों जैसे सीताफलमण्डी, गुन्डला पोचमपल्ली, मेडचल, बोलारम(अन्य बाजू) रेलवे स्टेशनों पर पार्किन्ग लाट्स प्रदान करना।	पार्किन्ग	एचवायबी-पीआरकेजी-032	09-02-2024	11:30	12:30
3.	कर्नूल रेलवे स्टेशन पर हेल्थ कियोस्क का स्थापन या इंस्टाल्लेशन,रखरखाव व संचालन	वाणिज्यक प्रचार अनुंबध	एमएसएस-एचवायबी-केआरएनटी	09-02-2024	11:00	11:30
	निजामाबाद रेलवे स्टेशन पर हेल्थ कियोस्क का स्थापन या इंस्टाल्लेशन,रखरखाव व संचालन		एमएसएस-एचवायबी-एनजेडबी	09-02-2024	11:00	11:40
	काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर हेल्थ कियोस्क का स्थापन या इंस्टाल्लेशन,रखरखाव व संचालन		एमएसएस -एचवायबी-केसीजी	09-02-2024	11:00	11:50

A0102 वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद

नोएडा के ऑफिस में लव जिहाद का खेल, लड़की को फंसाकर किया रेप, इस्लाम कबूल करने का दबाव

नोएडा, 26 जनवरी (एजेंसियां)। नोएडा सेक्टर-63 की एक कंपनी में काम करने वाली युवती के साथ दुष्कर्म करने के बाद धर्म बदलने के लिए दबाव बनाने का मामला सामने आया है। आरोपी ने पीड़िता का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी भी दी। युवती ने सेक्टर-63 पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी को अरेस्ट कर लिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि गाजियाबाद निवासी युवती नोएडा सेक्टर-63 स्थित एक ऑफिस में काम करती है। कुछ समय पहले उसकी जान-पहचान जुबैर से हुई। दोनों के बीच बातचीत होने लगी। पीड़िता का आरोप है कि 11 जनवरी को जुबैर उसे एक होटल में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया।

औरंगजेब का आदेश, किस तारीख को तोड़ा गया मंदिर

एएसआई ने ज्ञानवापी सर्वे रिपोर्ट में बताया

वाराणसी, 26 जनवरी (एजेंसियां)। 92 दिनों तक ज्ञानवापी मस्जिद के चले एएसआई सर्वे की रिपोर्ट आखिरकार सामने आ ही गई है। एएसआई की सर्वे रिपोर्ट में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। जैसे- मस्जिद के अंदर हिंदू-देवी देवताओं की मूर्ति, स्वस्तिक, नाग देवता, कमल पुष्प, घंटी के निशान और मंदिर के टूटे हुए खंभों के अवशेष मिले हैं। यही नहीं एएसआई ने अपने सर्वे रिपोर्ट में यह तक बताया है कि मंदिर को गिराने का आदेश कब जारी किया गया, आदेश किसने जारी किया, आदेश जारी करने के बाद किस तारीख को मंदिर को गिराया गया? यही नहीं एएसआई ने अपनी सर्वे रिपोर्ट में ये भी बताया है कि यहां पर मस्जिद से पहले एक मंदिर था। दरअसल, ज्ञानवापी मस्जिद में किए गए एएसआई सर्वे की रिपोर्ट रात हिंदू और मुस्लिम पक्ष को सौंप दी गई है। एएसआई ने अपनी 839 पेज की सर्वे रिपोर्ट में इस बात का जिक्र किया है कि मुगल बादशाह औरंगजेब के कहने पर 17वीं शताब्दी में मंदिर को ढहाया गया था। एएसआई ने अपनी सर्वे रिपोर्ट में एग्जैक्ट डेट तक बताई है कि कब मंदिर को ढहाया गया था? एएसआई ने सर्वे रिपोर्ट में बताया कि 18 अप्रैल 1669 को मुगल बादशाह औरंगजेब मंदिर को तोड़ने को लेकर फरमान जारी करता है। फरमान जारी करने के करीब 5 महीने बाद 2 सितंबर 1669 को मंदिर को तोड़ दिया जाता है।

शिलालेखों पर मिले हिंदू अवतारों के नाम

एएसआई ने अपनी सर्वे रिपोर्ट में बताया है कि मस्जिद के पिलर हिंदू मंदिर के लगते हैं। 34 जगहों पर देवनागरी, कन्नड़, तेलुगु में लिखे शिलालेख मिले हैं। इनमें हिंदू अवतारों जनार्दना, रूद्र, उमेश्वरा नाम मिले हैं। इन्हीं में एक जगह महा मुक्ति मंडप शब्द भी अंकित है। इससे पता चलता है कि मंदिर के ही मलबे को मस्जिद बनाने के लिए इस्तेमाल गिया गया था। एएसआई ने अपनी सर्वे रिपोर्ट में ये तक बताया है कि सर्वे के दौरान एक पत्थर भी मिला, जिसमें लिखा है कि मुगल बादशाह औरंगजेब ने कहा था कि मंदिर तोड़ दी जाए। मंदिर के ही पिलर को मस्जिद बनाने में प्रयोग किया गया।

17वीं शताब्दी में तोड़ा गया था मंदिर

सर्वे के दौरान एक और पत्थर मिला था, वह आधा टूटा हुआ था। वह 1956 के आसपास एएसआई के रिकॉर्ड में भी था। इस पर लिखे शब्दों को मिटा दिया गया था। हिंदू पक्ष के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने कहा कि एएसआई ने अपनी सर्वे रिपोर्ट में ये बताया है कि मस्जिद की पश्चिमी दीवार पर बनी मूर्तियों की कलाकृतियां देखने के बाद ये साफ-साफ लगता है कि ये मस्जिद नहीं बल्कि हिंदू मंदिर का हिस्सा है। हिंदू मंदिर को 17वीं शताब्दी में तोड़कर मरस्जिद का निर्माण किया गया। विष्णु शंकर जैन ने कहा कि एएसआई ने बताया कि ज्ञानवापी मस्जिद में बने खंभे और दीवारों में लगे प्लास्टर पहले से मौजूद संरचना का हिस्सा थे। वर्तमान संरचना के पुनर्निर्माण के लिए प्लास्टर और स्तंभों सहित मंदिर के हिस्सों का पुनः उपयोग किया गया। मंदिर का मुख्य प्रवेश द्वार पश्चिम दिशा से था। मंदिर में एक बड़ा केंद्रीय कक्ष भी था। उत्तर, दक्षिण और पश्चिम कक्ष के अवशेष अभी भी मौजूद हैं। एएसआई ने कहा कि जो पहले का मौजूदा ढांचा था, उसे ही इस्तेमल किया गया। एएसआई को जीपीआर (ग्रांउट पेनेट्रेटिंग राडार) में एक चौड़ा कुआं भी मिला है।

श्रीराम मंदिर की फोटो एडिट कर लगाए पाकिस्तानी झंडे, फिर पहुंची यूपी पुलिस

नौतनवा, 26 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या के श्रीराम मंदिर की फोटो से छेड़छाड़ कर पाकिस्तानी झंडा फहराते तस्वीर प्रसारित करने वाले चकदह गांव के एक आरोपित महफूज को बुधवार को जेल भेजे जाने के बाद इसी प्रकार का एक और मामला गुरुवार को सामने आया है। इंस्पेक्टर मनोज कुमार राय ने बताया कि गुरुवार को चकदह गांव के दर्जनों लोगों ने इंटरनेट पर प्रसारित हो रहे इस पोस्ट की फोटो की जानकारी दी, जिसमें फोटो में छेड़छाड़ कर मंदिर की चोटी पर पाकिस्तान का झंडा लगा है और विवादित शब्द लिखे हुए हैं।

यहां के रहने वाले हैं दोनों

प्रसारित करने वाला एक युवक आफताब निवासी चकदह का है, जो वर्तमान में हैदराबाद में है, जबकि दूसरा आरोपित समसुद्दीन निवासी चकदह थाना नौतनवा निवासी है। दोनों के खिलाफ अब पुलिस कार्रवाई कर रही है।

मुकदमा हुआ दर्जा

दोनों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। समसुद्दीन को गिरफ्तार कर लिया गया है। विधिक कार्रवाई की जा रही है। दूसरे आरोपित के गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

गणतंत्र दिवस पर सीएम योगी ने लखनऊ में फहराया तिरंगा, प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

लखनऊ, 26 जनवरी (एजेंसियां)। गणतंत्र दिवस के मौके पर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तिरंगा फहराया। सबसे पहले राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने झंडारोहण किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने तिरंगे झंडे के रंग के गुब्बारों को खुले आसमान में मुक्त किया। इस मौके पर परेड, झांकी प्रदर्शन के साथ साथ विभिन्न विद्यालयों के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किए गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि गणतंत्र दिवस स्वाधीनता सेनानियों के त्याग व बलिदान का स्मरण कराने के साथ हमें संविधान के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि अमृत काल का विशिष्ट कालखंड हमें आत्मचिंतन करने तथा महान देशभक्तों के सपने व लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रतिबद्ध होने का अवसर भी प्रदान करता है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने भी प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी है।

पारिवारिक कलह के चलते इतना दुखी हुआ शख्स की लगा ली फांसी घर के बाहर मिला शव

अमेठी, 26 जनवरी (एजेंसियां)। अमेठी जिले के पीपरपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में 44 वर्षीय एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर कथित तौर पर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, पीपरपुर थाना क्षेत्र के गांव सूर्य तिवारी का पुरवा निवासी श्रवण कुमार तिवारी (44) का शव उसके घर के बाहर कुछ ही दूरी पर आज सुबह फांसी के फंदे से लटकता हुआ मिला है। पीपरपुर थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) संदीप राय ने बताया कि श्रवण कुमार तिवारी ने वीरवार की रात फांसी के फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। उनके मुताबिक, बताया जाता है कि तिवारी ने पारिवारिक कलह के चलते यह कदम उठाया।

यूपी में भयंकर कोल्ड-डे अलर्ट, 41 जिलों में रेड अलर्ट घोषित

प्रयागराज, 26 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में कड़ाके की सर्दी पड़ रही हैं। कोहरे और बर्फीली हवाओं ने लोगों को मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। शीतलहर की वजह से गलन बढ़ गई है। राज्य के ज्यादातर इलाको में कोहरा छाया हुआ है। राजधानी लखनऊ में सुबह से ही घने कोहरे की सफेद चादर छाई हुई हैं। इसके साथ ही सहारनपुर, बरेली, मुजफ्फरनगर समेत 41 जिलों में ठंड का रेड अलर्ट जारी किया गया है। बाकि हिस्सों में भी ठंड से राहत नहीं, यहां भी घने से अधिक कोहरा छाए रहने का ऑरेंज अलर्ट हैं। यूपी में शुक्रवार 26 जनवरी को भी ठंड से राहत मिलने के आसार नहीं है। मौसम विभाग के मुताबिक राज्य में आज भी मौसम शुष्क ही रहने के आसार हैं। इसके साथ ही प्रदेश में कोहरे, शीत दिवस और शीत लहर की ट्रिपल मार लोगों को परेशान कर सकती हैं। मौसम विभाग ने आज कई स्थानों पर घने से बहुत अधिक घना कोहरा छाए रहने की संभावना जताई है। राज्य के कई स्थानों पर शीत दिवस से लेकर गंभीर शीत दिवस की संभावना है, जबकि पश्चिमी यूपी के कई स्थानों पर शीतलहर चलने का अलर्ट हैं।

ठंड से राहत के आसार नहीं

उत्तर प्रदेश में 27,28 और 29 जनवरी को भी कोहरा छाए रहने और गंभीर शीत दिवस की संभावना है। हालांकि न्यूनतम तापमान में फिलहाल कोई खास बदलाव देखने को नहीं मिलेगा। पिछले 48 घंटों में न्यूनतम तापमान में मामूली सी वृद्धि हो सकती है। राज्य में सबसे कम तापमान चुर्क और कानपुर में 3.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

इन जिलों में शीत दिवस का रेड अलर्ट

यूपी के सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बहराइच, आगरा, इटावा, औरैया, जालौन, कानपुर, झांसी, ललितपुर, महोबा, बांदा, फतेहपुर, चित्रकूट, कौशांबी, श्रावस्ती, गोंडा, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, बस्ती, महाराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, प्रयागराज, मिर्ज़ापुर और सोनभद्र में गंभीर घने कोहरे और भयंकर कोल्ड डे का रेड अलर्ट जारी किया गया है। वहीं बलिया, मऊ, गाजीपुर, वाराणसी, आजमगढ़, अंबेडकर नगर, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, अयोध्या, अमेठी, रायबरेली, बाराबंकी, लखनऊ, उन्नाव, हरदोई, कन्नौज, फर्रुखाबाद, मैनपुरी, फ़िरोजाबाद, एटा, बदायूं, हाथरस, अलीगढ़, मथुरा, बुलंदशहर, नोएडा और गाजियाबाद में कोहरे और कोल्ड डे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

पटना में भीषण सड़क हादसा

ट्रक में हाइवा ने मारी टक्कर, 5 लोगों की मौत

पटना, 26 जनवरी (एजेंसियां)। पटना के विक्रम में एनएच 139 पर सैदाबाद चौक के निकट शुक्रवार की देर रात तेज गति से आ रहे हाइवा ने सड़क किनारे खड़े ट्रक में टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में ट्रक चालक सहित पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे में सभी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतकों में देर रात तक दो की पहचान हो पाई थी। हादसे के बाद हाइवा का चालक गाड़ी छोड़ कर मौके से फरार हो गया।

खराब ट्रक को ठीक कर रहे थे चालक और मिस्त्री

हादसे के संबंध में बताया गया है कि रात करीब 10.30 बजे यह हादसा हुआ। हादसे के वक्त चालक और मिस्त्री खराब ट्रक को ठीक करने के प्रयास में जुटे थे। इसी दौरान यह हादसा हुआ है। चालक और तीनों मेकेनिक ट्रक को जैक पर खड़ा कर अंदर घुस कर गियर बॉक्स निकाल रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे एक हाइवा ने खड़े ट्रक ने जोरदार ठोकर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि गाड़ी के नीचे लगाया गया जैक गिर गया। जिसके कारण अंदर काम कर रहे चालक और तीनों मेकेनिक ट्रक के नीचे दब गए। वहीं घटना के वक्त पान गुमटी का दुकानदार भी मौजूद था। वह भी इसकी चपेट में आ गया।

हादसे में पांचों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही रानीतालाब पुलिस घटनास्थल पहुंच मामले की छानबीन की। रानी तालाब के थाना प्रभारी दुर्गेश कुमार ने बताया कि सभी शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान ट्रक चालक सीतामढ़ी के जागेश्वर दास, रानी तालाब निवासी अजीत कुमार के रूप में की गई है। शेष शवों की पहचान अब तक नहीं हो पाई है। घटना के बाद हाइवा का चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया।

क्या बंगाल और पंजाब के बाद यूपी में इंडिया गठबंधन में दरार? सीट शेयरिंग को लेकर शिवपाल ने कह दी बड़ी बात!

लखनऊ, 26 जनवरी (एजेंसियां)। ममता बनर्जी और सीएम मान के अकेले लोकसभा चुनाव लड़ने के ऐलान के बाद इंडिया गठबंधन के भविष्य को लेकर सवाल खड़े होने शुरू हो गए है। अगर हम यूपी की बात करें तो इंडिया गठबंधन के बैनर तले सीट शेयरिंग के संभावित फॉर्मूले को लेकर सपा और कांग्रेस के बीच निर्णायक दौर की बातचीत जारी है। इसी बीच सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव की बड़ी प्रतिक्रिया सामने आयी है। शिवपाल यादव ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन के साथ आगामी 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ेगी। आरएलडी के साथ सीटों का बंटवारा हो गया है और जल्द ही कांग्रेस के साथ भी बातचीत फाइनल हो जाएगी। मेरी निजी राय है कि अब तक सारी बातें गठबंधन में तय हो जानी चाहिए। हम सब अपनी-अपनी चुनावी तैयारियों में लगे हुए हैं। सीट शेयरिंग में काफी देरी हो रही है। अब तक ये सबकुछ हो जाना चाहिए था। हम जल्द ही सबकुछ तैयार करके जनता के बीच जाना शुरू कर देंगे।

यूपी में सीट शेयरिंग का जल्द होगा ऐलान

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक कांग्रेस और सपा एक-एक लोकसभा सीटों पर चुनावी हार-जीत के आंकलन में जुटी हुई है। सियासी गलियारों में चल रही चर्चाओं की मानें तो जल्द ही यूपी में सीट शेयरिंग का ऐलान कर दिया जाएगा। अगर दोनों दलों के बीच सीट बंटवारे में कोई गांठ सामने आती है तो राहुल गांधी या मल्लिकार्जुन खड़गे खुद अखिलेश यादव से बात करके बीच का रास्ता निकाल सकते है। सूत्रों के मिली जानकारी के मुताबिक 80 लोकसभा सीटों में से कांग्रेस को 8-10, समाजवादी पार्टी को 65 और अन्य स्थानीय छोटे घॉक दलों को 5-7 सीटें दी जा सकती है। ऐसे में जल्द ही यूपी में इंडिया गठबंधन के बैनर तले सीट शेयरिंग का संभावित फॉर्मूला सामने आ सकता है।

झंडारोहण के बाद बोले चिराग पासवान

राजनीतिक घटनाक्रम पर हमारी पूरी नजर

पटना, 26 जनवरी (एजेंसियां)। पटना से लेकर दिल्ली तक सियासत पूरी तरह गर्म है। बैठकों का दौर जारी है। चर्चा है कि बिहार में जल्द सरकार गिर सकती है। इसी बीच पटना में झंडोतोलन के बाद लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने मीडिया से बातचीत की। राजनीतिक घटनाक्रम पर लोजपा-रामविलास की नजर चिराग पासवान ने कहा कि हमारी पार्टी की पूरी नजर है। बीजेपी जिनके साथ हमारा गठबंधन है, उनके शीर्ष नेतृत्व के संपर्क में मैं हूं। एक बार परिस्थितियों स्पष्ट होगी उसके बाद हमारी पार्टी अपना रुख स्पष्ट करेगी। चिराग ने कहा कि वो दिल्ली जा रहे हैं। बीजेपी के साथ कुछ और संभावित बैठक होनी हैं। हमने अपने सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। वहीं, जब चिराग पासवान से पूछा गया कि नीतीश कुमार एनडीए में आते है तो क्या आप और आपकी पार्टी कंफर्टेबल है तो चिराग ने कहा कि अगर मगर में उलझेंगे तो बहुत सारे प्रश्नों का बिना आधार के जवाब देना होगा। कुछ ही समय की बात हैं और स्थिति जैसे ही स्पष्ट होती है बिना अगर मगर के स्पष्ट रूप से तमाम प्रश्नों के जवाब दिए जाएंगे।

कोर्ट के आदेश के बावजूद एम्स की डॉक्टर ने नहीं खाली किया फ्लैट, दर-दर भटक रहे बुजुर्ग दंपति

नोएडा, 26 जनवरी (एजेंसियां)। शहर में एम्स की एक डॉक्टर पर कोर्ट के आदेश के बाद भी फ्लैट नहीं खाली करने का आरोप है। पीड़ित पक्ष का कहना है कि उन्होंने डॉक्टर मनाली अग्रवाल को किराए पर अपना फ्लैट दिया था, लेकिन अब मनाली यह फ्लैट खाली नहीं कर रही है और इसका किराया भी नहीं दे रही है। इस मामले को लेकर पीड़ित पक्ष कोर्ट भी गया। कोर्ट ने 30 दिन के अंदर फ्लैट खाली करने का आदेश भी दे दिया है, लेकिन इसके बावजूद मनाली द्वारा फ्लैट खाली नहीं किया जा रहा है। पीड़ित पक्ष ने इस मामले को लेकर एक बार फिर से कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। दरअसल, नोएडा के सेक्टर 93ए में स्थित ग्रैंड ओमेक्स सोसायटी में एक बुजुर्ग दंपति का फ्लैट है। बुजुर्ग दंपति का कहना है कि उन्होंने अपने पूरे जीवन की जमा-पूंजी लगाकर यह फ्लैट लिया था।

विकास दुबे का भतीजा थानाध्यक्ष पर फायरिंग मामले में दोषमुक्त, कोर्ट में पुलिस की थ्योरी फेल

कानपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। बिकरू कांड के बाद पुलिस की कार्रवाई में जो जल्दबाजी और खानापूर्ति की गई उसके नतीजे आने शुरू हो गए हैं। बिकरू से जुड़े एक और मामले में फैसला आ गया। इसमें कुख्यात गैंगस्टर विकास दुबे के भतीजे को साक्ष्यों के अभाव में दोषमुक्त कर दिया गया। उस पर तत्कालीन सजेती थानाध्यक्ष पर अवैध असलहे से फायरिंग करके जानलेवा हमले का आरोप था। अभियोजन दोष साबित करने के लिए साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सका। 2 जुलाई 2020 को बिकरू में कुख्यात विकास दुबे को गिरफ्तार करने गई पुलिस टीम पर फायरिंग की गई थी। इसमें सीओ समेत आठ पुलिसकर्मी मारे गए थे। इसके जवाब में पुलिस की जो कार्रवाई हुई उसमें कई बड़ी चूक हुई हैं। ऐसा ही एक मामला विपुल दुबे का है। एडीजे पंचम दुर्गेश की कोर्ट ने विपुल को जानलेवा हमले और शस्त्र अधिनियम के मामले में दोषमुक्त कर दिया है। दरअसल बिकरू कांड के बाद पुलिस ने जांच में विपुल दुबे को भी आरोपी बनाया था। इसके बाद ईनाम भी घोषित हो गया। पुलिस ने आरोप लगाया कि 7 जनवरी 2021 को विपुल चोरी की बाइक से हमीरपुर की ओर जा रहा था तभी सजेती पुलिस को भनक लगी। तत्कालीन थानाध्यक्ष रावेंद्र कुमार मिश्रा ने टीम के साथ पहुंच कर विपुल को पकड़ने की कोशिश लेकिन उसने अवैध तमंचे से कई राउंड फायरिंग करके जानलेवा हमला किया। इसके बाद पुलिस ने उसे पकड़ कर अवैध तमंचा बरामद कर लिया लेकिन पुलिस की ये कहानी कोर्ट में फेल हो गई। बचाव पक्ष के अधिवक्ता पवनेश कुमार शुक्ला ने बताया कि कोर्ट ने जानलेवा हमले और शस्त्र अधिनियम दोनों मामलों में विपुल को दोषमुक्त किया है। उम्मीद है इस फैसले से विपुल को आगे भी राहत मिलेगी। सहायक शासकीय अधिवक्ता संतोष कटियार ने बताया कि वह कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील करेंगे।

पुलिस की इस बड़ी लापरवाही का मिला फायदा

दरअसल पुलिस ने जिस तमंचे से कई राउंड फायरिंग दिखाई उसे विधि विज्ञान प्रयोगशाल भेजकर जांच भी नहीं कराई। जांच कराने से प्रमाणित हो जाता कि असलहे से फायरिंग हुई है और ये असलहा लगातार कई राउंड फायरिंग करने में सक्षम है। बचाव पक्ष ने ये दलील रखी पुलिस की तरफ से बरामद दिखाया गया असलहा विपुल के पास था ही नहीं और ये फायरिंग करने की स्थिति में नहीं दिख रहा है। वहीं पुलिस ने फर्द में कटिंग करके ओरवराइटिंग करके संदेहनजक स्थिति पैदा कर दी। अभियोजन इस बाबत कोई मजबूत जवाब नहीं दे सका। इस घटना से जुड़े आरोपी गुड्डन त्रिवेदी, सुशील तिवारी को गैंगस्टर एक्ट में दोषमुक्त किया गया है। इन दोनों के साथ ही खुशी दुबे की जमानत हो चुकी है वह जेल से बाहर हैं। विपुल दुबे के अधिवक्ता पवनेश कुमार शुक्ला ने बताया कि बिकरू कांड के बाद पुलिस ने कई निर्दोष लोगों को भी मुल्जिम बना दिया। इसी में से एक हैं विपुल दुबे। शुक्ला का कहना है कि विपुल पढ़ने-लिखने वाला लड़का था। उसकी आईटीबीपी में नौकरी लग गई थी। अगस्त 2020 में उसकी ज्वाइनिंग थी। इसके पहले जुलाई में बिकरु कांड हो गया।

प्राण प्रतिष्ठा से मालामाल हुए व्यापारी गल्ले में पहुंचे इतने करोड़ रुपये

अयोध्या, 26 जनवरी (एजेंसियां)। रामनगरी अयोध्या में बने भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ राम का काज पूरा हो गया। इस राम काज ने सर्दी में मंद पड़े कारोबार को नई ऊंचाई दी है। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक, प्रयागराज में राम उत्सव के 11 दिनों में राम काज से 52 करोड़ का रुपये का कारोबार हुआ है। ई कॉमर्स के बिजनेस के बढ़े दबाव से मंदी झेल रहे खुदरा व्यापारियों को भी इससे नई संजीवनी मिली है। व्यपारियों का मानना है कि राम नवमी तक इसी तरह का कारोबार रहने की उम्मीद है। अयोध्या में 22 जनवरी को सम्पन्न हुए रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से करोड़ो सनातनियों का संकल्प और मनोरथ पूर्ण हुआ है। पांच सदियों बाद पूरे हुए राम काज के इस मनोरथ ने लाखों हाथों को रोजगार और हजारों कारोबारियों को संजीवनी मिली है। मठ, मंदिरों और देवालयों में विभिन्न धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के अलावा अपने - अपने घरों और देवालयों में राम ज्योति जलाने के साथ-साथ दीवाली मनाई गई। पीएम के आह्वान के बाद रामभक्तों ने उत्साह से घर-घर दिए जलाए। जमकर मिठाई बांटी और बाजारों में रौनक बनी रही। इससे लाखों हाथ को रोजगार और हजारों कारोबारियों को संजीवनी मिली है। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) ने इस आयोजन से जुड़े आंकड़े जारी किए गए हैं। कैट के उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष महेंद्र गोयल के मुताबिक, राम उत्सव के 11 दिनों के इस समारोह में प्रयागराज में 152 करोड़ से अधिक का कारोबार हुआ है। इस अवधि में कैट द्वारा जारी किए गए आंकड़े बताते हैं कि प्रयागराज में इन 11 दिनो 23 करोड़ का कारोबार भगवान राम और राम दरबार की चांदी और अन्य धातुओं की मूर्ति के बाजार से हुआ है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह की शाम को सम्पूर्ण देश में दूसरी दीपावली मनाई गई। इस दौरान दीए, घी, तेल और बाती का 11 करोड़ से अधिक का कारोबार हुआ है। आस्था और उत्साह को व्यक्त करने के लिए लोगों ने अपने घरों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और देव स्थलों में राम पताका, हनुमान ध्वज और सनातन धर्म की पताकाएं लगाईं। इसके तहत 3.5 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ है। आस्था के उत्सव में राम भक्तों ने शहर की सड़कों को भगवान राम के पोस्टर बैनर और होर्डिंग्स से पाट दिया। इससे 2.7 करोड़ रुपये का कारोबार जिले में हुआ है। संस्कृति और पर्यटन विभाग की पहल पर जिले के हजारों लोक कलाकारों और भजन कीर्तन मंडलियों को भी इससे रोजगार मिला है।

केरल में कांग्रेस केवल दो लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों की तलाश कर रही

बाकी को दोहराया जा सकता है

तिरुवनंतपुरम, 26 जनवरी (एजेंसियां)। आगामी लोकसभा चुनाव करीब हैं और कांग्रेस पार्टी 14 मौजूदा सांसदों को चुनाव लड़ने की अनुमति दे सकती है, इसलिए उसे केवल दो सीटों - कन्नूर और अलाप्पुझा पर नए उम्मीदवार ढूंढने होंगे। यह संकेत किसी और ने नहीं, बल्कि राज्य कांग्रेस अध्यक्ष और कन्नूर से मौजूदा लोकसभा सदस्य के। सुधाकरन ने दिया, जिन्होंने संकेत दिए कि वह दोबारा चुनाव नहीं लड़ेंगे। उनके बाहर होने से, पार्टी को अलाप्पुझा के अलावा वहां एक नया उम्मीदवार ढूंढना होगा, जहां कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ उम्मीदवार 2019 के चुनावों में सीपीआई (एम) उम्मीदवार से हार गया था। 2019 के चुनावों में, कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने राज्य की 20 में से 19 सीटें जीतीं, केवल अलाप्पुझा सीट हार गई। यूडीएफ सहयोगी - आईयूएमएल ने दोनों सीटें जीतीं, कोल्लम में आरएसपी उम्मीदवार ने भी जीत हासिल की, और कोट्टायम निर्वाचन क्षेत्र केरल कांग्रेस (मणि) पार्टी के उम्मीदवार ने जीता, जो बाद में सत्तारूढ़ सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले वाम मोर्चे में चले गए। चिकित्सा देखभाल के लिए अमेरिका के संक्षिप्त दौरे के बाद लौटे सुधाकरन ने संकेत दिया है कि 10 दिनों के भीतर पार्टी कन्नूर और अलाप्पुझा से अपने उम्मीदवार का नाम घोषित करेगी। संयोग से, यूडीएफ का नेतृत्व करने वाली पार्टी होने के नाते कांग्रेस ने पहले ही सहयोगियों के साथ बातचीत शुरू कर दी है और उन्होंने अनुभवी विधायक पीजे। जोसेफ की अध्यक्षता वाली केरल कांग्रेस पार्टी के साथ पहले दौर की बातचीत पूरी कर ली है, जिसने कोट्टायम लोकसभा सीट पर दावा किया है। यह सीट पूर्ववर्ती केरल कांग्रेस (एम) के पास थी, जिसमें जोसेफ तब तक शामिल थे, जब तक कि एक गुट बाहर नहीं निकल गया और सत्तारूढ़ वामपंथ का तीसरा सबसे बड़ा सहयोगी बन गया। हालांकि यूडीएफ में दूसरा सबसे बड़ा सहयोगी - आईयूएमएल, जिसके पास दो सीटें हैं, ने तीसरी सीट पाने की इच्छा व्यक्त की है, लेकिन इसे कांग्रेस पार्टी से मंजूरी मिलने की संभावना नहीं है। उन्होंने वायनाड लोकसभा सीट मांगी है, अगर मौजूदा सदस्य राहुल गांधी अपनी सीट से दोबारा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला करते हैं, क्योंकि ऐसी अटकलें हैं कि वह किसी अन्य दक्षिण भारतीय राज्य में जा सकते हैं।

कर्नाटकः जगदीश शेट्टर ने कांग्रेस के 'विश्वास को धोखा' दिया है

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने 'भाजपा वापसी' पर किया तीखा हमला

बेंगलुरु, 26 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक की सत्ता पर काबिज कांग्रेस पार्टी ने पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर के 'भाजपा वापसी' को लेकर बेहद तीखा हमला करते हुए उनपर धोखा देने का आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि भाजपा नेता शेट्टर ने कांग्रेस के साथ धोखे की राजनीति की है। दोनों नेताओं ने कहा कि पिछले साल विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी में शामिल होने के बाद पार्टी ने जगदीश शेट्टर के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया, जबकि भाजपा ने तो उन्हें चुनावी टिकट देने से इनकार कर दिया था। कांग्रेस नेताओं द्वारा शेट्टर पर यह जुबानी हमला इसलिए किया गया क्योंकि उन्होंने बीते गुरुवार को सत्ताधारी कांग्रेस से किनारा करते हुए पुरानी पार्टी भाजपा में फिर से शामिल हो गए। जगदीश शेट्टर ने भाजपा में दोबारा जाने के अपने फैसले को सही बताते हुए कहा कि भाजपा के साथ उनके राजनीतिक जीवन का लंबा जुड़ाव रहा है। उनके कई शुभचिंतक चाहते हैं कि वो भाजपा में वापस आ जाएं। इस संबंध में डीके शिवकुमार ने कहा, जगदीश शेट्टर ने मुझे बताया था कि उनसे बीजेपी द्वारा पार्टी में शामिल होने का अनुरोध किया जा रहा था और कार्यकर्ताओं को उनसे मिलने के लिए भेजा जा रहा था। कल सुबह भी मैंने उनसे बात की थी। उन्होंने मुझसे कहा था कि वह ऐसा कुछ नहीं करेंगे और कहीं नहीं जाएंगे। उनकी बातों को ध्यान में रखते हुए मैंने इसके बारे में मैसूरु से बात की थी, लेकिन अब मुझे जानकारी मिली है कि वह भाजपा कैंप में खड़े हैं।''बेंगलुरु में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने शेट्टर को वरिष्ठ नेता मानते हुए उनके साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया। उन्होंने कहा, उन्होंने कहा था कि बीजेपी अच्छी नहीं है, उन्होंने बीजेपी के खिलाफ कई बयान दिए थे। कांग्रेस ने वरिष्ठ नेता उनपर भरोसा किया था, लेकिन खुद मीडिया में दिखाया जा रहा है कि उन्होंने कांग्रेस पार्टी के भरोसे को धोखा दिया है। शेट्टार के इस बयान पर कि वह राष्ट्रीय हित में भाजपा में फिर से शामिल हो गए हैं, शिवकुमार ने पूछा, क्या उन्हें राष्ट्रीय हित के बारे में पता नहीं था, जब उन्हें भाजपा ने टिकट नहीं दिया था? क्या उन्हें कांग्रेस और राष्ट्रीय हित के बारे में पता नहीं था, जब कांग्रेस ने उन्हें पांच साल के लिए एमएलसी बनाया? जगदीश शेट्टर को बताना होगा कि भाजपा की ओर से उन्हें क्या प्रलोभन दिया गया था। मैं केवल इतना कह सकता हूं कि कांग्रेस ने उनके साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया। हम सभी के पास विवेक है, वह भी ऐसा ही विवेक रखते होंगे। डीके शिवकुमार के साथ मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि उन्हें जगदीश शेट्टर के घटनाक्रम की जानकारी नहीं है, लेकिन मुख्यमंत्री ने बार-बार कहा कि कांग्रेस ने जगदीश शेट्टर के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया और उन्होंने आश्वासन दिया था कि वह भाजपा में वापस नहीं जाएंगे। सीएम सिद्धारमैया ने कहा, जगदीश शेट्टार यह कहते हुए कांग्रेस में आए कि भाजपा ने उन्हें अपमानित किया और टिकट नहीं दिया। हमने उन्हें टिकट दिया क्योंकि वह पूर्व मुख्यमंत्री हैं। वह अपने ही निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा चुनाव हार गए थे फिर हमने उन्हें एमएलसी बनाया। 'कांग्रेस पार्टी की ओर से उनके साथ कोई अन्याय या अपमान नहीं हुआ।

हमने उनके साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया था।'' मालूम हो कि भाजपा के छह बार के विधायक रहे, 68 साल ते जगदीश शेट्टर को भाजपा ने पिछले चुनाव में हुबली-धारवाड़ (मध्य) क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए टिकट देने से इनकार कर दिया था। जिसके बाद उन्होंने भाजपा से अलग होने का फैसला किया। शेट्टर, जिनका परिवार जनसंघ के दिनों से पार्टी से जुड़ा हुआ है। अपने गढ़ किट्टूर कर्नाटक क्षेत्र से एक प्रभावशाली नेता हैं। वह प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भी रह चुके हैं। शेट्टर ने गुजरा विधानसबा चुनाव भाजपा द्वारा टिकट नहीं दिए जाने के बाद कांग्रेस के टिकट पर लड़ा था। हालांकि वो भाजपा के महेश तेंगिनाकाई से हुबली-धारवाड़ (मध्य) सीट 34,289 मतों के अंतर से हार गए थे।

शादी से एक दिन पहले दुल्हन ने दिया ऐसा झटका, सच्चाई सुनकर दूल्हे के उड़ गए होश

रीवा, 26 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के रीवा जिले से शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां शादी के एक दिन पहले लड़की के साथ गांव के ही एक लड़के ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम दे दिया। घटना की जानकारी जब लड़की के परिजनों को लगी तो वो हैरान रह गए। जिसके बाद अगले दिन लड़की की बारात भी नहीं आई। पारिवारिक कारणों की वजह से दुष्कर्म की घटना के बाद होने वाली शादी भी टूट गई। जानकारी अनुसार पूरा मामला जिले के सगरा थाने का बताया जा रहा है। जहां एक दिन बाद दुल्हन बनने जा रही लड़की दुष्कर्म का शिकार हो गई।

लड़की ने घर आकर परिजनों को सारी आपबीती सुना दी। पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर लिया। वहीं आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पीड़िता ने पुलिस को जानकारी दी की शादी के एक दिन पहले वह अपने निजी काम से जा रही थी तभी स्कूल के पास आरोपी अभिषेक त्रिपाठी पिता बसंतीलाल त्रिपाठी ने अपने पुराने परिचय का फायदा उठाकर उसके साथ गलत काम किया है। परिजनों ने बताया कि आरोपी अभिषेक त्रिपाठी लड़की पर लगातार शादी करने का दबाव बना रहा था, लेकिन जब लड़की नहीं मानी और उसकी शादी कहीं और तय हो गई तो बदला लेने की नियत से उसने लड़की के साथ गलत कृत किया है। पुलिस ने पूरे मामले में पीड़ित लड़की का मेडिकल परीक्षण करवाया है। पूरे मामले में एडिशनल एसपी ने जानकारी दी कि आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। एडिशनल एसपी का कहना कि लड़की अपनी इच्छा से शादी तोड़ी है। घटना को लगभग डेढ़ महीने हो गए। लड़की के घर के तमाम लोग शादी न करने की वजह जानना चाहते थे। इसके बाद लड़की ने यह बात अंतत अपने परिजनों को बता दी।

बंगाल में कांग्रेस-टीएमसी में बढ़ी तकरार

ममता के गठबंधन से इनकार के बाद सिलीगुड़ी में राहुल की रैली को इजाजत नहीं

कोलकाता, 26 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और टीएमसी में तकरार बढ़ती जा रही है। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने दावा किया है कि पश्चिम बंगाल के सिलिगुड़ी में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तहत राहुल गांधी को जनसभा की इजाजत नहीं मिली। अधीर रंजन ने कहा कि न्याय यात्रा पर शुरुआत से ही हर तरह के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। पहली भारत जोड़ो यात्रा के दौरान हमें कभी ऐसी कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ा। अधीर रंजन चौधरी ने कहा, मणिपुर में राहुल गांधी को सार्वजनिक बैठक करने की अनुमति नहीं दी गई। हमें मणिपुर के बाहर एक निजी संपत्ति पर जनसभा को आयोजित करना पड़ा। असम में सरकार के आदेश पर कई पुलिसकर्मियों ने यात्रा पर हमला किया। पश्चिम बंगाल में हमने सिलीगुड़ी में रैली करने की इजाजत मांगी थी। लेकिन इसे अस्वीकार कर दिया गया। यह न्याय यात्रा देश के लिए सभी लोगों के लिए है। यह किसी के समर्थन या विरोध में नहीं है। अधीर रंजन ने कहा, बंगाल में हमने छोटा सा निवेदन किया था। हमने जनसभा की अनुमति मांगी थी। लेकिन प्रशासन ने इसके लिए अनुमति नहीं दी। उन्होंने कहा, बंगाल में अगर सत्ताधारी पार्टी के विरोध में कुछ होता है तो पुलिस तुरंत एक्शन ले लेती है। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और टीएमसी के बीच कुछ ठीक नहीं चल रहा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लगातार राज्य में टीएमसी के अकेले चुनाव लड़ने की बात कह रह रही हैं। उन्होंने हाल ही में कहा था कि टीएमसी इंडिया गठबंधन में है, लेकिन पश्चिम बंगाल में बीजेपी के खिलाफ उनकी पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी। हालांकि, इसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ममता बनर्जी से बात भी की थी।

अब एक्शन में आए लालू यादव, तेजस्वी यादव को राबड़ी आवास बुलाया

पटना, 26 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में राजनीतिक हलचल तेज है और इस बीच राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने अपने बेटे व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को राबड़ी देवी के आवास पर बुलाया है। तेजस्वी अपने पिता लालू यादव से बातचीत कर रहे हैं। बता दें कि फिलहाल बिहार की राजनीति में बदलाव के संकेत साफ मिल रहे हैं। गांधी मैदान में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव के बीच की दूरी साफ-साफ दिखी भी थी। ऐसे में लालू यादव ने भी परिस्थितियों को भांप लिया है और सक्रिय हो गए हैं। हालांकि, उनके पास विधायकों की संख्या अभी बहुमत से कम है और राजद, कांग्रेस और वाम दल के साथ एआईएमआईएम एवं निर्दलीय मिलाकर 116 तक ही आंकड़ा पहुंचता है। लेकिन एक पहलू है कि राजद के कोटे से स्पीकर अवध बिहारी चौधरी हैं। ऐसे में लालू यादव की सक्रियता काफी कुछ सियासी कहानी रच सकती है। गौरतलब है कि इससे पहले सुशील कुमार मोदी ने भी दिल्ली में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि राजनीति में बंद दरवाजे खुल सकते हैं। जाहिर है सुशील मोदी का यह बयान सीधा-सीधा इशारा नीतीश कुमार को लेकर ही था। हालांकि, उन्होंने सरकार बनने की संभावना को लेकर कुछ भी नहीं कहा। बता दें कि इस बीच बिहार में जदयू ने अपने सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं।

बिल्लौद स्वास्थ्य कैंप में एक्सपायरी दवा वितरण के बाद हंगामा, जनपद सदस्य प्रतिनिधि ने बनवाया पंचनामा

मंदसौर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। मंदसौर जिले के मल्हारगढ़ विकास खण्ड के बिल्लौद ग्राम में स्वास्थ चेकअप के लिए कैंप लगवाया गया था। यहां बच्चों से लेकर बूढ़ों तक का हेल्थ चेकअप किया जा रहा है। प्राथमिक तौर पर दवाई का भी निःशुल्क वितरण की जा रहा है। इस दौरान निशुल्क दी जाने वाली दवा एक्सपायरी डेट की मिलने से हंगामा मच गया। सूचना मिलने पर जनपद प्रतिनिधि ने मौके पर पहुंचकर कैंप बंद करवाया। ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर को सूचना दी। ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर ने रिपोर्ट तैयार कर कार्रवाई के लिए सीएमएचओ को प्रतिवेदन पेश किया है। मंदसौर जिले के मल्हारगढ़ विकास खंड के ग्राम बिल्लौद स्थित प्राथमिक शाला में आधार हाउसिंग फाइनेंस कंपनी के द्वारा स्वास्थ हेल्थ चेकअप शिविर का आयोजन किया जा रहा था, जिसमें सभी प्रकार की बीमारी का निःशुल्क इलाज कर दवाई का वितरण किया जा रहा था। यहां एक प्रकार की दवाई सिट्राजिन का वितरण भी किया जा रहा था। वह मई 2023 में ही एक्सपायर हो चुकी थी। इसके बाद भी दवा का वितरण किया जा रहा था। मामला तब नजर में आया जब एक बुजुर्ग महिला दवाई लेकर घर पहुंची तो उसके बेटे ने दवा के पत्ते की एक्सपायरी डेट चेक की तो दवा एक्सपायर हो चुकी थी। जिसकी सुचना जनपद सदस्य प्रतिनिधी विकास जैन को दी गई। सूचना मिलते ही जनपद सदस्य प्रतिनिधि, ग्राम सरपंच प्रतिनिधि अन्य ग्रामीणों के साथ मोके पर पहुंचे और सारी दवाई चेक की गईं। जांच में पता चला कि वितरित की जा रही सिट्राजिन 10 एमजी टेबलेट मई 2023 में ही एक्सपायर हो चुकी थी। यही नहीं कई नन्हे बच्चों को भी स्कूल में दवाई वितरण की गई थी, जिनको तुरन्त एकत्रित किया गया। जनपद सदस्य प्रतिनिधि विकास जैन ने मुझे बताया कि शिविर में एक्सपायरी डेट की टेबलेट वितरित की जा रही है। जानकारी मिलने पर मैं मौके पहुंचा और शिविर बन्द करवा कर मौके पर पंचनामा बनाया। अग्रिम कार्रवाई के लिए सीएमएचओ पत्र प्रेषित किया है।

16 फरवरी को वित्त मंत्री अतिशी पेश करेंगी बजट केजरीवाल सरकार ने उपराज्यपाल को भेजी फाइल

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार का 15 से 20 फरवरी तक बजट सत्र चलेगा। 16 फरवरी को वित्त मंत्री अतिशी बजट पेश करेंगी। केजरीवाल सरकार ने बजट सत्र की फाइल उपराज्यपाल वीके सक्सेना को भेजी है। इस बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, सड़क और इंफ्रास्ट्रक्चर समेत अन्य प्रमुख मुद्दों पर विशेष फोकस किए जाने की उम्मीद है। आगामी वित्तीय वर्ष का बजट वित्त मंत्री आतिशी पेश करेंगी। केजरीवाल सरकार का यह 10वां बजट होगा। इससे पहले 2023-24 का बजट 'साफ-सुंदर और आधुनिक' दिल्ली थीम पर आधारित था, जिसे तत्कालीन वित्त मंत्री कैलाश गहलोत ने पेश किया था। 2023-24 का बजट 78,800 करोड़ रुपये का था। जबकि 2015 में दिल्ली का बजट महज 30,940 करोड़ रुपये का ही था।

बैतूल में हत्या का अजीबोगरीब मामला

दोस्त ने कबूली हत्या, जंगल की खाक छान रही पुलिस को नहीं मिल रहा शव

बैतूल, 26 जनवरी (एजेंसियां)। बैतूल में हत्या का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसको लेकर आठनेर पुलिस खुद परेशान हो गई है। दरअसल एक युवक की गुमशुदगी परिजनों ने दर्ज कराई है, जबकि उसके दोस्त का कहना है कि मैंने ही लापता युवक की हत्या की है। अब पुलिस को न तो शव मिल पाया है और न ही ऐसा कोई साक्ष्य जिससे की यह पता चले सके कि लापता युवक की सही में हत्या हुई है। पुलिस के सामने भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। हालांकि पुलिस ने हत्या कबूल करने वाले युवक को हिरासत में ले लिया है, लेकिन शव बरामद नहीं होने के कारण आगे पुलिस भी कुछ नहीं कर पा रही है। आठनेर थाना प्रभारी राजन उइके ने बताया कि थाने के अंतर्गत आने वाले ग्राम कावला के दो युवक यशवंत और प्रकाश 19 जनवरी को जंगल घूमने गए थे। यशवंत तो वापस आ गया लेकिन प्रकाश लापता है। परिजनों ने रिश्तेदारों, परिचितों के घर तलाश की लेकिन कोई खोजखबर नहीं मिली। अंततः परिजनों ने आठनेर थाने पहुंचकर प्रकाश की गुमशुदगी दर्ज करा दी।

दीक्षांत हत्याकांडः आरोपी पीहू-मोहसिन को भेजा जेल, करोड़पति को कंगाल बनाने में माहिर थी पीहू, किस्से आए सामने

मंदसौर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। रेलवे इंजीनियर दीक्षांत हत्याकांड के आरोपी मोहसीन लाला और ढोढर निवासी पीहू (परिवर्तित नाम) को एक दिन की रिमांड के बाद कोर्ट में पेश किया। यहां से इन्हें जेल भेज दिया है। पुलिस का दावा है कि हत्या की वारदात को दोनों ने मिलकर अंजाम दिया था। फिलहाल किसी अन्य आरोपी का नाम पूछताछ में सामने नहीं आया है। मामले के अनुसार 21 जनवरी 2024 की सुबह ग्राम खोडाना चौकीदार की सूचना पर भावगढ़ पुलिस ने लाल रंग की कार एमपी 43 सोबी 0143 से लाश बरामद की थी। मृतक के शरीर पर गोली के निशान थे। घटनास्थल पर एफएसएल टीम को बुलाया गया। मृतक की शिनाख्त दीक्षांत पिता नवीन पण्ड्या निवासी रेलवे कॉलोनी रतलाम के रूप में हुई थी। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 302 के तहत केस दर्ज किया। जांच शुरू हुई तो पता चला कि दीक्षांत के साथ कार में ढोढर की रहने वाली महिला थी। इसे पकड़कर पूछताछ की तो इसने पुराने प्रेमी मोहसीन के साथ मिलकर दीक्षांत की हत्या करना स्वीकार किया। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार किया।

इंदौर टीसीएस की महिला इंजीनियर ने भी दम तोड़ा

सुपर कॉरिडोर पर कार ने मारी थी टक्कर; 5 दिन पहले पिता की मौत

इंदौर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। सुपर कॉरिडोर स्थित टीसीएस कंपनी के चौराहा पर 5 दिन पहले हुए सड़क हादसे में घायल हुई सॉफ्टवेयर इंजीनियर मेघा मालवीय (25) की शुक्रवार को मौत हो गई। वह गंभीर घायल थी। उसका एमवाय अस्पताल में इलाज चल रहा था। इस हादसे में उनके पिता सुनील (53) की भी मौत हो चुकी है। उन्होंने घटनास्थल पर दम तोड़ा था। दोनों उज्जैन के रहने वाले थे। मेघा टीसीएस कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर थीं। जानकारी के मुताबिक सोमवार दोपहर स्कूटी से सुनील मालवीय (53) अपनी इंजीनियर बेटी मेघा को टीसीएस कंपनी में छोड़ने जा रहे थे। इसी दौरान टीसीएस के अंदर चौराहे पर इनोवा कार (एमपी09 डब्ल्यूबी8620) ने स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। इससे पिता सुनील (53) की घटनास्थल पर मौत हो गई। इंजीनियर बेटी मेघा (25) घायल हो गई। मेघा का अरबिंदों लाया गया, जहां से बॉम्बे हॉस्पिटल शिफ्ट कर दिया था। बाद में एमवाय में भर्ती कराया जहां शुक्रवार सुबह उसने दम तोड़ दिया।

कार इंद्रेश मिश्रा के नाम पर

घटना स्थल पर जिस इनोवा कार ने टक्कर मारी थी, वह इंद्रेश मिश्रा के नाम पर है। परिवहन विभाग की वेबसाइट पर उनके घर का पता 89 शुभम पैलेस बता रहा है।

टक्कर में एक अन्य युवक की भी मौत हुई थी, शिनाख्त नहीं करा पा रही पुलिस

बताया जाता है कि स्कूटी सवार पिता-पुत्री के अलावा कार से एक बाइक सवार युवक भी टकरा गया था। घटना में इस युवक की मौके पर ही मौत हो गई थी। फिलहाल युवक की शिनाख्त नहीं कर सकी है जबकि पांच दिन हो गए हैं।

सिग्नल नहीं होने से चौराहे पर होते हैं हादसे

टीसीएस चौराहे पर वाहनों की आवाजाही अधिक बनी रहती है। जहां हादसा हुआ वह टीसीएस के अंदर वाला चौराहा है। ट्रैफिक सिग्नल भी नहीं है। इस कारण वाहन चालक एक-दूसरे के सामने आ जाते हैं। स्पीड ज्यादा होने पर वाहन अनियंत्रित हो जाते हैं। पहले भी चौराहे पर हादसे हो चुके हैं। कंपनी में काम करने वाले कर्मचारियों का कहना है कि चौराहे पर सुरक्षा के लिहाज से ट्रैफिक सिग्नल लगना चाहिए।

कैदियों के हित में खट्टर सरकार का फैसला नहीं मिलेगा राम रहीम को फायदा

गुरूग्राम, 26 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्य में सजा भुगत रहे कैदियों को विशेष छूट का लाभ देने का निर्णय लिया है। खट्टर सरकार ने फैसला किया है जिन दोषियों को 10 साल या उससे अधिक की आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। उन्हें 60 दिन की छूट दी जाएगी। खट्टर सरकार के इस फैसले का लाभ डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम को नहीं मिलेगा। हरियाणा सरकार के आदेश के मुताबिक गणतंत्र दिवस के मौके पर कैदियों को दो महीने तक की सजा में छूट का फायदा गुरमीत राम रहीम को नहीं मिलेगा। हरियाणा सरकार ने इसको लेकर विस्तृत आदेश जारी किया है। हरियाणा सरकार के आदेश में क्लियर किया गया कि हत्या और बलात्कार के आरोपियों को सरकार की इस योजना का फायदा नहीं मिलेगा।

सरकार के आदेश में कहा गया कि 14 साल से कम आयु के बच्चों की हत्या तथा अपहरण, बलात्कार के साथ हत्या, डकैती और लूटपाट, एसिड अटैक तहत सजा काट रहे अपराधियों को छूट नहीं दी जाएगी। साथ ही कहा गया कि पिछले दो सालों के दौरान किसी भी बड़े जेल अपराध में शामिल अपराधियों के मामले में सजा काट रहे अपराधियों को पंजाब जेल मैनुअल, हरियाणा जेल या उस दिन लागू किसी अन्य अधिनियम या नियमों के तहत कोई छूट नहीं मिलेगी। बता दें कि गुरमीत राम रहीम 50 दिनों की पैरोल पर जेल से बाहर चल रहा है।

ज्ञानवापी पर हिन्दुओं के पक्ष में फैसला दे कोर्ट, आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा- 'वो भगवान शिव का मंदिर है'

लखनऊ, 26 जनवरी (एजेंसियां)। ज्ञानवापी परिसर में हुए सर्वे की रिपोर्ट सामने आने के बाद इस बात के सबूत पुख्ता हो गए हैं कि वहां पर एक विशाल मंदिर हुआ करता था। ज्ञानवापी में मंदिर के सबूत होने पर श्री रामजन्मभूमि के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने प्रतिक्रिया दी हैं। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट से साफ हो गया है कि वहां पर एक मंदिर था। इसलिए अब कोर्ट को साक्ष्य के आधार पर हिन्दुओं के पक्ष में फैसला करना चाहिए आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा, 'ये बहुत अच्छी बात है।। वो मंदिर था, मंदिर ही है। इसलिए साक्ष्यों को सार्वजनिक किया गया है, ये बहुत अच्छी बात है। सभी लोग इस बात को जान लें कि वो मंदिर ही है और मंदिर के ही साक्ष्य है और कोर्ट को भी सबूत मिल गए हैं। इसमें कोर्ट को कोई संशय नहीं है। इसलिए स्पष्ट रूप से अब हिन्दुओं के पक्ष में आदेश पारित कर दें, जिससे वहां भगवान शिव की प्रतिमा स्थापित करके हिन्दू पूजा और अर्चना शुरू कर दें।'

हिन्दुओं के पक्ष में कोर्ट दे फ़ैसला

सत्येंद्र दास ने कहा, 'जब हिन्दू पक्ष में सारे सबूत हैं और मुस्लिमों के पक्ष में कोई सबूत नहीं है। इससे साफ़ हो गया है कि ज्ञानवापी हिन्दुओं का मंदिर हैं वहां मस्जिद नहीं है। जो मस्जिद का नाम लेते है वो ग़लत है। वहां शिव का ज्ञानवापी मंदिर है उसे हिन्दुओं को दिया जाए ताकि वो वहां पूजा पाठ शुरू करे, जब वहां पर साक्ष्य मिल रहा है कि मंदिर है तो उसे अब हिन्दुओं को ही दे देना चाहिए, ताकि लोग वहाँ पूजा करना शुरू कर दें।' आपको बता दें ज्ञानवापी की एएसआई रिपोर्ट संबंधित पक्षों को सौंप दी गई है। सर्वेक्षण रिपोर्ट में मंदिर के अस्तित्व के पर्याप्त सबूत मिलने की बात कही गई है, जिस पर मस्जिद का निर्माण किया गया था। मस्जिद के पीछे की पश्चिमी दीवार एक मंदिर की दीवार है। उस दीवार पर घण्टा, वल्लरी (लताओं का उकेरा गया चित्र) और स्वास्तिक का चिह्न मिला है। दीवार पर पत्थरों पर उकेरा गया ब्रह्म कमल का तोरण द्वार बना हुआ है।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 27 जनवरी - 2024

सड़कों के आवारा कुत्ते

कुत्ते और आदमी के बीच रिश्ते अक्सर दोस्ती के ही रहे हैं। लेकिन जिस तरह से बीते कुछ महीनों से कुत्तों ने राह चलते वाहन चालकों वे पैदल चलने वालों पर हमले शुरू किए हैं वे चौंकाने वाले हैं। ऊपर से अस्पतालों का आलम यह है कि रैबीज का इलाज करने में वे उतने सक्षम नहीं हैं जितने मामले बढ़ रहे हैं। बीते कुछ सालों में हैदराबाद से लेकर देश की राजधानी दिल्ली तक में कुत्तों ने छोटे बच्चों को अपना शिकार बनाया है वह भी काफी चिंताजनक है। दिल्ली के जामिया इलाके में कुछ छोटे बच्चों को कुत्तों के नोच-नोच कर मार डाला है जिससे वहां दहशत का माहौल है। देश के विभिन्न इलाकों से ऐसी खबरें आए दिन आती रहती हैं। कुत्तों के काटने से फैलने वाले रैबीज से दर्दनाक मौतों के भी कई वीडियो वायरल हो चुके हैं। हाल ही में दिल्ली में एक मां जब अपने दो साल के बच्चे को गोद में लेकर जा रही थी, तभी उस पर एक कुत्ते ने हमला कर दिया। किसी तरह उसने बच्चे को बचाया, तो दूसरे कुत्ते ने हमला कर दिया, जिसमें मां और बच्चा दोनों घायल हो गए। पुलिस ने इस मामले का संज्ञान लेने की औपचारिकता पूरी कर ली है लेकिन आवारा कुत्तों से लोगों को सुरक्षा मुहैया कराने की जिम्मेदारी कौन लेगा, यह सवाल तो अब भी अपनी जगह खडा है। इस दौरान कई अध्ययनों से पता चला है कि कुत्तों में आदमियों को लेकर आक्रामकता खतरनाक तरीके से बढ़ रही है। खासकर बच्चे उनके हमले का आसान शिकार बनते हैं। ऐसे में यह स्थिति और भी गंभीर बनती जा रही है। बता दें कि कुत्तों के हमले से बचाव के लिए कानून बनाया गया कि सरकार उनका बंध्याकरण कराएगी, ताकि उनकी वंश वृद्धि न हो सके। उन्हें टीके लगाए जाएंगे, ताकि उनके काटने पर रैबीज न होने पाए। इसके बाद भी विभागीय शिथिलता में कोई कमी नहीं आई है। महानगरों में शिकायत करने पर कुत्ते पकड़ने वाली गाड़ी तो आ जाती है, लेकिन कुत्ते उसे देख कर ही भाग जाते हैं। इसलिए उन्हें न तो रैबीजरोधी टीके लगाए जा सकते हैं और न ही उनका बंध्याकरण हो पाता है। यही कारण है कि उनकी बढ़ती संख्या पर काबू नहीं पाया जा सका है। हालांकि कई आम लोग भी इस मामले में अपनी नागरिक जिम्मेदारी नहीं समझते। वे श्वान-प्रेम में उन्हें भोजन आदि देते रहते हैं, कई लोग तो उनके बंध्याकरण आदि का विरोध भी करते देखे जाते हैं। कुछ संगठन पशु क्रूरता अधिनियम के हवाले से आवारा कुत्तों को संरक्षण प्रदान करते हैं। कुत्तों के प्रति मानवीय संवेदना रखना अच्छी बात है, मगर उनकी वजह से अगर लोगों का राह चलना मुश्किल होने लगे, उनके काटने से किसी की जान पर बन आए, तो इसे किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता। अनेक देशों में आवारा कुत्तों का नियमित टीकाकरण किया जाता है, इस वजह से वे वहां परेशानी का कारण नहीं बनते। अगर वे किन्हीं स्थितियों में काट भी लें, तो रैबीज का खतरा नहीं रहता। हालांकि पालतू कुत्तों की वजह से भी कई बार लोगों के लिए खतरा पैदा हो जाता है। कई मालिक अपने कुत्तों को बाहर ले जाकर लापरवाही से छोड़ देते हैं, जिससे वे किसी पर भी आक्रमण कर देते हैं। ऐसे अनेक मामले प्रकाश में आ चुके हैं, जब कुत्तों की वजह से पड़ोसियों में मारपीट तक की नौबत आई और हत्याएं तक हो गईं। दिल्ली, मुंबई गाजियाबाद आदि शहरों में सरकार को नियम बनाना पड़ा कि कुछ विशेष प्रजाति के कुत्ते पालने वालों को उनका पंजीकरण कराना होगा। इस तरह पालतू कुत्तों पर तो नजर रखी जा सकती है, मगर बिना टीका वाले आक्रामक आवारा कुत्तों पर नजर रखने की जिम्मेदारी आखिर कौन निभाएगा। कायदे से नगर पालिकाओं को समय-समय पर इसके लिए विशेष अभियान चलाना चाहिए। लेकिन उन्हें नागरिक सुरक्षा पर अपना दायित्व कब समझ में आएगा, यह कहना अभी मुश्किल ही लग रहा है।

राम लहर के सहारे मोदी अपना ही रिकॉर्ड तोड़ सकेंगे?

अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर में भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के भव्य समारोह, करोड़ों हिंदुओं की इससे जुड़ी आस्था और इस महा आयोजन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर केन्द्रित फोकस के बाद राजनीतिक हलकों में यह सवाल तेजी से तैर रहा है कि दो माह बाद होने वाले 2024 के लोकसभा चुनाव पर इसका कितना असर होगा।

क्या राम भक्ति में बहा बहुसंख्यक हिंदू समाज अपनी भाव विह्वलता को मोदी के पक्ष में वोटों में बदलेगा, बदलेगा तो कितना बदलेगा, क्या मोदी की अगुवाई और रघुराई की कृपा से मोदी 1957 के लोकसभा में कांग्रेस की विजय का रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे, जबकि तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस ने 371 सीटें जीती थीं और 47.8 फीसदी वोट हासिल किए थे। हालांकि कांग्रेस की विराट जीत 1984 में पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए लोकसभा चुनाव में हुई थी, जब कांग्रेस ने 414 सीटें और 46.86 फीसदी वोट हासिल किए थे। हालांकि, मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने भी 2019 के लोकसभा चुनाव में 303 सीटों के साथ अब तक की सर्वश्रेष्ठ जीत हासिल की थी। पार्टी का वोट शेयर भी बढ़कर 37:36 37:36 हो गया था। अब सवाल पूछा जा रहा है कि राम मंदिर इस वोट बैंक में कितना और जोड़ेगा? या भाजपा पिछले चुनाव के नतीजों तक भी नहीं पहुंच पाएगी, क्योंकि लड़खड़ाते ही सही इंडिया गठबंधन के रूप में कुछ विपक्षी पार्टियां लोकसभा चुनाव को 'वन ऑन वन' बनाने की कोशिश में लगी हैं। हालांकि, यह गठबंधन चुनाव तक टिकेगा, इसकी संभावना कम ही लगती है। दूसरे, राम मंदिर को लेकर उठा आस्था का सैलाब कुछ दिन बाद बैठने लगेगा, जमीनी मुद्दे फिर हावी होंगे। बेरोजगारी, महंगाई, गरीबी जैसे मुद्दे अगले चुनाव में फिर उभरेंगे, चुनावों पर इनका असर जरूर होगा।

तीसरा, एक हद तक यह मुकाबला दो यात्रियों के बीच भी है। पहले तो खुद मोदी हैं, जो देश में जगह-जगह रोड शो कर रहे हैं। दक्षिण में उनकी स्वीकृति पहले की तुलना में बढ़ी है। अब राम मंदिर इसमें कितना इजाफा करेगा, यह देखने की बात है। लेकिन इतना तय है कि राम मंदिर की जानकारी दक्षिण में भी गांव गांव तक है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह की डिजाइनिंग, टाइमिंग और प्रस्तुति इस अंदाज में की गई थी, जिसका धार्मिक के साथ साथ राजनीतिक असर भी पड़े।

इसमें कोई शक नहीं कि राम मंदिर में रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा से देश के बहुसंख्यक हिंदू गदगद हैं तो अल्पसंख्यकों खासकर मुसलमानों में आशंकाएं बढ़ी हैं। राम मंदिर का असर यूपी और कुछ उत्तर पश्चिमी राज्यों में हो सकता है। लेकिन दक्षिण में भी वैसी ही लहर चले, जरूरी नहीं है। हालांकि, राम मंदिर बनने से मोदी की लोकप्रियता में कई गुना वृद्धि हुई है और दक्षिण में भी उनके प्रति लोगों में उत्सुकता बढ़ी है। यह वोटों में कितनी बदलेगी, यह देखने की बात है। लेकिन ऐसा लगता है कि तमिलनाडु और केरल जहां भाजपा का वजूद नहीं के बराबर है, राम मंदिर मुद्दा पार्टी को चौंकाने वाली सफलता दिला सकता है।

दरअसल राम मंदिर उद्घाटन के ठीक छह महीने पहले जिस तरह से तमिलनाडु में सनातन धर्म पर सुविचारित हमला किया गया था, राम मंदिर में रामलला की प्राणप्रतिष्ठा उसी का जबर्दस्त जवाब है। सनातन धर्म के नाश का आह्वान करने वाले तमिलनाडु के खेल मंत्री और मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन के बेटे उदयनिधि ने अब यह कहना शुरू कर दिया है कि वो राम मंदिर के खिलाफ नहीं है बल्कि किसी मस्जिद को गिराकर मंदिर बनाने के विरोध में है। यानी राम मंदिर का असर वहां भी हो रहा है।

पार्टी लाइन से हटकर मोदी की अपनी पर्सनल फालोइंग भी जबर्दस्त है, जो एक दमदार हिंदू नेता की है। वो राम मंदिर के बहाने हिंदू वोटों पर अपनी पकड़ कमजोर शायद ही होने दें। दूसरे यात्री कांग्रेस सांसद राहुल गांधी हैं, जो दो हफ्ते से भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर निकले हैं। वो मोदी पर खुलकर हमले कर रहे हैं और भारत की जनता को सौहार्द और न्याय दिलाने का आश्वासन दे रहे हैं।

इस यात्रा की वोटों में तब्दीली कितनी होगी, यह कहना मुश्किल है, क्योंकि वक्त राहुल को चुनाव के पहले की राजनीतिक लामबंदी में व्यस्त होना चाहिए था, वो न्याय यात्रा में मगन हैं। वैसे भी यह यात्रा जल्दबाजी में निकाली जा रही है। इसका वैसा असर नहीं दिख रहा, जैसा कि पिछली भारत जोड़ो यात्रा का था।

हालांकि, इस बार राहुल ने अपने जुमले भी बदल दिए हैं। वो अब 'नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने' या फिर अडाणी पर आरोपों से बच रहे हैं। यहां दिलचस्प बात यह है कि राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह और राहुल की भारत जोड़ो यात्रा पार्ट टू का बाह्य स्वरूप जो भी हो, उसका निहित उद्देश्य स्पष्ट रूप से राजनीतिक है। इन्हीं दो अभियानों का मुकाबला भी आगामी लोकसभा चुनावों में होना तय है। जाहिर है कि अब नरेन्द्र मोदी और राहुल गांधी दोनों के सामने अपने चुनावी रिकार्डों को तोड़ने की बड़ी चुनौती है। मोदी के सामने चुनौती तीसरी बार भाजपा और एनडीए रिकॉर्ड जीत से सत्ता में लाना तो राहुल के समक्ष चुनौती कांग्रेस को संसद में अधिकृत विपक्ष का दर्जा दिलाने की है। 2019 में कांग्रेस को 52 सीटें मिली थीं।

इस बार वह इंडिया गठबंधन के माध्यम से सत्ता प्राप्ति पहुंचने का सपना पाले हुए हैं, लेकिन जिस तरह से गठबंधन में शामिल पार्टियों के बीच जीतने की जिद से ज्यादा से ज्यादा सीटों पर लड़ने के लिए घमासान मचा है, उससे नहीं लगता गठबंधन डेढ़ सौ सीटों से ज्यादा ला पाएगा। इसका कारण चुनावों लेकर मोदी और भाजपा तथा कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के एप्रोच में भी साफ दिखाई देता है। भाजपा भी राम मंदिर को लेकर मुगालते में है, ऐसा नहीं लगता। वो राम मंदिर जैसे भावनात्मक मुद्दे के अलावा वोट खींचने के दूसरे फार्मूलों पर भी उतनी ही गंभीरता और तेजी से काम कर रहे हैं। उन्हें पता है कि राम ऊपरी तौर पर भले ही हिंदुओं को काफी हद तक एक कर दें, लेकिन जातीय गोलबंदी के मामले में वो ज्यादा मदद नहीं कर पाएंगे। इसीलिए बहुत सुविचारित ढंग से इस बार भारत रत्न अति पिछड़ी जाति से आने वाले बिहार के जननायक कहे जाने वाले कर्पूरी ठाकुर को देने का ऐलान किया गया। इससे बिहार में सत्तारूढ़ जदयू राजद गठबंधन में घमासान तेज हो गया है।

माना जा रहा है कि देश में जातिवाद से सर्वाधिक ग्रस्त बिहार में मोदी सरकार के इस फैसले का अति पिछड़ी जातियों में बड़ा संदेश गया है। नीतीश कुमार भी इन्हीं जातियों की राजनीति करते हैं। जो संकेत मिल रहे हैं, उससे लगता है कि नीतीश एक बार फिर पलटी मार कर एनडीए के छाते में आ सकते हैं।

अगर वो लौटे तो बिहार की 40 लोकसभा सीटों पर खेला होना तय है। एनडीए वहां स्वीप भी कर सकता है। उधर बंगाल में ममता और पंजाब में आम आदमी पार्टी तथा कांग्रेस में सीटों की शेयरिंग पर अंततः बात नहीं बनी तो सब अलग लड़ेंगे और घाटे में कांग्रेस ही रहेगी। जबकि इन राज्यों में भाजपा की ताकत और बढ़ सकती है। आंध्र में भी दिलचस्प स्थिति बन रही है। वहां मुकाबला अब भाई बहनों की अलग-अलग कांग्रेस में होने जा रहा है। लेकिन वहां टीडीपी और भाजपा में समझौता हो गया तो आंध्र में लोकसभा और विधानसभा दोनो के चुनाव नतीजे चौंका सकते हैं।इसी तरह तेलंगाना में भाजपा की ताकत और बढ़ सकती है, वहां कांग्रेस सत्ता में है और बीआरएस तीसरी बड़ी खिलाड़ी है। कर्नाटक में भाजपा और जेडीएस साथ मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। ऐसे में लोकसभा में स्वीप करने की पूरी संभावना है। वहां विधानसभा में कांग्रेस के पक्ष में उभरा ज्वार अब उतार पर है। रामलला का असर वहां भी दिखाई देगा।पश्चिम बंगाल में ममता अलग लड़ी तो टीएमसी और भाजपा ज्यादातर सीटें जीत लेंगे। हिंदी पट्टी और गुजरात में भाजपा का लगभग सभी सीटें जीतना तय सा है।

महाराष्ट्र में भाजपा नीत महायुति गठबंधन अधिकांश सीटें जीत सकता है। वहां भी इंडिया गठबंधन में शाब्दिक बयानबाजी से आगे मामला नहीं बढ़ रहा। मतदाता इस खींचतान को भी बारीकी से देख और समझ रहे हैं।

राममन्दिर निर्माण में नेहरु और गोरखपीठ का अवदान

राज सक्सेना

498 सालों के इंतजार के बाद आखिरकार वह शुभ घड़ी आ ही गई जब अयोध्या में भगवान राम ने अपनी जन्मभूमि पर बने भव्य मंदिर में स्थान पा ही लिया। बताया जाता है कि इस आंदोलन की शुरुआत गोरक्षनाथ पीठ से हुई। यह विवाद 1855 से 1860 के बीच हल हो जाता, तब महंत गोपालनाथ ने क्रांतिकारी अमीर अली और आंदोलन में सक्रिय रहे बाबा रामचरण दास को साथ लिया और मंदिर विवाद हल करने की पहल शुरू की। अमीर अली का मत था कि जन्मभूमि हिंदुओं को सौंप देना चाहिए लेकिन अंग्रेजों ने ऐसा नहीं होने दिया। अंग्रेजों ने अमीर अली और रामचरण दास को बागी घोषित कर 18 मार्च 1885 को फांसी पर लटका दिया। इस घटना ने लोगों को झकझोर दिया लेकिन लोग एकजुट होते रहे।

राम मन्दिर बन जाने के बाद राजीव गांधी और उनके खानदान के योगदान के कांग्रेस कसीदे काढ रही है। जगजाहिर है कि महात्मा गांधी की जिद पर प्रदेश कांग्रेस कमेटियों में से केवल एक द्वारा संस्तुति के बावजूद स्वयं को खुले आम 'एक्सीडेंटल हिन्दू' घोषित करने वाले मगर नाम के साथ पंडित लगाने वाले नेहरु प्रधानमंत्री बने। उनका कितना दोहरा चरित्र था, यह आगे की पंक्तियों से स्पष्ट हो जाएगा। प्रधानमंत्री बनने के बाद 12 नवंबर 1947 को तत्कालीन केंद्रीय गृहमंत्री और उप प्रधानमंत्री सरदार पटेल ने जूनागढ़ में सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की घोषणा की। गांधी जी इसके पक्ष में थे मगर प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू इसके विरोध में थे, फिर भी गांधी जी और सरदार पटेल की जिद के चलते वह मंत्रिपरिषद की बैठक में सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण से संबंधित परियोजना और राजकीय विश्लेषण की स्वीकृति का विरोध नहीं कर पाए।

जनवरी 1948 में गांधी जी की हत्या के बाद मन्दिर का शिलान्यास हो जाने के बाद और दिसंबर 1950 में सरदार पटेल के देहांत के बाद नेहरू सोमनाथ मंदिर के खिलाफ मुखर हो गए। नेहरू ने न सिर्फ सोमनाथ मंदिर का विरोध किया अपितु दिसंबर 1949 में तत्कालीन उत्तर प्रदेश सरकार को बाबरी ढांचे से रामलला की मूर्ति को हटाने का आदेश भी दिया। हिंदू मंदिरों के प्रति अपनी नापसंदगी को नेहरू ने 17 मार्च 1959 को ललित कला अकादमी के तत्वावधान में भारतीय वास्तु कला पर आयोजित सेमिनार में यह कहकर प्रकट किया था कि कुछ दक्षिण के मंदिरों में मुझे उनकी सुंदरता के बावजूद नफरत उत्पन्न होती है। मैं उन्हें बर्दाश्त नहीं कर सकता। क्यों? करता हूँ मैं, इसे समझा नहीं सकता लेकिन वह मेरी आत्मा को दबाते हैं। हैरानी नहीं कि 2007 में कांग्रेस नीतसरकार ने शीर्ष अदालत में शपथ पत्र देकर श्री राम को काल्पनिक चरित्र बता दिया था और अब राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का बहिष्कार कर दिया। स्मरणीय है कि इसी 6 दिसम्बर को जो बाबरी ढाँचे के विध्वंस की तिथि है, कांग्रेसियों ने काले कपड़े पहन कर विरोध प्रकट भी किया था। तो यह तो था, रामलला मन्दिर के निर्माण में नेहरु और उनकी कांग्रेस का अवदान। अब बात करते हैं मन्दिर निर्माण में गोरख पीठ के योगदान की। गोरखपीठ की महंत परंपरा की पांच पीढ़ियों ने मन्दिर निर्माण में वृहद अध्याय जोड़ा है। महंत गोपालनाथ 1855 से 85 तक मंदिर को लेकर मुखर रहे। योगीराज गंभीरनाथ वर्ष 1900 से 1917 तक सक्रिय रहे। इसके बाद जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन को निर्णायक स्थिति में पहुंचाने में महंत दिग्विजयनाथ, महंत अवैद्यनाथ और योगी आदित्यनाथ ने बढ़चढ़ कर योगदान दिया। योगी आदित्यनाथ ने जन्मभूमि आंदोलन को वैश्विक स्वरूप देकर भी चैन नहीं लिया बल्कि अब भी अयोध्या को दिव्यरूप देने में अहर्निश लगे हैं।

महंत दिग्विजयनाथ ने वर्ष 1934 से मंदिर आंदोलन को प्रखर और प्रबल बनाने का प्रयास शुरू किया। सनातन स्वाभिमान से जोड़ते हुए साधु-संतों को एक मंच पर ले आए। वह अयोध्या में श्रीरामलला के प्रकटीकरण की तिथि 22 दिसंबर, 1949 से नौ दिन पहले ही अयोध्या पहुंच गए और अखंड रामायण का पाठ शुरू कर दिया। प्राकट्य के समय दिग्विजयनाथ वहां मौजूद थे। यहीं से आंदोलन को धार मिली। प्रकटीकरण का प्रकरण न्यायालय पहुंचा। परिणामस्वरूप विवादित स्थल पर ताला जड़ दिया गया लेकिन न्यायालय से दैनिक पूजा की अनुमति पुजारियों को मिल गई। कथित धर्मनिरपेक्षों के प्रयास जारी रहे, महंत दिग्विजयनाथ की रणनीति ने उन्हें नाकाम कर दिया। प्रकटीकरण के बाद महंत दिग्विजयनाथ 1969 में ब्रह्मलीन होने तक श्रीरामजन्मभूमि के उद्धार के प्रति संकल्पित रहे।

श्रीमत्पंचखंड पीठाधीश्वर आचार्य धर्मेंद्र ने एक बार कहा था- 'श्रीराम जन्मभूमि के उद्धार के मूल में महंत दिग्विजयनाथ की भूमिका वही रही, जो किसी मोबाइल सेट में उसके सिमकार्ड की होती है। अपने गुरु के प्रयासों को फलीभूत करने का दायित्व संभाला महंत अवैद्यनाथ ने। शैव-वैष्णव के धर्माचार्यों को एक मंच पर लाने के बाद वर्ष 1984 में श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति का गठन किया और आजीवन अध्यक्ष रहे।

सात अक्टूबर 1984 को अयोध्या से लखनऊ के लिए महंत अवैद्यनाथ के नेतृत्व में धर्मयात्रा निकाली गई। 14 अक्टूबर को लखनऊ पहुंची, धर्मयात्रा ने सम्मेलन का स्वरूप ले लिया। बेगम हजरत महल पार्क में आयोजित सम्मेलन में 10 लाख लोगों ने हिस्सा लिया। महंत अवैद्यनाथ भव्य मंदिर निर्माण के संकल्प के साथ सोते-जागते थे। महंत जी के ब्रह्मलीन होने से कुछ समय पहले जब आरएसएस के तत्कालीन मुखिया केसी सुदर्शन उनसे मिलने आए तो वह बार-बार कहते रहे कि जीते-जी राम मंदिर बनते देखना चाहते हैं।

नाथ पंथ की आधुनिक पांच पीढ़ियों ने सड़क-संसद और न्यायालय तक श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर की लड़ाई लड़ी है। नाथ पंथ के पीठाधीश्वरों ने श्रीराम को सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का प्रतीक माना है। श्रीराम मंदिर उनके लिए राष्ट्र निर्माण का आंदोलन था। इन पीठाधीश्वरों ने श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन को सिर्फ लड़ा नहीं बल्कि उसे जिया है।

विपक्षी गठबंधन तिनका तिनका होकर बिखरना तय

मनोज कुमार अग्रवाल

बुधवार को विपक्षी गठबंधन के सारे फूफा जीजा साले अपनी अपनी औकात दिखा गए। बारात सजने से पहले ही जब कोहराम मचा हो तो दुल्हन कैसे साथ आएगी? यहां तो कई दूल्हे एक ही घोड़ी पर सवार होने का कयास लगाए बैठे थे लेकिन पहले ही सिर फुटववल मच गई। ममता बनर्जी ने साफ कह दिया कि कांग्रेस के साथ हमारा कोई रिश्ता नहीं यह सिर्फ एक बयान नहीं है वरन पचिश्म बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी का अंतिम निर्णय है। इसके तत्काल बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा- 'पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी के बिना कोई भी विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के अस्तित्व की कल्पना नहीं कर सकता। कुछ ही घंटे बाद पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार चला रहे मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कह दिया कि आम आदमी पार्टी (आप) आगामी लोकसभा चुनाव में पंजाब में कांग्रेस से गठबंधन नहीं करेगी। पंजाब के मुख्यमंत्री ने यह दावा भी दोहराया कि आप सभी 13 सीट पर जीत दर्ज करेगी। आपको बता दें कि बीते दिन बुधवार की दोपहर कुछ ही घंटों का घटनाक्रम बेहद चौकाने वाला है। किन्तु इन 'कुछ ही घंटों 'ने संकेत दे दिया कि विपक्षी कुनबे का गठजोड़ कितना खोखला है। केवल ममता बनर्जी या भगवंत मान ही नहीं, इस कुनबे को एकजुट करने में सबसे आगे रहे जदयू के मुखिया एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के तेवर भी आजकल बदले बदले से नजर आ रहे हैं। उन्होंने यह परिश्रम इस आशा में किया था कि विपक्षी गठबंधन उन्हें प्रधानमंत्री पद का प्रत्याशी बना देगा, किन्तु उनके अरमानों पर उस समय पानी फिर गया जब इस संदर्भ में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम आगे बढ़ा दिया गया। नीतीश ने इसी उम्मीद में भाजपा के साथ नाता तोड़कर लालू यादव की राजद के साथ हाथ मिलाया था कि संभवतः लालू उन्हें प्रधानमंत्री बनने में मदद करें। किन्तु अब स्थिति यह है कि जदयू और राजद ही एक-दूसरे पर संदेह कर रही हैं। ठीक तरह से बनने से पहले ही इस गठबंधन के बिखर जाने का कारण भी विशेष है और संदेश भी। कारण है कांग्रेस की महत्वाकांक्षा। यह महत्वाकांक्षा बीते दिनों पांच राज्यों के चुनावों में नजर आई, जहां उसने विपक्षी गठबंधन के सहयोगियों को पूछा तक नहीं। कांग्रेस को लग रहा था कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में वह सरकार बना ही लेगी, राजस्थान में भी पलड़ा उसी के पक्ष में भारी है। इसी कारण मध्य प्रदेश कांग्रेस प्रमुख कमलनाथ ने समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव से राज्य के विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे को लेकर मंत्रणा तो की, किन्तु बाद में सपा को एक भी सीट नहीं दी। इससे अखिलेश बुरी तरह नाराज हो गए। अन्य दलों की अनदेखी भी इसी भांति की गई। किन्तु जब चुनाव परिणाम आया तो कांग्रेस सन्न रह गई, जहां वह पांच से चार राज्यों में सत्ता हासिल करने की उम्मीद लगाए बैठी थी, उसकी स्वयं की सत्ता वाले राजस्थान और छत्तीसगढ़ भी उससे छिन गए। उसकी झोली में मात्र तेलंगाना आया। गठबंधन के बिखरने का संकेत यह है कि कांग्रेस की अब इतनी हैसियत नहीं बची कि वह क्षेत्रीय दलों के साथ मोलभाव कर सके। यदि उसको क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन करना है तो उनकी बात माननी होगी, क्योंकि जिन क्षेत्रीय दलों के साथ वह हाथ मिला रही है, वे अपने-अपने राज्यों में उससे कहीं अधिक मजबूत हैं। बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, बिहार में जदयू एवं राजद, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी या बसपा, दिल्ली एवं पंजाब में आम आदमी पार्टी, तमिलनाडु में द्रमुक...। उत्तर प्रदेश को छोड़कर ये सभी क्षेत्रीय दल अपने-अपने राज्य में सत्ता में हैं। जाहिर है कि विपक्षी गठबंधन की हालत कहीं की ईंट, कहीं का रोड़ा, भानुमति ने कुनबा जोड़ा.. वाली है। द्रमुक के स्टालिन सनातन विरोधी हैं तो उद्धव ठाकरे की पार्टी हिन्दुत्ववादी, आम आदमी पार्टी स्वयं को हनुमान भक्त बताती है तो केरल में वामपंथी दल और कश्मीर में फारुक अब्दुल्ला की पार्टी की सोच इससे पूरी तरह हटकर है। ये सब दल एक साथ आकर गठबंधन कर भी लें तो इनकी विचारधारा के टकराव का क्या होगा? क्या इनके समर्थक धुर विरोधी विचारधारा वाली पार्टी के प्रत्याशी को वोट दे देंगे? मजे की बात है कि इस गठबंधन के कई दल राज्यों में एक-दूसरे के खिलाफ ही चुनाव लड़ते हैं। वो लोकसभा चुनाव में विरोधी दल के प्रत्याशी को वोट देने को कहेंगे कैसे?

राजनीतिक यात्रा के बीच कर्पूरी ठाकुर

1960 के दशक के अंतिम दौर में पिछड़े वर्गों की एक युवा पीढ़ी शिक्षा में प्रवेश कर चुकी थी। उन दिनों विश्वविद्यालय कालेज के छात्र संघों पर बरसों से सवर्णों का कब्जा था। युवा राजनीति भूमिहार और राजपूत जैसी उच्च जातियों के तीन या चार छात्र नेता ही नियंत्रित करते थे। बिहार के कालेज विश्वविद्यालयों में नए नेताओं की फौज तैयार हो रही थी। पिछड़ा वर्ग के छात्रों को एकजुट करके नीतीश कुमार पटना कॉलेज के अध्यक्ष बने थे। इसी तरह उच्च जातियों के एकाधिकार को तोड़ कर लालू यादव पटना छात्र संघ के अध्यक्ष बने थे।

लालू यादव अपने दिलचस्प और आक्रमक भाषणों के लिए पिछड़ों के बीच मशहूर हो रहे थे। इन्हीं युवा समाजवादियों में एक नाम रामविलास पासवान का भी था। सबने कर्पूरी ठाकुर को अपना राजनीतिक गुरु मान लिया था। बिहार में सभी पिछड़ी जातियां एक मंच पर आने लगीं। नतीजतन 1970 में कर्पूरी बिहार के मुख्यमंत्री बने। उनके 163 दिन के छोटे से कार्यकाल में बड़े क्रान्तिकारी कदम उठाए गए।

मैट्रिक परीक्षा में अनिवार्य विषय के रूप में अंग्रेजी को हटा दी गई। उन्होंने बेरोजगार इंजीनियरों को सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता दी। उनकी सरकार ने मंडल कमीशन के दस साल पहले ही अति पिछड़ी जातियों के लिए नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में 12 फीसद आरक्षण की शुरुआत की। इसे कर्पूरी फार्मूला कहा गया। लेकिन समाजवादियों के आपसी मतभेदों के कारण कर्पूरी की सत्ता ज्यादा दिन नहीं रही।

सत्तर के दशक में हुए जेपी आंदोलन एक टर्निंग प्वाइंट बन गया जब सारे समाजवादी और पिछड़े वर्ग के नेता एक झंडे के नीचे खड़े हो गए। 1973-77 के बीच लोकनायक जयप्रकाश के छात्र-आंदोलन से कर्पूरी भी जुड़ गए। 1977 में समस्तीपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से वह पहली बार सांसद बने। लेकिन बहुत जल्द लोकसभा से इस्तीफा देकर 24 जून, 1977 को कर्पूरी एक बार फिर मुख्यमंत्री बना दिए गए। यह कार्यकाल भी दो साल पूरे नहीं कर पाया। 1980 में मध्यावधि चुनाव हुआ तो कर्पूरी ठाकुर के नेतृत्व में लोक दल बिहार विधानसभा में मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरा और कर्पूरी ठाकुर इसके नेता बने।

1980 के दशक में वही लोग कर्पूरी ठाकुर के विरोधी हो गए जो उन्हें अपना राजनीतिक गुरू कहते नहीं थकते थे। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक व विधानसभा अध्यक्ष शिवचंद्र झा ने कर्पूरी का तिरस्कार किया।" कर्पूरी लोकदल के नेता विरोधी दल थे। लोकदल के आधे यादव विधायकों ने मिलकर नेतृत्व को चुनौती दे दी। नेता विपक्ष की जगह अनूप यादव ने ले ली और इसके पार्टी की कमान लालू यादव ने संभाल ली।

अगर मैं भी यादव पैदा हुआ तो मुझे इस तरह के अपमान का सामना नहीं करना पड़ता। बेहद संवेदनशील कर्पूरी यह अपमान सह नहीं पाए। नेता विपक्ष के पद से हटने के तीन साल बाद ही 17 फरवरी 1988 को दिल का दौरा पड़ने से कर्पूरी ठाकुर का निधन हो गया। तब वे केवल 64 साल के थे। लेकिन उनके जाने से पहले बिहार की राजनीति बदल चुकी थी। कर्पूरी ठाकुर के प्रयोगों को विस्तार देते हुए लालू एक कद्दावर नेतर बन कर उभरे थे।

बिहार की राजनीति पर कर्पूरी ठाकुर का जबरदस्त प्रभाव पड़ा। उन्होंने आजादी और रोटी का नारा गढ़ा। उनका एजेंडा सामाजिक न्याय और जीवन की गुणवत्ता में सुधार था। इसे उन्होंने अति पिछड़ों के आत्मसम्मान के साथ भी जोड़ दिया। उनका समावेशी नारा विकास और आत्मसम्मान दोनों की बात करता था।

शबरी रसोई

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

राम जी की अ भी - अ भी प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। चूँकि फोकस पूरा राम जी पर था सो लक्ष्मण और सीता साइड कर दिए गए थे। राम जी बड़े प्रसन्न थे कि जो बाबर पिछले पाँच सौ सालों से कब्जा जमाए बैठा था आज उसका बोरिया बिस्तरा गोल कर दिया गया। वह भूल गया था कि उसने जिस जमाने में रामलला की जमीन हथियाई थी उस समय शरीफ लोगों का वास था। अब तो लोग ऐसे हैं जो बस की सीट से लेकर ताजमहल तक पर रुमाल डालकर उसे अपना बताने लगते हैं। फिर बाबर किस खेत की मूली है। उसे तो हारना ही था। सो उसका पत्ता कटा और असली मालिक रामलला फिर लौट आए। इस बार राम जी बड़े प्रसन्न थे। हो भी क्यों न, भक्तों की असंख्य भीड़, चुनाव से ठीक पहले उनका चयन, जहाँ देखो वहाँ उन्हीं का नारा गूँज रहा था। राम जी को लगा क्यों न प्रतिष्ठान से पहले आधुनिक अयोध्या का एक राउंड मार लें। सो निकल पड़े अयोध्या नगरी के गली कूचों में। देश भर में उनके नाम से असंख्या गाने जहाँ-तहाँ बज रहे थे। अचानक उनके कान एक गीत की ओर आकृष्ट हो गए। गीत था – राम आएंगे तो लूट मचाएंगे, 10 रु. की चाय 55 में पिलाएँगे। गरीबों को लूटकर, पूँजीपतियों को नहलाएँगे। राम आएंगे तो लूट मचाएंगे। राम जी का माथा ठनका। यह क्या भैया मेरे नाम पर ऐसी कैसी लूट हो रही है। चलूँ तो चलकर देखूँ आखिर यह ऐसी कैसी जगह है जहाँ इतनी महंगी चाय बेची जा रही है। गीत की धुनों का पीछा करते हुए राम जी एक होटल के पास जाकर रुके। होटल का नाम था – शबरी रसोई। उन्हें लगा वाह! शबरी माता उनके पीछे-पीछे यहाँ तक भी आ गईं। चलो अच्छा है खाने को झूठे बेर तो मिलेंगे। उन्होंने आवाज लगाई – हे शबरी माता! कहाँ हो? देखो तुम्हारा बेटा आया है। अपने बेटे को कुछ खिलाओगी नहीं। इतने में बैरा आ पहुँचा। उसने असली राम को नकली समझकर होटल से बाहर खदेड़ने की कोशिश की।

इस पर रामलला ने उसे डाँटते हुए कहा – "अरे मूर्ख! मैं अपनी माता शबरी से मिलने आया हूँ और तू है कि मुझे भगा रहा है। तुझमें भक्ति भावना नाम की चीज़ बची भी है कि नहीं?" बैरे ने पलटकर जवाब दिया – "सुबह-सुबह मेरे दिमाग की दही मत कीजिए।

यह आपकी माता शबरी की कुटिया नहीं है। यह शबरी रसोई है। यहाँ बाप बड़ा न भैया सबसे बड़ा रुपैया है। यहाँ नाम में श्रद्धा और लोगों की जेबें निचोड़ी जाती हैं। रुपया पैसा लाए हैं तो बताइए मैं आपकी सेवा करता हूँ। वरना रास्ता नापिए।" राम जी का गुस्सा सातवें आसमान पर था – "अरे मूर्ख!
तुझे शर्म नहीं आती भगवान से पैसा माँगते हुए। यह मेरी माता शबरी की कुटिया है। तुम ताम-झाम के नाम पर उनका नाम बदनाम कर रहे हो। मैं यह कतई नहीं होने दूँगा।" बैरे ने चिढ़कर कहा – "एक बार कहने पर आपको समझ में नहीं आता क्या? आज के जमाने में फोकट तो दूर झूठन भी खाने को नहीं मिलता।

जहाँ तक भगवान की बात है तो इस धरती पर भगवान को मंदिर में कब बैठना, कैसे बैठना है यह सब उनके बनाए नेतागण तय करते हैं। यहाँ भगवान से पैसे तो क्या उनके नाम पर वोट छीन लेते हैं। इसलिए मेरी बात मानिए। पैसा है तो भीतर आइए वरना अपना रास्ता नापिए।"असली राम जी इतना सा मुँह लेकर नकली राम के वेश में आए असंख्य भीड़ के बीच कहीं खो गए।

बोलाई का चमत्कारी हनुमान मंदिर अपने आप धीमी हो जाती है ट्रेन

मध्यप्रदेश में रहस्यमयी और चमत्कारी मंदिरों की कमी नहीं है। जहां हर साल लाखों लोग यात्रा करने के लिए जाते हैं। भोपाल, उज्जैन, इंदौर, जबलपुर समेत अन्य जिलों प्रसिद्ध धार्मिक स्थल हैं, जो सालों से लोगों को अपनी ओर आकर्षित किए हुए हैं।

बता दें कि धार्मिक नगरी के नाम से प्रसिद्ध शाजापुर में हनुमान जी का एक चमत्कारी मंदिर है, जहां हर साल हजारों लोग दर्शन करने के लिए जाते हैं।

बोलाई हनुमान मंदिर के नाम से प्रसिद्ध यह धार्मिक तीर्थ स्थल लोगों की आस्था का केंद्र बना हुआ है। कहा जाता है कि जो भी भक्त यहां अपनी मनोकामना लेकर जाता है, वह कभी निराश होकर नहीं लौटा है।

300 साल पुराना है मंदिर

बता दें कि इस मंदिर में हनुमान जी भगवान गणेश के साथ विराजमान हैं। स्थानीय लोगों की माने तो यह मंदिर 300 साल पुरान है, जिसका निर्माण कार्य देवी सिंह नामक व्यक्ति ने कराया था।

कहा जाता है साल 1959 में कमल नारायण त्यागी नाम व्यक्ति ने अपने व्यस्त जीवन को त्याग कर इसे तपोभूमि बनाया था और 24 साल की कड़ी तपस्या के बाद सिद्धियां प्राप्त हुई। यहां जो भी भक्त जाता है, वह कभी निराश होकर नहीं लौटता है।

ट्रेन की रफ्तार हो जाती है कम

यह मंदिर भोपाल-रतलाम रेलवे लाइन के मध्य बोलाई रेलवे स्टेशन से लगभग 1 किलोमीटर दूर है। ऐसा कहा जाता है कि जब ट्रेन इस मंदिर के सामने से गुरती है, तो उसकी स्पीट आपने आप कम हो जाती है।

लोगों की माने तो, कई साल पहले यहां दो मालगाडियों के बीच भिंड़त हो गई थी। दोनों गाडियों के लोको पायलट ने कहा था कि उन्हें इस घटना के बारे में पहले से आभास होगया था। लेकिन स्पीड कम नहीं की और टक्कर हो गई। तभी ऐसे कहा जाता है यदि लोको पायलट ट्रेन की स्पीड कम नहीं करता है, तो वह अपने आप धीमी हो जाती है।

हनुमान जी बताते हैं भविष्य

कहा जाता है कि मंदिर में विराजमान हनुमान जी लोगों को उनके भविष्य के बारें में बता देते है। यहां आने से व्यक्ति को भविष्य में उसके साथ क्या घटेगा, पहले ही उसका पूर्वाभाष हो जाता है, जिससे हनुमान जी के भक्त सतर्क हो जाते हैं।

आने वाला भविष्य अत्यंत अंधकारपूर्ण

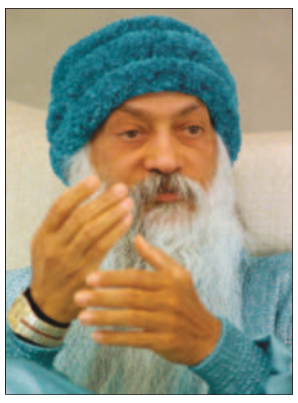

अगर आदमी को यह समझ में आने लगे कि ठीक है, उम्र बढ़ गई, बच्चे टेस्ट—टयूब में पैदा होने लगे, अब कहां है आत्मा? इससे आत्मा असिद्ध नहीं होगी, इससे सिर्फ आदमी का जो प्रयास चलता था अंतस की खोज का, वह बंद हो जाएगा। और यह बहुत दुर्भाग्य की घटना घटने वाली है, जो आने वाले पचास वर्षों में घटेगी। इधर पिछले पचास वर्षों में उसकी भूमिका तैयार हो गई है।दुनिया में आज तक पृथ्वी पर दीन लोग रहे हैं, दरिद्र लोग रहे हैं, दुखी लोग रहे हैं, बीमार लोग रहे हैं, उनकी उम्र कम थी, उनके पास भोजन न था अच्छा, कपड़े न थे अच्छे। लेकिन आत्मा की दृष्टि से दरिद्र लोगों की संख्या जितनी आज है, उतनी कभी भी नहीं थी। और उसका कुल एक ही कारण है कि भीतर कुछ है ही नहीं, तो भीतर जाने का सवाल क्या है। एक बार अगर मनुष्य—जाति को यह विश्वास आ गया कि भीतर कुछ है ही नहीं, तो वहां जाने का सवाल खतम हो जाता है। आने वाला भविष्य अत्यंत अंधकारपूर्ण और खतरनाक हो सकता है। इसलिए हर कोने से इस संबंध में प्रयोग चलते रहने चाहिए कि ऐसे कुछ लोग खड़े होकर घोषणा करते रहें —सिर्फ शब्दों की और सिद्धातों की नहीं, गीता, कुरान और बाइबिल की पुनरुक्ति की नहीं, बल्कि घोषणा कर सकें जीवत—कि मैं जानता हूं कि मैं शरीर नहीं हूं। और न केवल यह घोषणा शब्दों की हो, यह ड़नके सारे जीवन से प्रकट होती रहे, तो शायद हम मनुष्य को बचाने में सफल हो सकते हैं। अन्यथा विज्ञान की सारी की सारी विकसित अवस्था मनुष्य को भी एक यंत्र में परिणत कर देगी। और जिस दिन मनुष्य—जाति को यह खयाल आ जाएगा कि भीतर कुछ भी नहीं है, उस दिन से शायद भीतर के सारे द्वार बंद हो जाएंगे। और उसके बाद क्या होगा, कहना कठिन है। आज तक भी अधिक लोगों के भीतर के द्वार बंद रहे हैं, लेकिन कभी —कभी कोई एक साहसी व्यक्ति भीतर की दीवालें तोड़ कर घुस जाता है। कभी कोई एक महावीर, कभी कोई एक बुद्ध, कभी कोई एक क्राइस्ट, कभी कोई एक लाओत्से तोड़ देता है दीवाल और भीतर घुस जाता है। उसकी संभावना भी रोज—रोज कम होती जा रही है। हो सकता है, सौ दौ सौ वर्षों के बाद, जैसा मैंने आपसे कहा कि मैं कहता हूं, जीवन है, मृत्यु नहीं है, सौ दो सौ वर्षों बाद मनुष्य कहे कि मृत्यु है, जीवन नहीं है। इसकी तैयारी तो पूरी हो गई है। इसको कहने वाले लोग तो खड़े हो गये हैं। आखिर मार्क्स क्या कह रहा है! मार्क्स यह कह रहा है कि मैटर है, माइंड नहीं है। मार्क्स यह कह रहा है कि पदार्थ है, परमात्मा नहीं है। और जो तुम्हें परमात्मा मालूम होता है वह भी बाई —प्रोडक्ट है मैटर का। वह भी पदार्थ की ही उत्पत्ति है, वह भी पदार्थ से ही पैदा हुआ है। मार्क्स यह कह रहा है कि जीवन नहीं है, मृत्यु है। **(क्रमशः)**

हिन्दी पंचांग का 11वां महीना माघ शुरू

राशि अनुसार कौन-कौन से शुभ काम करना चाहिए?

माघ महीना शुरू हो गया है, ये महीना 24 फरवरी तक रहेगा। माघ हिन्दी पंचांग का 11वां महीना है। मान्यता है कि इस महीने में स्नान-दान करने से अश्वमेघ यज्ञ के समान पुण्य मिलता है। इसी वजह से माघ महीने में नर्मदा, गंगा, यमुना, शिप्रा जैसी सभी पवित्र नदियों में स्नान करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। नदी स्नान के साथ ही तीर्थ दर्शन भी जरूर करना चाहिए। माघ मास में नदी स्नान नहीं कर पा रहे हैं, उन्हें घर पर ही पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करना चाहिए। साथ ही, स्नान करते समय तीर्थों का और नदियों का ध्यान करना चाहिए। इसके साथ ही राशि अनुसार शुभ काम भी करेंगे तो कुंडली के ग्रह दोषों का असर कम हो सकता है। जानिए माघ मास में राशि अनुसार कौन-कौन से शुभ काम किए जा सकते हैं...

मेष : पानी में लाल फूल डालकर स्नान करें और लाल मसूर की दाल दान करें।

वृषभ : पानी में दूध डालकर स्नान करें। शिवलिंग की पूजा करें और खीर का भोग लगाएं।

मिथुन : पानी में थोड़ा सा गन्ने का रस मिलाकर स्नान करें। हरे मूंग का दान करना चाहिए।

कर्क : जल में थोड़ा सा गाय का दूध मिलाकर स्नान करना चाहिए। आटा और नमक का दान करें।

सिंह : थोड़ा सा केसर पानी में मिलाकर स्नान करें। अनाज और गुड़ का दान करें।

कन्या : पानी में शहद मिलाकर स्नान करना चाहिए। हरे मूंग का दान करें। हाथी को गन्ना खिलाएं।

तुला : पानी में दूध मिलाकर स्नान करें। जरूरतमंद बच्चों को खीर खिलाएं।

वृश्चिक : पानी में थोड़ा सा लाल चंदन मिलाकर स्नान करें। लाल मसूर का दान करें और शिवलिंग पर लाल गुलाल चढ़ाएं।

धनु : पानी में थोड़ी सी हल्दी मिलाकर स्नान करें। चने की दाल का दान करें।

मकर और कुंभ : पानी में काले तिल मिलाकर स्नान करें। हर शनिवार शनिदेव को तेल और काले तिल चढ़ाएं।

मीन : पानी में हल्दी मिलाकर स्नान करें। शिवलिंग का पीले फूलों से श्रृंगार करें और बेसन के लड्डू का भोग लगाएं।

बेटद्वारका हनुमान दांडी मंदिर, गुजरात

द्वारका से चार मील की दूरी पर बेटद्वारका हनुमान दंडी मंदिर स्थित है। इस स्थान पर मकर ध्वज के साथ में हनुमानजी की मूर्ति स्थापित है। कहते हैं कि पहले मकरध्वज की मूर्ति छोटी थी परंतु अब दोनों मूर्तियां एक सी ऊंची हो गई हैं। इस मंदिर को दांडी हनुमान मंदिर के नाम से जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि यह वही स्थान है जहां पहली बार हनुमानजी अपने पुत्र मकरध्वज से मिले थे।

मंदिर के अंदर प्रवेश करते ही सामने हनुमान पुत्र मकरध्वज की प्रतिमा है, वहीं पास में हनुमानजी की प्रतिमा भी स्थापित है। इन दोनों प्रतिमाओं की विशेषता यह है कि इन दोनों के हाथों कोई भी शस्त्र नहीं है और ये आनंदित मुद्रा में है। यह मंदिर 500 वर्ष पुराना है। भारत में यह पहला मंदिर जहाँ हनुमानजी और मकरध्वज (पिता -पुत्र) का मिलन दिखाया गया है।

जब हनुमानजी श्रीराम-लक्ष्मण को लेने के लिए आए, तब उनका मकरध्वज के साथ घोर युद्ध हुआ। कुछ धर्म ग्रंथों में मकरध्वज को हनुमानजी का पुत्र बताया गया है, जिसका जन्म हनुमानजी के पसीने द्वारा एक मछली से हुआ था। कहते हैं कि पहले हिंदू धर्म को मानने वाले ये बात बहुत अच्छी तरह से जानते हैं कि भगवान श्रीराम के परमभक्त व भगवान शंकर के ग्यारवें रुद्र अवतार श्रीहनुमानजी बालब्रह्मचारी थे। लेकिन बहुत ही कम लोग ये बात जानते हैं कि धर्म शास्त्रों में हनुमानजी के एक पुत्र का वर्णन भी मिलता है। शास्त्रों में हनुमानजी के इस पुत्र का नाम मकरध्वज बताया गया है। भारत में दो ऐसे मंदिर भी है जहां हनुमानजी की पूजा उनके पुत्र मकरध्वज के साथ की जाती है। इन मंदिरों की कई विशेषताएं हैं जो इसे खास बनाती हैं।

हनुमानजी के पुत्र मकरध्वज की उत्पत्ति की कथा-

धर्म शास्त्रों के अनुसार जिस समय हनुमानजी सीता की खोज में लंका पहुंचे और मेघनाद द्वारा पकड़े जाने पर उन्हें रावण के दरबार में प्रस्तुत किया गया। तब रावण ने उनकी पूंछ में आग लगवा दी और हनुमान ने जलती हुई पूंछ से पूरी लंका जला दी। जलती हुई पूंछ की वजह से हनुमानजी को तीव्र वेदना हो रही थी जिसे शांत करने के लिए वे समुद्र के जल से अपनी पूंछ की अग्नि को शांत करने पहुंचे।

उस समय उनके पसीने की एक बूंद पानी में टपकी जिसे एक मछली ने पी लिया था। उसी पसीने की बूंद से वह मछली गर्भवती हो गई और उससे उसे एक पुत्र उत्पन्न हुआ, जिसका नाम पड़ा "मकरध्वज"। मकरध्वज भी हनुमानजी के समान ही महान पराक्रमी और तेजस्वी था। मकरध्वज को अहिरावण द्वारा पाताल लोक का द्वारपाल नियुक्त किया गया था। जब अहिरावण श्रीराम और लक्ष्मण को देवी के समक्ष बलि चढ़ाने के लिए अपनी माया के बल पर पाताल ले आया था तब श्रीराम और लक्ष्मण को मुक्त कराने के लिए हनुमान पाताल लोक पहुंचे और वहां उनकी भेंट मकरध्वज से हुई। तत्पश्चात हनुमानजी और मकरध्वज के में घोर युद्ध हुआ।

अंत में हनुमानजी ने उसे परास्त कर उसी की पूंछ से उसे बांध दिया। मकरध्वज ने अपनी उत्पत्ति की कथा हनुमान को सुनाई। हनुमानजी ने अहिरावण का वध कर प्रभु श्रीराम और लक्ष्मण को मुक्त कराया और श्रीराम ने मकरध्वज को पाताल लोक का अधिपति नियुक्त करते हुए उसे धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

उनकी स्मृति में यह मूर्ति स्थापित है। मकरध्वज व हनुमानजी का यह पहला मंदिर गुजरात के भेंटद्वारिका में स्थित है। यह स्थान मुख्य द्वारिका से दो किलो मीटर अंदर की ओर है।

भक्ति करने से मन शांत होता है और मुश्किलें हल करने का साहस मिलता है

महाभारत के युद्ध के बाद की घटना है। युद्ध खत्म हो गया था, पांडव जीत चुके थे, उस समय भीष्म पितामह अपने शिविर में बाणों की शय्या पर लेटे हुए थे। उनके पूरे शरीर पर तीर लगे हुए थे। श्रीकृष्ण पांडवों के साथ भीष्म पितामह के पास पहुंचे। श्रीकृष्ण ने भीष्म से कहा कि आप पांडवों को राजधर्म का ज्ञान दीजिए।

उस समय भीष्म पितामह की आंखों में आंसू थे। ये देखकर पांडवों को आश्चर्य हुआ। पांडवों ने श्रीकृष्ण से कहा कि पितामह बड़े तपस्वी हैं, लेकिन अंतिम समय में रो रहे हैं, जबकि इन्हें इच्छामृत्यु का वरदान मिला हुआ है। ये बात हमें समझ नहीं आ रही है।

श्रीकृष्ण भीष्म के रोने की वजह जानते थे, लेकिन उन्होंने पितामह से ही इसकी वजह पूछी। भीष्म ने कहा कि आप तो मेरे रोने की वजह जानते ही हैं। मैं पांडवों को बताना चाहता हूं कि मेरी आंखों में आंसू मृत्यु की वजह से नहीं हैं, मेरी आंखें तो कृष्ण लीला देखकर भीग गई हैं। मेरे मन में ये विचार आ रहा है कि जिन पांडवों के रक्षक श्रीकृष्ण हैं, उनके जीवन में भी एक के बाद एक बड़ी-बड़ी विपत्तियां आती गईं। भगवान जीवन में होने का ये मतलब नहीं है कि हमारे जीवन में दुख आएंगे ही नहीं। दुख तो आते रहेंगे, लेकिन जब हम भक्ति करते हैं, हमें भगवान का साथ मिलता है तो वे हमें दुखों से लड़ने की शक्ति मिलती है। भगवान की कृपा से हम सभी दुखों को पार कर लेते हैं, यही सोचकर मेरी आंखों में आंसू आ गए।

भीष्म पितामह की सीख

जीवन में सुख-दुख आते-जाते रहते हैं। जो लोग भक्ति करते हैं, उनके जीवन में भी दुख आते हैं, लेकिन भगवान की कृपा से उन्हें बाधाएं दूर करने के लिए साहस मिलता रहता है। भक्ति से मन शांत होता है और शांत मन से किए गए कामों में सफलता जरूर मिलती है।

श्री डुल्या मारुति मंदिर गणेश पेठ पूना महाराष्ट्र

आज हम आपको पुणे के गणेशपेठ में स्थापित हनुमान मंदिर के बारे में बारे में बताने जा रहे है, जो लगभग 300 साल पुराना अति भव्य और प्राचीन है।

मंदिर में स्थापित बजरंगबली की प्रतिमा को साधारण से एक काले पत्थर पर अंकित किया गया है। मंदिर में स्थापित हनुमान जी के इस रूप को डुल्या मारुति के नाम से जाना जाता है। ये मूर्ति 5 फुट उंची और ढाई फुट चौड़ी है, जो पश्चिम मुखी है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस मंदिर का निर्माण छत्रपति शिवाजी के गुरु श्री समर्थ रामदास द्वारा करवाया गया था। पौराणिक इतिहास के अनुसार समर्थ रामदास का मूल नाम नारायण सूर्याजीपंत कुलकर्णी (ठोसर) था। इनका जन्म महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिसे के जंब नामक स्थान पर रामनवमी के दिन दोपहर में ब्राह्मण परिवार में शके 1533 सन 1608 में हुआ था। इनके पिता का नाम सूर्याजी पंत था। कगा जाता है कि इनके कुल में 21 पीढ़ी से सूर्योपासना की परंपरा चली आ रही थी। यहीं कारण था कि इनके पिता और खुद समर्थ रामदास जी सूर्य के बहुक बड़े उपासक थे।

रोहित शेट्टी ने लगाई बिग बॉस कंटेस्टेंट की क्लास

अभिषेक पर निशाना साधते हुए कहा- लड़की पर हाथ उठाना मर्दानगी नहीं

बिग बॉस 17 के फिनाले में अब केवल 2 दिन ही बचे हैं। इसी बीच मेकर्स ने शो का नया प्रोमो शेयर किया है। फिनाले से पहले शो में रोहित शेट्टी कंटेस्टेंट से मिलने पहुंचे। प्रोमो में रोहित, मुनव्वर फारूकी और अभिषेक कुमार, मन्नारा चोपड़ा और अंकिता लोखंडे की क्लास लगाते नजर आ रहे हैं। अभिषेक को उन्होंने कहा कि वो हमेशा एक ही विक्टिम कार्ड प्ले करते हैं।

रोहित ने कहा कि आपने रिस्पेक्ट का दायरा खत्म कर दिया। जब आप लड़कियों के साथ लड़ते हो, तो कभी अपना आपा मत खोना। उन्होंने कहा कि कभी भी लड़की पर हाथ मत उठाना। ये मर्दानी वाली बात नहीं है। इसपर अभिषेक अपनी सफाई में कहते हैं, कि मैं बोलना चाहूंगा कि उसने भी कोई कमी नहीं छोड़ी है। रोहित तुरंत उनकी बात काटते हुए कहते हैं कि इस चीज को डिफेंड भी मत करना। अगर रिश्ता इतना बिगड़ता दिखाई दे रहा है तो उसे खत्म कर दो। लेकिन इतना आगे तक मत जाने दो।

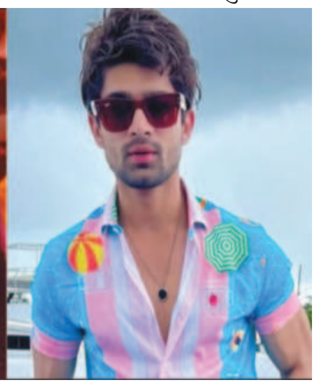

रोहित ने लगाए मुनव्वर पर इल्जाम

रोहित शेट्टी ने मुनव्वर की एक्स नाजिला सीताशी के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि आपने और आएशा खान ने मिलकर बाहर एक लड़की का तमाशा बना दिया है। अगर आप ये सब न करते तो यहां एक नॉन डिजर्विंग कंटेस्टेंट के रुप में होते। क्योंकि आप बहुत ज्यादा बोरिंग हो गए थे। रोहित ने कहा कि आप झूठी कहानी रच रहे थे। मुनव्वर अपनी सफाई में कहते हैं कि ब्रेकअप ऐसे हुआ कि पता था, साथ नहीं रहना है लेकिन क्लोजर नहीं हुआ था। रोहित ने कहा कि आप पूरे सीजन में झूठ बोलते रहे। अपने दर्शकों को भी धोखे में रखा।

अंकिता विक्की के बिना आपका कोई गेम नहीं था- रोहित शेट्टी

प्रोमो में रोहित, अंकिता लोखंडे से तीखे सवाल करते दिखे। उन्होंने कहा विक्की जैन न होते तो आपका गेम क्या होता? वो अगर न होते तो आपको कोई गेम ही नहीं था। वहीं अंकिता का कहना है कि मुझे ऐसा लगता है कि अगर विक्की न होते तो मैं अपने फैसले और अच्छी तरह से ले पाती।

वहीं रोहित मन्नारा चोपड़ा से कहते हैं कि आप मुनव्वर पर हावी हो रही थीं। क्योंकि वो आपसे बात नहीं कर रहे थे। आप उनके पीछे क्यों पड़ी थीं। मन्नारा कहती हैं- क्योंकि वो गलत था। रोहित ने कहा- आपने मुनव्वर से कहा कि मुझे केवल 5 मिनट दे दो..अगर वो इतना ही बुरा आदमी है तो उससे 5 मिनट क्यों मांग रही थीं। आपको तो उसकी तो शक्ल ही नहीं देखनी चाहिए।

क्या खतरों के खिलाड़ी में नजर आएंगे अभिषेक

रोहित शेट्टी शो में टॉप 5 कंटेस्टेंट से तीखे सवाल करते नजर आएंगे। दरअसल रोहित खतरों के खिलाड़ी का नया सीजन लेकर आने वाले हैं। वहीं वो अपने शो के लिए यहां से कंटेस्टेंट का चुनाव करेंगे। इसी के चलते रोहित प्रोमो में सभी से तीखे सवाल करते नजर आ रहे हैं। खबरों की मानें तो रोहित आने वाले एपिसोड में अभिषेक से अपने शो में आने के लिए पूछेंगे। अभिषेक का क्या जवाब होता है ये एपिसोड आने के बाद ही पता चलेगा।

लाखों का गिफ्ट हैंपर देते हैं करण जौहर : 1 लाख की ज्वेलरी से लेकर 95 हजार का फोन है शामिल

करण जौहर का टॉक शो 'कॉफी विद करण' सुर्खियों में रहता है। इस साल के 8वें सीजन में फिल्म इंडस्ट्री के कई सितारों को देखा गया। करण जौहर ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में करण ने रिवील किया कि इस साल के गिफ्ट हैंपर में उन्होंने मेहमानों को क्या तोहफे दिए हैं। सोशल मीडिया पर ये वीडियो खूब वायरल हो रहा है।

गिफ्ट हैंपर महंगे सामानों से भरा होता है

करण जौहर के शो 'कॉफी विद करण' का रैपिड फायर राउंड ऑडियंस को बेहद पसंद आता है। करण जौहर ने वीडियो की शुरुआत में बताया कि गिफ्ट हैंपर में बेहद खास और लग्जरी आइटम होते हैं। इस साल खासतौर पर इंडियन लग्जरी ब्रांड के प्रोडक्टस भी हैंपर में शामिल किए गए। आइए जानते हैं, इस साल के गिफ्ट हैंपर में क्या सामान थे:

1. तयानी ज्वेलरी की तरफ से नेकलेस और ईयरिंग (सेट की कीमत तकरीबन 1 लाख रुपए है।) 2. गो प्रो 11 कैमरा (कीमत लगभग 30 से 35 हजार रुपए) 3. सोनोस ब्रांड के स्पीकर (कीमत लगभग 35 हजार रुपए) 4. गूगल पिक्सेल 8 प्रो फोन (कीमत लगभग 95 हजार रुपए) 5. पारकोस ब्रांड के पर्फ्यूम (कीमत लगभग 10 हजार रुपए) 6. बॉडी मसाजर (कीमत लगभग 59 हजार रुपए) 7. बादाम शावर जेल 8. किचन कट्लरी 9. फ्लेवर्ड टी-बैग्स 10. चॉकलेट, ब्राउनी, शहद 11. करण जौहर शो का खास कॉफी मग

करण जौहर के आने वाले प्रोजेक्ट्स

करण जौहर ने पिछले साल बतौर डायरेक्टर 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' बनाई थी। इस फिल्म में आलिया भट्ट और रणवीर सिंह मेन लीड में नजर आए थे। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई भी की थी।

वहीं इस साल करण और आलिया मिलकर 'जिगरा' फिल्म प्रोड्यूस करते नजर आएंगे। इस फिल्म में आलिया भट्ट एक्शन अवतार में दिखेंगी। भाई-बहन के मजबूत बॉन्ड पर बेस्ड ये फिल्म 27 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा खबरों की मानें तो करण और सलमान खान एक-साथ 'द बुल' में काम करते नजर आएंगे।

रवि शास्त्री से शादी करना चाहती थीं अमृता सिंह : फिल्मों में काम न करने की शर्त पर टूट गया था रिश्ता

वेटरन एक्ट्रेस अमृता सिंह और सैफ अली खान की शादी के किस्से तो सभी जानते हैं। लेकिन अमृता के बारे में ये बात बहुत कम लोग जानते हैं, कि पहले वो किसी और से शादी करने वाली थीं। रिपोर्ट्स के अनुसार, अमृता सिंह का नाम क्रिकेटर रवि शास्त्री के साथ जुड़ चुका था।

माना जाता है कि अमृता और रवि रिलेशनशिप में थे। दोनों शादी भी करना चाहते थे। लेकिन इनका रिश्ता टूटने का कारण सैफ नहीं थे। दरअसल शादी की बात पर रवि ने अमृता के सामने एक शर्त रख दी थी। शर्त की वजह से ही उनका रिश्ता टूट गया। रवि चाहते थे कि शादी के बाद अमृता फिल्मों में काम करना छोड़ दें। वो अपनी मैरिड लाइफ पर ध्यान दें और घर संभाले। लेकिन अमृता को ये शर्त मंजूर नहीं थी। वो अमृता के करियर का शुरुआती दौर था। वो काम करते रहना चाहती थीं। इस कारण से उनका रिश्ता टूट गया था।

रवि शास्त्री से ब्रेकअप के बाद विनोद खन्ना से था अफेयर

रिपोर्ट्स की मानें तो रवि शास्त्री से अलग होने के बाद अमृता और विनोद खन्ना के अफेयर की खबरें सामने आई थीं। दरअसल, दोनों फिल्म 'बंटवारा' की शूटिंग कर रहे थे। शूटिंग के दौरान दोनों में नजदीकियां बढ़ी थीं। लेकिन उनके रिश्ते के लिए अमृता की मां तैयार नहीं थीं। वो नहीं चाहती थीं कि उनकी बेटी की शादी विनोद खन्ना से हो। इसके दो कारण थे। एक तो विनोद उम्र में बड़े थे, वहीं वो पहले से शादीशुदा भी थे।

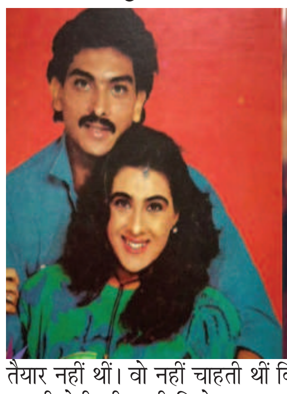

सैफ और अमृता की पहली मुलाकात फिल्म 'ये दिल्लगी' के सेट पर हुई थी। दोनों एक फोटोशूट के सिलसिले में मिले थे। अमृता के मुताबिक फोटोशूट के दौरान जब सैफ ने अमृता के कंधे पर हाथ रखा तो उन्होंने सैफ को घूरकर देखा, क्योंकि उस वक्त सैफ बॉलीवुड में नए थे और अमृता उनसे काफी सीनियर थीं।

3 महीने की डेट के बाद सैफ और अमृता ने साल 1991 में छुपकर सीक्रेट वेडिंग कर ली, क्योंकि दोनों ही अपने घरवालों के रिएक्शन से डर रहे थे। इसकी वजह थी सैफ और अमृता के बीच उम्र का फासला। अमृता सैफ से करीब 12 साल बड़ी थीं। दोनों के मुताबिक उन्होंने शादी के 2 दिन पहले ही ये डिसाइड किया था कि अब उन्हें जिंदगी भर साथ रहना है।

13 साल तक एक-दूसरे का साथ निभाने के बाद ये कपल साल 2004 में अलग हो गया। सैफ और अमृता के सारा और इब्राहिम नाम के दो बच्चे हैं। अमृता से अलग होने के बाद सैफ ने 3 साल तक स्विस मॉडल रोजा कैटलानो के साथ डेटिंग की, लेकिन ये रिलेशनशिप भी लंबे समय तक नहीं टिक पाई और दोनों का ब्रेकअप हो गया।

साल 2007 में फिल्म 'टशन' के सेट पर सैफ की मुलाकात करीना कपूर से हुई। दोनों 5 साल तक डेट करते रहे। इस कपल ने 16 अक्टूबर, 2012 को शादी की। दोनों अब एक बेटे (तैमूर) के पेरेंट्स हैं। जल्द ही करीना दूसरे बच्चे को जन्म देने वाली हैं।

'अमिताभ बच्चन बहुत अनुशासित हैं': शिशिर शर्मा

बिग बी अपनी जगह से तब तक नहीं हिलते , जब तक डायरेक्टर कट ना कहे

एक्टर शिशिर शर्मा ने अमिताभ बच्चन और नसीरुद्दीन शाह के साथ फिल्मों में काम किया है। शिशिर ने हाल ही में अमिताभ बच्चन के साथ अपने वर्क एक्सपीरियंस को शेयर किया। उन्होंने कहा- अमिताभ बच्चन तब तक अपनी जगह से नहीं हिलते जब तक कि डायरेक्टर कह ना दें कि 'शूट खत्म हो गया है'।

अमिताभ बच्चन बहुत अनुशासित हैं

वेटरन एक्टर शिशिर शर्मा ने अमिताभ बच्चन के प्रोफेशनल रवैये की तारीफ की। राजश्री अनप्लग्ड को दिए इंटरव्यू में एक्टर ने कहा- बच्चन साहब के साथ काम करना सोने पर सुहागा जैसा एक्सपीरियंस था। एक एक्टर होने के नाते मैं इससे ज्यादा और क्या मांग सकता हूं। उनके साथ काम करके बहुत मजा आया। मैंने उनके साथ कुछ सीन शूट किए थे। शूटिंग का अनुभव बेहद शानदार था क्योंकि बिग बी काम के प्रति बहुत प्रोफेशनल हैं। वे तब तक अपनी जगह से नहीं उठेंगे जब तक डायरेक्टर उन्हें उठने के लिए नहीं कहेंगे।

शिशिर शर्मा को अमिताभ बच्चन की आदतें पसंद हैं

जब डायरेक्टर कहते हैं- सीन खत्म हो गया है, तभी वो वहां से उठकर जाते हैं। जब तक डायरेक्टर सीन खत्म होने का संकेत नहीं देते हैं, तब तक अमिताभ बच्चन उसी जगह पर बैठे रहते हैं। उनकी ये आदत मुझे बहुत अच्छी लगी। इसलिए, मैंने सोचा कि ये एक ऐसी चीज है, जो एक्टर्स को उनसे जरूर सीखनी चाहिए।

बता दें, साल 2008 में रिलीज हुई फिल्म 'सरकार राज' में शिशिर शर्मा ने अमिताभ बच्चन के साथ काम किया था। इस फिल्म में ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन भी नजर आए थे। राम गोपाल वर्मा के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन किया था।

काम में प्रोफेशनल होना अच्छा होता है

शिशिर शर्मा ने नसीरुद्दीन शाह और आमिर खान की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि यंग एक्टर्स को अमिताभ बच्चन और नसीरुद्दीन शाह से अनुशासन सीखना चाहिए। नसीरुद्दीन शाह के बारे में बात करते हुए शिशिर ने कहा- मैंने नसीर साहब के साथ भी काम किया। वे भी बहुत प्रोफेशनल हैं। मैंने आमिर खान के साथ भी काम किया है। उनके अंदर भी वहीं गुण देखने को मिलते हैं। मुझे समझ नहीं आता आजकल के एक्टर्स उन लोगों से कुछ सीखते क्यों नहीं। बच्चन साहब, आमिर खान और नसीर साहब जैसे एक्टर्स हमेशा से अनुशासित रहे हैं।

शिशिर शर्मा 'दंगल' में नजर आए थे

शिशिर शर्मा ने साल 2018 में आई शॉर्ट फिल्म 'रोगन जोश' में नसीरुद्दीन शाह के साथ काम किया था। संजीव विग के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म को बेस्ट शॉर्ट फिल्म के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला था। साल 2016 में रिलीज हुई फिल्म 'दंगल' में शिशिर शर्मा ने आमिर खान के साथ काम किया था। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की थी।

मुझे पहली बार इतनी 'प्रशंसा' मिली : करिश्मा तन्ना

मैं खुद को एक आम इंसान मानती हूं। यह अलग बात है कि मैं अभिनय के प्रोफैशन में हूं लेकिन इंसान आम हो या खास, सबकी भावनाएं एक-सी होती हैं।

र्ष 2001 में धारावाहिक 'सास भी कभी बहू थी' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली करिश्मा तन्ना ने शो 'कुसुम', 'शरारत', 'पालखी' और रियलिटी शो 'बिग बॉस', 'खतरों के खिलाड़ी' में काम कर खुद को साबित किया है। इस वक्त करिश्मा 'बुसान फिल्म फैस्टिवल' में फिल्म 'स्कूप' के लिए बतौर सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री नॉमिनेट हुई हैं, जो काबिले तारीफ है।

फिल्म 'संजू' में काम करने के बावजूद इस फिल्म की सफलता का आपको खास फायदा न मिलने की क्या वजह रही?

- राजकुमार हिरानी जैसे निर्देशक ने जब मुझे फिल्म 'संजू' के लिए सम्पर्क किया तो मुझे बेहद खुशी हुई। रणबीर कपूर जैसा स्टार और हिरानी जैसा निर्देशक मेरे लिए काफी था लेकिन फिल्म रिलीज होने के एक साल बाद भी मुझे कोई काम नहीं मिला। इसकी क्या वजह रही, इसका मुझे अनुमान नहीं। शायद किस्मत में यही लिखा था। मेरे लिए यह अजीब बात थी कि इस फिल्म की सफलता के बाद भी मुझे कोई काम नहीं मिला, जिसकी मैंने उम्मीद की थी। इस वजह से मैं निराशा में घिर गई। मैंने दोस्तों को मैसेज कर उनसे फिल्म में अपनी परफॉर्मेंस के बारे में पूछा। खैर, मेरा वह कदम बस दिल बहलाने के लिए था।

- मैं जिंदगी भर हंसल मेहता की शुक्रगुजार रहूंगी, जिन्होंने जागृति पाठक का किरदार मुझे दिया। यह एक तेज- तर्रार क्राइम जर्नलिस्ट का किरदार था। फिल्म पसंद किए जाने के बाद मेरे पूरे करियर में पहली बार मुझे इतनी प्रशंसा मिली। इस किरदार को निभाकर तो मैं वाकई धन्य हो गई।

क्राइम जर्नलिस्ट के लिए आपको किस तरह की तैयारी करनी पड़ी ?

- मुझे अपने किरदार से हंसल मेहता ने रू-ब-रू करवाया। उनकी ब्रीफिंग और उनके आइडियाज मेरे लिए बेहद कारगर साबित हुए।

जीवन के किस भावुक क्षण में आपकी आंखें नम हुई थीं?

- मैं खुद को एक आम इंसान मानती हूं। यह अलग बात है कि मैं अभिनय के प्रोफैशन में हूं लेकिन इंसान आम हो या खास, सबकी भावनाएं एक-सी होती हैं। कई बार मैं भी आहत हुई हूं, क भी व्यक्तिगत तो कभी प्रोफैशनल कारणों से। जिस घटना का मैं जिक्र कर रही हूं, उसके बारे में मुझे मेरी मां से काफी बाद में पता चला। मेरे जन्म के वक्त सभी यह मानकर चल रहे थे कि बेटा होगा लेकिन मेरे पैदा होने के बाद मेरे माता-पिता इतने निराश हुए कि काफी देर तक उन्होंने मेरी शक्ल तक नहीं देखी। जाहिर सी बात है कि दुनिया की कोई भी लड़की यह सुन कर आहत होगी।

प्रायः पढ़े-लिखे परिवारों में लड़का- लड़की में भेदभाव नहीं किया जाता ?

- मैं एक मिडिल क्लास ज्वॉइंट गुजराती परिवार में जन्मी हूं। टिपिकल गुजराती परिवार में भी बेटा होने का दबाव होता है क्योंकि बेटा ही परिवार का चिराग माना जाता रहा है। मेरी मां को पहले ही एक बेटी थी इसलिए दादा और दादी की इच्छा थी कि मां बेटे को ही जन्म दे। दादी का यह रवैया मुझे दुखी कर गया।

बड़ी होने पर आपकी क्या प्रतिक्रिया थी?

- भला एक बेटी क्या प्रतिक्रिया व्यक्त कर सकती है? मैंने खुद यह निर्णय लिया कि अपने माता-पिता को दुनिया की किसी भी चीज की कोई कमी नहीं होने दूंगी। जैसे एक लड़का अपने माता-पिता के सारे कर्तव्य निभाता है, वैसे मैं उनके लिए सारे कर्तव्य निभाऊंगी और उन्हें हमेशा खुश रखूंगी। कभी उन्हें यह कमी महसूस न हो कि उन्होंने बेटे को जन्म नहीं दिया।

आपने टी.वी., फिल्म और ओ.टी.टी. पर काम किया है। आपका प्रियमाध्यम कौन-सा है?

- हर माध्यम का अपना फायदा है, नुक्सान कुछ भी नहीं। टी.वी. के लिए काम करना इसलिए फायदेमंद हैं क्योंकि एक ही समय में आप करोड़ों लोगों के घर में पहुंच सकते हैं। फिल्मों की मोहमाया का क्या कहना ? खुद को बड़े पर्दे पर देखना एक अलग ही अनुभूति है।

हम सभी 'तारीफ और सम्मान' के भूखे हैं : सुमोना

'द कपिल शर्मा शो' की सुमोना चक्रवर्ती इन दिनों सातवें आसमान पर है, जिसका कारण है उसे मिला अवॉर्ड। उसको 17 साल बाद अवॉर्ड से नवाजा गया है, जिसकी खुशी उसने फैन्स के साथ शेयर की।

उसे गत दिनों मुंबई में आई.टी.ए. अवॉर्ड्स में सम्मानित किया गया था। वह कहती है, मैंने एक अवॉर्ड जीता। आई.टी.ए. अवॉईस में 'द कपिल शर्मा शो के लिए बैस्ट एक्टर फीमेल कॉमेडी । 17 साल पहले अभिनय शुरू करने के बाद मेरी पहली जीत। जो भी कहो, हम सभी तारीफ और सम्मान के भूखे हैं। जब आप अपना नाम सुनते हैं और आपका दिल तेजी से धड़कने लगता है, फिर मंच तक जाते समय धुकधुकी और बढ़ जाती है। जब आपको अवॉर्ड मिलता है तो फिर अंदर ही एक धमाका होता है। पिछले कुछ सालों में सभी ने बहुत मेहनत की है। दुनियाभर से सभी लोगों का मुझे प्यार मिला है। लोगों ने तारीफ की है। इसके लिए मैं सभी का धन्यवाद कहूंगी और मैं उनकी आभारी हूं। शुक्रिया यूनिवर्स। उसने यह भी कहा, मैं 17 साल से काम कर रही हूं, लेकिन कई लोग सोचते हैं कि 'कपिल शर्मा शो' या 'बड़े अच्छे लगते हैं' मेरा पहला शो था लेकिन यह सच नहीं है। इन शोज की वजह से मुझे प्रसिद्धि तो मिली लेकिन मैंने उससे पहले काफी काम किया था। पुरस्कार न जीतने का मतलब यह नहीं है कि लोगों ने मेरे काम को मान्यता नहीं दी या उसकी सराहना नहीं की।

'हॉलीवुड' फिल्म में नजर आएगी प्रनूतन बहल

अपने दौर की महान अभिनेत्री नूतन की पोती और अभिनेता मोहनीश बहल की बेटी प्रनूतन बहल अपने करियर के नए चरण की शुरुआत करने के लिए तैयार है। वह हॉलीवुड डेब्यू करने वाली है।

प्रनूतन फिल्म' कोको एंड नट' में अमरीकी अभिनेता और फिल्म निर्माता रहसान नूर के साथ स्क्रीन शेयर करेगी, जिसके लिए वह बहुत उत्साहित है। यह रोमांटिक शैली की फिल्म बताई जा रही है, जिसका निर्देशन खुद रहसान नूर ने किया है। उसकी आखिरी फिल्म 2018 की 'बंगाली ब्यूटी' थी, जिसे समीक्षकों ने खूब सराहा था। 'कोको एंड नट' की कहानी एक महत्वाकांक्षी युवती के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका किरदार प्रनूतन ने निभाया है, जो अपनी शादी बचाने की चुनौतियों से जूझ रही है। उसके जीवन में एक अप्रत्याशित मोड़ आता है, जब उसे अपने कॉलेज प्रेमी यानी रहसान नूर से समर्थन मिलता है। अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में निर्मित होने वाली इस फिल्म की पूरी शूटिंग जून से जुलाई तक शिकागो में होने वाली है, है, जिसमें अमरीका और भारत दोनों से विविध कलाकार और क्रू शामिल होंगे। हॉलीवुड डेब्यू को लेकर प्रनूतन ने कहा, मैं हमेशा से एक रोमांटिक ड्रामा करना चाहती थी। 'कोको एंड नट' एक खूबसूरत कहानी है, जिसमें मेरा किरदार नट अपने जीवन में एक परिवर्तनकारी चरण से गुजरता है। मैं बहुत आभारी हूं कि मैंने ऐसी फिल्म के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शुरुआत की। रहसान ने कहा, प्रनूतन के साथ काम करना सौभाग्य की बात है। वह मुझे फिल्म 'नोटबुक' में बहुत प्रतिभाशाली लगी थीं।

नीरज चोपड़ा बोले- दो-तीन साल के अंदर वैश्विक एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं की मेजबानी करे भारत

ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने अपने दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय एथलेटिक्स का मान बढ़ाया है। अब वह चाहते हैं कि देश अगले दो-तीन में वैश्विक प्रतियोगिताओं की मेजबानी करके पेकिंग क्रम में एक पायदान ऊपर जाए। भारत 2029 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए बोली लगाने के लिए तैयार है, लेकिन चोपड़ा ने कहा कि देश इससे पहले छोटे पैमाने की अन्य वैश्विक प्रतियोगिताओं की मेजबानी कर सकता है।

चोपड़ा ने कहा, "अगर हम 2029 विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी करते हैं तो यह अच्छा होगा, लेकिन 2029 में अभी लंबा सफर तय करना है। मुझे लगता है कि भारत इससे पहले कॉन्टिनेंटल टूर इवेंट (विश्व एथलेटिक्स) जैसी कुछ बड़ी वैश्विक प्रतियोगिताओं की मेजबानी कर सकता है। इस तरह का वैश्विक आयोजन (कॉन्टिनेंटल टूर इवेंट की तरह) भारतीय प्रशंसकों की एथलेटिक्स में रुचि बनाए रखेगा। अगर अंतरराष्ट्रीय ट्रैक और फील्ड सितारे भारत आते हैं और भारतीय एथलीटों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हैं, तो यह देश के एथलीटों के साथ-साथ प्रशंसकों के लिए भी अच्छा होगा।

कॉन्टिनेंटल टूर विश्व एथलेटिक्स के तत्वावधान में आयोजित ट्रैक और फील्ड प्रतियोगिताओं की एक वार्षिक श्रृंखला है। यह डायमंड लीग के बाद अंतर्राष्ट्रीय एक दिवसीय बैठकों का दूसरा स्तर है। मौजूदा विश्व चैंपियन ने कहा कि भारत में वैश्विक कार्यक्रम आयोजित करने से प्रशंसकों में भी जागरूकता पैदा होगी। उन्होंने यह भी कहा कि डायमंड लीग मीटिंग्स जैसे वैश्विक आयोजनों का सीधा प्रसारण या स्ट्रीमिंग, खासकर जहां भारतीय एथलीट प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, भारतीय प्रशंसकों के लिए आसानी से उपलब्ध होनी चाहिए।

चोपड़ा, जो इस साल पेरिस खेलों में अपने ओलंपिक स्वर्ण की रक्षा का लक्ष्य बना रहे हैं, उन्होंने कहा कि वह मई में प्रतिस्पर्धा शुरू करेंगे। इसका मतलब है कि उनका प्री-ओलंपिक प्रतियोगिता कार्यक्रम दो महीने या उससे थोड़ा अधिक का होगा। पेरिस गेम्स 26 जुलाई से शुरू होंगे। उन्होंने कहा, मुझे अभी अंतिम योजना बनानी है। संभवतः हम मार्च में ऐसा करेंगे। लेकिन संभवतः मैं मई में प्रतियोगिता शुरू करूंगा।

डायमंड लीग का दोहा चरण 10 मई को निर्धारित है और उन्होंने पिछले साल इसी प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में कतर की राजधानी से अपने सीजन की शुरुआत की थी। 26 वर्षीय चोपड़ा इस समय ₹पूर्व नियोजित₹ छोटी छुट्टी के लिए स्विट्जरलैंड में हैं। अपने प्रवास के दौरान, ज्यूरिख में उनकी मुलाकात टेनिस के दिग्गज रोजर फेडरर से हुई, जो स्विट्जरलैंड पर्यटन के वैश्विक राजदूत हैं। वह जल्द ही ट्रेनिंग के लिए दक्षिण अफ्रीका लौटेंगे।

चोपड़ा ने फेडरर के साथ अपनी मुलाकात के बारे में कहा, ₹ज्यूरिख में रोजर फेडरर से मिलना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। मैंने हमेशा उनके कौशल, उनकी सच्ची खेल भावना और दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरित करने की उनकी क्षमता की प्रशंसा की है।

चोपड़ा ने कहा, ₹जिस चीज ने मुझे सबसे ज्यादा प्रेरित किया वह उनकी विनम्रता और उनका सहज आकर्षण था जिसने मुझे उनकी उपस्थिति में बहुत सहज महसूस कराया। मैदान पर और बाहर अपने-अपने जुनून और जीवन के अनुभवों के बारे में नोट्स का आदान-प्रदान करते हुए हमने बहुत अच्छा समय बिताया।

यह पूछे जाने पर कि ओलंपिक से पहले वह अपने खेल के किन पहलुओं पर काम करेंगे, चोपड़ा ने कहा, 'मैं तकनीक पर और फिर ताकत पर थोड़ा काम करूंगा। इसके अलावा, मैं चोट-मुक्त रहना चाहता हूं। पिछले कुछ वर्षों में, छोटी-मोटी चोटें लगी थीं, जिसके कारण मेरे कार्यक्रम में रुकावटें आईं। इसलिए, मुझे खुद को चोटों से बचाने के लिए छोटी-छोटी एक्सरसाइज पर भी काम करना होगा। उन्होंने कहा, इस तरह की छोटी चोटों के कारण कोई ध्यान भटकना नहीं चाहिए। मैं पूरी तरह से फिट होना चाहता हूं और पेरिस में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता हूं। मेरा ध्यान इसी पर है।

मलखम्ब कोच उदय को पद्म श्री सम्मान, 50 देश के 5000 से अधिक लोगों के कोच रहे

मलखम्ब कोच उदय विश्वनाथ देशपांडे को पद्म श्री सम्मान के लिए चुना गया है। साल 2024 में पद्म श्री से सम्मानित होने वाले लोगों की सूची में उनका नाम भारत के खेल प्रेमियों को सुकून देने वाला है। मलखम्ब पितामह के नाम से मशहूर उदय विश्वनाथ देशपांडे को मल्लखंभ का ध्वजवाहक माना जाता है। और वैश्विक मानचित्र पर खेल को लाने का श्रेय दिया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय मलखम्ब कोच देशपांडे ने वैश्विक स्तर पर इस खेल को पुनर्जीवित करने और लोकप्रिय बनाने के लिए अथक प्रयास किया।

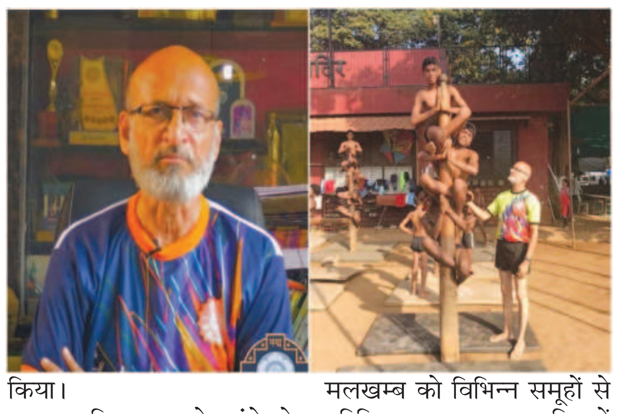

उदय विश्वनाथ देशपांडे ने 50 देशों के 5,000 से अधिक लोगों को व्यक्तिगत रूप से प्रशिक्षित किया। उन्होंने मलखम्ब को विभिन्न समूहों से परिचित कराया, जिसमें महिलाएं, दिव्यांगजन, अनाथ, आदिवासी, वरिष्ठ नागरिक आदि शामिल हैं। विश्व मल्लखंभ महासंघ के निदेशक के रूप में उन्होंने इस खेल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मलखम्ब पितामह उदय विश्वनाथ देशपांडे ने निर्णय के मानदंडों के साथ एक नियम-पुस्तिका बनाई गई और प्रतिस्पर्धा और सभी विनियमों का मानकीकरण किया, जिसे भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा मान्यता प्राप्त थी। इस खेल में उनके अतुलनीय योगदान के लिए उन्हें 70 साल की उम्र में पद्म श्री सम्मान मिल रहा है।

खान ब्रदर्स की अलग-अलग मैच में सेंचुरी

सरफराज ने इंडिया-ए के लिए शतक जड़ा, मुशीर ने अंडर-19 वर्ल्ड कप में 118 रन बनाए

अपने प्रदर्शन से लगातार भारतीय टीम का दरवाजा खट खटा रहे सरफराज खान और उनके छोटे भाई मुशीर खान गुरुवार को चर्चा में रहे। आजमगढ़ के 'खान ब्रदर्स' ने अलग-अलग मैचों में सेंचुरी जमाई। 26 साल के सरफराज ने अहमदाबाद में जारी दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट में इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ इंडिया-ए को मजबूत शुरुआत दिलाई। जबकि 18 साल के मुशीर खान ने ब्लोमफोंटेन में भारतीय टीम को वर्ल्ड कप में आयरलैंड पर 201 रनों की जीत दिला दी। इन पारियों के दम पर नौशाद खान के दोनों बेटे चर्चा में आ गए।

सरफराज की पारी से इंडिया-ए को 341 रन की बढ़त

इस चार दिवसीय मुकाबले के दूसरे दिन गुरुवार को इंडिया-ए की पहली पारी 493 रन पर समाप्त हुई। सरफराज खान ने 161 रन की पारी खेली, जबकि ओपनर देवदत्त पड्डीकल ने 105, सौरभ कुमार ने 77, वॉशिंगटन सुंदर ने 57 और अभिमन्यु ईश्वरन ने 58 रन का योगदान दिया। इंग्लिश गेंदबाज मैथ्यू पॉट ने 6 विकेट झटके, जबकि ब्रायडन कारसे ने 3 विकेट लिए।

पहले दिन इंग्लैंड की टीम टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 152 रन पर ऑलआउट हो गई। उसकी ओर से ओलिवर प्राइस ने सबसे ज्यादा 48 रन बनाए। उनके अलावा ब्रायडन कारसे 31, टॉम लॉज 15 और कीटन जेनिंग्स ने 11 रन बनाए। भारत के लिए आकाश दीप ने 4 विकेट लिए। वॉशिंगटन सुंदर और यश दयाल ने दो-दो विकेट झटके। सौरभ कुमार और अर्शदीप सिंह एक-एक विकेट मिला।

अंडर-19 वर्ल्ड कप: मुशीर के शतक से जीता भारत

मुशीर खान (118 रन) की शतकीय पारी के दम पर जूनियर टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका में जारी अंडर-19 वर्ल्ड कप में आयरलैंड को 201 रन से हराया। यह भारत की लगातार दूसरी जीत है। ब्लोमफोंटेन में आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 7 विकेट पर 301 रन बनाए। 302 रन का टारगेट चेज करने उतरी आयरलैंड की टीम 29.4 ओवर में 100 रन पर ऑलआउट हो गई। मुशीर खान प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने 118 रन की शतकीय पारी खेली।

ग्रैंडमास्टर गुकेश ने डोनशेंको को हराया, संयुक्त बढ़त पर कायम

भारत के डी गुकेश ने टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन का क्रम जारी रखा है। उन्होंने बृहस्पतिवार को जर्मनी के अलेक्जेंडर डोनशेंको को काले मोहरों से हराया। वह 10 दौर में 6.5 अंकों के साथ उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। सत्तारोव ने मैक्स वारमेरडैम को हराया। वहीं आर प्रगनानंदा और विदित गुजराती ने आपस में ड्रॉ खेला। प्रगनानंदा 6 अंक लेकर नीदरलैंड के अनीश गिरी के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। गुजराती के 5.5 अंक हैं।

नाबालिगों की डोपिंग में रूस के बाद भारत दूसरे स्थान पर

विश्व एंटी डोपिंग एजेंसी वाडा ने आपरेशन रिप्यूजी में खुलासा किया है कि भारत नाबालिगों की डोपिंग के मामले में दुनिया के दूसरे नंबर पर है। बीतें 10 वर्षों से नाबालियों के ेप पॉजिटिव केसों पर किए गए शोध में सामने आयाै कि नाबालिगों की डोपिंग में रुस पहले, भारत दूसरे और चीन तीसरे स्थान पर है। नाबालिगों के डोप टेस्ट में सबसे ज्यादा प्यूरासेमाइड नेंड्रोलॉन, क्लेनब्यूटेरॉल प्रतिबंधित दवाएं पाई गई है।

स्टोरी को लंबा खींचा जा सकता था - पूर्व डब्लूडब्लूई सुपरस्टार ने ही भारतीय दिग्गज को लेकर दिया बहुत बड़ा बयान

डब्लूडब्लूई सुपरस्टार जिंदर महल के लिए साल 2024 की शुरुआत बेहद शानदार रही है। वह डे 1 रॉ का हिस्सा थे जहां उनका द रॉक के साथ एक सैगमेंट हुआ था। इसके बाद वह सैथ रॉलिंस के साथ वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियनशिप मैच में लड़े थे जिसमें रॉलिंस ने चैंपियनशिप को रिटेन कर लिया था। एक पूर्व डब्लूडब्लूई सुपरस्टार को लगता है कि यह एक गलत कदम था।

जिंदर महल को लेकर यह बात वर्ल्ड्स हैवीवेट चैंपियन ने कही है। उन्होंने कहा मुझे जिंदर के लिए बुरा लग रहा है। वह उस समय काफी ज्यादा पसंद किए जा रहे थे इसलिए उनको और मौके मिलने चाहिए थे। मुझे लगता है कि एक नो फिनिश, कुछ अन्य चीजें या फिर कुछ गलतियां करके इसको कुछ समय के लिए आगे ले जा सकते थे।

डब्लूडब्लूई इंडिया के साथ हुई एक खास बातचीत में जिंदर महल ने कहा कि वह रायल रंबल में भारत को दर्शाना चाहते हैं। वह लोगों से अपील कर रहे हैं कि सब ट्रिपल एच को टैग किया जाए ताकि उन्हें, सांगा, या वीर या फिर पूरा इंडस शेर को ही रायल रंबलमैच का हिस्सा बनाया जाए। उन्होंने अपनी बातचीत के दौरान इस बात पर जोर दिया कि फैंस ही अपनी मेहनत से इसको सच कर सकते हैं।

वह चाहते हैं कि भारत को रायल रंबल में दिखाया जाए। जिंदर ने अपने काम से फैंस को अच्छा खासा मनोरंजन दिया है। यह देखना होगा कि क्या डब्लूडब्लूई उनकी इस रिक्वेस्ट पर विचार करती है या फिर नहीं। वैसे इस बात में शक नहीं कि भारत के सुपरस्टार्स को रायल रंबल मैच में देखकर भारतीय फैंस को बेहद अच्छा लगेगा।

टी20 सीरीज के पहले मैच में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान के खेलने पर संदेह, अहम वजह आई सामने

ऑस्ट्रेलिया को अपने घर पर दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी करनी है, जहाँ पर प्रोटियाज टीम के खिलाफ उसे तीनों ही फॉर्मेट के मुकाबले खेलने हैं। इसकी शुरुआत तीन मैचों की T20I सीरीज से होगी, जिसका पहला मुकाबला 27 जनवरी को कैनबरा में खेला जाना है। हालाँकि, सीरीज के पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली के खेलने पर संदेह की स्थिति बनी हुई है, क्योंकि वह बीमार हैं।

हीली के शुक्रवार को प्रैक्टिस सेशन में हिस्सा लेने की उम्मीद थी और इसके बाद उनके खेलने पर अंतिम निर्णय शनिवार को होना था।

वहीं, उपकप्तान ताहलिया मैक्ग्रा ने भरोसा जताया कि टीम हीली की गैरमौजूदगी में प्रदर्शन से समझौता नहीं करेगी। उन्होंने कहा,

हम काफी भाग्यशाली हैं कि हमारे पास कई सारे विकल्प उपलब्ध हैं और हम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं हैं। अगर कोई एक खिलाड़ी बाहर होता है, तो उसकी कमी को पूरा करने के लिए हमारे पास कई विकल्प उपलब्ध हैं। बहुत सारे खिलाड़ी अपनी बिग बैश फ्रेंचाइजी के लिए अलग-अलग भूमिका निभाते हैं, और हम काफी हद तक पहली पसंद वाली टीम हैं, इसलिए जरूरत के हिसाब से हमें लगता है कि हमारे पास सभी विकल्प हैं।

एलिसा हीली को पिछले साल भारत दौरे से पहले ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम का तीनों ही फॉर्मेट में कप्तान बनाया गया था। उनकी अगुवाई में ऑस्ट्रेलिया को भारत के खिलाफ टेस्ट मुकाबला गंवाना पड़ा था लेकिन टीम ने वनडे में 3-0 और T20I में 2-1 से सीरीज अपने नाम की थी। हीली ने वनडे सीरीज में एक मुकाबले में 82 रनों की पारी खेली थी, वहीं T20I सीरीज के अंतिम मैच में 55 रन बनाये थे। हीली की गैरमौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया को निश्चित तौर पर उनकी बल्लेबाजी की कमी खलेगी, साथ ही विकेटकीपिंग में भी जिम्मेदारी किसी और को देनी होगी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ T20I सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम

एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, हीदर ग्राहम, एश्ली गार्डनर, किम गार्थ, ग्रेस हैरिस, जेस जोनासन, फिबी लिचफील्ड, ताहलिया मैक्ग्रा, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शूट, एनाबेल सदरलैंड और जॉर्जिया वैरहम।

हफीज का कट सकता है पत्ता, एक महीने से मुफ्त में काम कर रहे थे

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के डायरेक्टर मोहम्मद हफीज को अपना पद छोड़ना पड़ सकता है। उन्हें पीसीबी से आगे कोई अनुबंध मिलने की संभावना नहीं है। हफीज को जका अशरफ के पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष रहते कॉन्ट्रैक्ट मिला था। हालांकि, कुछ दिन पहले जका अपना पद छोड़ गए और शाह खावर को पीसीबी का नया अध्यक्ष बनाया गया था। तब पाकिस्तान टीम ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के दौरे पर थी। उस दौरे से लौटने के बाद हफीज ने अपने अनुबंध को बढ़ाने को लेकर लाहौर में बोर्ड के कार्यवाहक अध्यक्ष, चुनाव आयुक्त शाह खावर और मुख्य परिचालन अधिकारी सलमान नसीर से मुलाकात की।

हफीज के मुताबिक, पूर्व अध्यक्ष जका अशरफ ने उन्हें पाकिस्तान टीम के डायरेक्टर के रूप में एक महीने का अनुबंध इस आश्वासन पर दिया था कि उनका अनुबंध तीन साल तक बढ़ाया जाएगा, लेकिन जब टीम न्यूजीलैंड में थी तब अशरफ ने अनुबंध को बढ़ाने के लिए मंत्रालय के पास भेजा तो उन्होंने इस मामले पर रुकने को कहा। सूत्रों ने कहा कि जब हफीज स्वदेश लौटने के बाद खावर और नसीर से मिले तो उन्हें बताया गया कि उनके लंबे अनुबंध की मंत्रालय द्वारा समीक्षा की जा रही है, लेकिन उन्हें यह भी बताया गया कि मंत्रालय ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में उनके प्रदर्शन से खुश नहीं है।

पूर्व कप्तान को यह भी बताया गया कि मंत्रालय उन्हें कोई गारंटी नहीं दे सकता। दिलचस्प बात यह है कि हफीज का एक महीने का अनुबंध 15 दिसंबर को ऑस्ट्रेलिया में समाप्त हो गया था और वह बिना वेतन के काम करते रहे। सूत्रों के मुताबिक, हफीज ने नसीर को यह भी याद दिलाया कि दौरे से उनके बकाया का भुगतान किया जाना चाहिए, चाहे मंत्रालय कुछ भी निर्णय ले। सूत्रों के मुताबिक, हफीज ने टीम के डायरेक्टर के रूप में बने रहने में रुचि दिखाई, लेकिन उन्हें जो प्रतिक्रिया मिली वह बहुत उत्साहजनक नहीं थी।

पाकिस्तान को ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज में 3-0 से हार मिली और न्यूजीलैंड में टी20 सीरीज 4-1 से हार गई। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के नवनियुक्त कार्यवाहक अध्यक्ष शाह खावर ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय टीम के पिछले एक साल में मैदान पर खराब प्रदर्शन के लिए बोर्ड में लगातार हो रहे बदलाव जिम्मेदार नहीं हैं।

खावर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि टीम के खराब प्रदर्शन के लिए कई अन्य कारण जिम्मेदार रहे। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि पिछले एक साल में बोर्ड में हुए बदलावों का टीम पर असर पड़ा है। यह एक मामूली कारण हो सकता है लेकिन इसके लिए अन्य अन्य कारक भी हैं। एक बार जब संचालकों के बोर्ड का गठन हो जायेगा और नया अध्यक्ष कार्यभार संभाल लेगा तो इस मामले को देखेगा।' खावर ने कहा कि क्रिकेट बोर्ड के मामलों में सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं था। उन्होंने कहा- यह गलत धारणा है कि क्रिकेट मामलों में सरकार हस्तक्षेप करती है या वे फैसले ले रही हैं।

क्रिकेटरों में लैंगिक वेतन समानता के लिए प्रतिबद्ध है वेस्टइंडीज, उठाया बड़ा कदम

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने शुक्रवार को वेस्टइंडीज खिलाड़ी संघ(डब्ल्यूआईपीए) के साथ एक नये समझौते पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर करके अपने खिलाड़ियों के बीच लैंगिक वेतन समानता के लिए प्रतिबद्धता दिखायी। यह एमओयू एक अक्तूबर 2023 से 30 सितंबर 2027 तक के लिए है। इसमें खिलाड़ियों के पारिश्रमिक के संबंध में सभी समझौते शामिल हैं।

वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने एक बयान में कहा- एमओयू एक अक्टूबर 2027 तक वेस्टइंडीज के सभी क्रिकेटरों के लिए अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मैच फीस, अंतरराष्ट्रीय कप्तान के भत्ते, अंतरराष्ट्रीय टीम पुरस्कार राशि और क्षेत्रीय व्यक्तिगत पुरस्कार राशि में समानता हासिल करने की योजना की रूपरेखा तैयार करता है। भारत, न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड ने हाल के दिनों में लैंगिक वेतन समानता के लिए कदम उठाये हैं। पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पुरुष और महिला टीम के लिए आईसीसी टूर्नामेंट में समान पुरस्कार राशि की घोषणा की थी।

1 फरवरी को बजट पेश करने के साथ ही निर्मला सीतारमण के नाम दर्ज हो जाएगा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को लगातार छठी बार बजट पेश करने जा रही हैं। इस बार का बजट पूर्ण बजट नहीं होगा क्योंकि 2024 में लोकसभा के चुनाव होने जा रहे हैं। इसलिए सरकार चुनाव से पहले के खर्चे को पूरा करने के लिए अंतरिम बजट पेश करेगी। यह हर बार लोकसभा चुनाव से पहले पेश होता है। इसके साथ ही वह लगातार पांच पूर्ण बजट और एक अंतरिम बजट पेश करने वाली देश की दूसरी वित्त मंत्री होंगी। यह उपलब्धि अब तक केवल पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के नाम है।

पांच सालाना बजट

सीतारमण एक फरवरी को अंतरिम बजट पेश करने के साथ, मनमोहन सिंह, अरुण जेटली, पी चिदंबरम और यशवंत सिन्हा जैसे पूर्व वित्त मंत्रियों के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ देंगी। इन नेताओं लगातार पांच बजट पेश किये थे। वित्त मंत्री के रूप में देसाई ने 1959-1964 के बीच पांच सालाना बजट और एक अंतरिम बजट पेश किये थे। एक फरवरी को वित्त वर्ष 2024-25 का पेश होने वाला अंतरिम बजट लेखानुदान होगा। यह सरकार को अप्रैल-मई के आम चुनावों के बाद नई सरकार आने तक कुछ निश्चित मदों में खर्च करने का अधिकार देगा। चूंकि आम चुनाव होने वाले हैं, ऐसे में सीतारमण के अंतरिम बजट में कोई बड़ा नीतिगत बदलाव होने की संभावना नहीं है। वित्त मंत्री ने पिछले महीने एक कार्यक्रम में अंतरिम बजट में कोई बड़ी घोषणा से इनकार किया था। उन्होंने कहा कि यह आम चुनाव से पहले सिर्फ लेखानुदान होगा। संसद में पारित होने के बाद लेखानुदान से सरकार को अप्रैल-जुलाई अवधि के व्यय को पूरा करने के लिए देश की संचित निधि से आनुपातिक आधार पर राशि निकालने की अनुमति होगी। आम चुनावों के बाद नई सरकार जून के आसपास बनने की संभावना है। ऐसे में नई सरकार जुलाई में 2024-25 के लिए पूर्ण बजट लेकर आएगी।

अंतरिम बजट के लिए तय नियम

आम तौर पर, अंतरिम बजट में प्रमुख नीतिगत घोषणाएं नहीं होती हैं, लेकिन सरकार पर ऐसे कदम उठाने से कोई नहीं रोक नहीं है जो अर्थव्यवस्था के सामने आने वाले मुद्दों से निपटने के लिए जरूरी हैं। मोदी सरकार के 2014 में सत्ता में आने के बाद, अरुण जेटली ने वित्त मंत्रालय का कार्यभार संभाला और 2014-15 से 2018-19 तक लगातार पांच बार बजट पेश किए। वर्ष 2017 में सरकार ने फरवरी के आखिरी कार्य दिवस की जगह एक तारीख को बजट पेश करने का निर्णय किया। इसके साथ ही 28 फरवरी को बजट पेश करने की औपनिवेशिक युग की परंपरा खत्म कर दी गयी। जेटली के खराब स्वास्थ्य के कारण मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे पीयूष गोयल ने एक फरवरी, 2019 को अंतरिम बजट पेश किया।गोयल ने वेतनभोगी टैक्सपेयर्स के लिए मानक कटौती को 10,000 रुपये से बढ़ाकर 50,000 रुपये कर दिया था। साथ ही, जिन टैक्सपेयर्स की वार्षिक टैक्स योग्य आय पांच लाख रुपये से अधिक नहीं है, उनके लिए टैक्स छूट 2,500 रुपये से बढ़ाकर 12,500 रुपये कर दी गई। मोदी सरकार ने 2019 के आम चुनावों के बाद सीतारमण को वित्त विभाग की जिम्मेदारी सौंपी। वह इंदिरा गांधी के बाद बजट पेश करने वाली दूसरी महिला बनीं। इंदिरा गांधी ने वित्त वर्ष 1970-71 के लिए बजट पेश किया था। उस वर्ष, सीतारमण ने बजट दस्तावेज के लिए इस्तेमाल किये जाने वाले परंपरागत ब्रीफकेस को हटा दिया और इसकी जगह राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह वाला बही-खाता अपनाया।

2027-28 तक इतनी बड़ी होगी भारत की इकोनॉमी

भारत 2027-28 तक 5,000 अरब डॉलर और 2047 तक 30,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने सर्वाधिक 10 बार बजट पेश किये। उन्होंने अंतरिम बजट समेत लगातार छह बार बजट पेश किए थे। स्वतंत्र भारत का पहला बजट प्रथम वित्त मंत्री आर के षणमुखम चेट्टी ने पेश किया था। अपना छठा बजट पेश कर रहीं सीतारमण ग्रामीण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए कुछ उपाय कर सकती हैं।

फॉक्सकॉन के सीईओ यंग लियू को इस वजह से पद्म भूषण से किया गया सम्मानित

यह सम्मान पाने वाले पहले विदेशी बने

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। ताइवान की टेक्नोलॉजी कंपनी फॉक्सकॉन के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर यंग लियू एक जाने माने उद्यमी हैं। यंग लियू को तकनीकी क्षेत्र में 40 साल से ज्यादा का अनुभव है। यंग लियू को भारत सरकार ने पद्मभूषण अवॉर्ड से सम्मानित किया है। वह पहले विदेशी हैं, जिन्हें सरकार ने तीसरा सबसे बड़ा सिविलियन अवॉर्ड दिया है। फॉक्सकॉन करीब 70 फीसदी आईफोन को असेम्बल करती है। भारत में तेजी से इस कंपनी का विस्तार हो रहा है। यंग लियू इस कंपनी के मुखिया हैं। फॉक्सकॉन दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरर है।

तीन कंपनियां स्थापित की

यंग लियू को एक बड़े इनोवेटर के तौर पर जाना जाता है। वह अभी तक 3 कंपनियों की स्थापना कर चुके हैं। साल 1988 में उन्होंने यंग माइक्रो सिस्टम्स की स्थापना की। यह कंपनी मदरबोर्ड बनाती है। इसके बाद साल 1995 में आईसी डिजाइन कंपनी की स्थापना की। यह कंपनी पीसी चिपसेट के लिए आईसी डिजाइन करती है। वहीं साल 1997 में आईटीई टेक्नॉलॉजी नाम की कंपनी स्थापित की।

बिजनेस बढ़ा रही फॉक्सकॉन

फॉक्सकॉन भारत में तेजी से अपने बिजनेस का विस्तार कर रही है। कंपनी को भारत में दिसंबर महीने में एक बिलियन डॉलर के एडिशनल फंडिंग की मंजूरी मिली थी। इससे भारत में नया कारखाना खोला जाएगा, जहां केवल एप्पल प्रोडक्ट्स का निर्माण किया जाएगा। कोविड के बाद कंपनी चीन के अलावा भारत में अपना विस्तार कर रही है। साल 2023 में दक्षिण भारत में कंपनी ने तेजी से अपना कारोबार फैलाया है। कंपनी की योजना अप्रैल 2024 तक भारत में आईफोन बनाने की है।

चीन से बढ़ा तनाव

फॉक्सकॉन दुनिया की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग कंपनी है। कोरोना और चीन के साथ तनाव के बाद फॉक्सकॉन चीन से बाहर भी उत्पादन कर रही है। पिछले साल उन्होंने कहा था कि भारत में सुधार और नीतियों ने इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के लिए बहुत बड़े मौके दिए हैं। उन्होंने कहा था, भविष्य में मैन्युफैक्चरिंग के लिए भारत बहुत महत्वपूर्ण देश होगा। बता दें कि पद्म भूषण भारत के सबसे बड़े सम्मानों में से एक है।

गौतम अडानी धारावी के कायापलट के लिए पूरी तरह तैयार, बस फरवरी का इंतजार

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)।उद्योगपति गौतम अडानी ने एशिया की सबसे बड़ी स्लम बस्ती मुंबई की धारावी के कायापलट की तैयारी कर ली है। कुछ समय पहले ही उनके नेतृत्व में बनने वाली एक कंपनी ग्रुप को धारावी रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट की बागडोर सौंपी गई है। फरवरी के महीने में उनकी कंपनी इस एरिया का रीडेवलपमेंट शुरू कर सकती है, जो करीब 10 लाख लोगों की जिंदगी हमेशा के लिए बदल देगा।दरअसल गौतम अडानी की कंपनी फरवरी से धारावी के लोगों का बायोमीट्रिक डेटा एकत्रित करना शुरू कर देगी। रीडेवलपमेंट के बाद किसको मुफ्त घर दिया जाएगा और किसे नहीं, इसे तय करने के लिए इस बायोमीट्रिक सर्वे की जरूरत है।

हालांकि ये काम बड़ी टेढ़ी खीर होने वाला है क्योंकि दशकों से कई सरकारें लोगों का भरोसा जीतने और इस एरिया को रीडेवलप करने की कोशिश कर रही हैं।

600 एकड़ में फैला है धारावी एरिया

धारावी का स्लम एरिया करीब 600 एकड़ में फैला है। कभी ये शहर से बाहर का इलाका होता था, लेकिन समय के साथ मुंबई शहर की परिधि बदल गई और धारावी शहर के बीचों बीच आ गया। आज इसके एक छोर पर बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स जैसा वर्ल्ड क्लास बिजनेस हब है। तो दूसरी तरफ दादर और माहिम जैसी पुरानी रिहाइश। इसलिए अडानी ग्रुप ने इसके रीडेवलपमेंट का बीड़ा उठाया है।

सिर्फ इन लोगों को मिलेगा बदले में मुफ्त घर

धारावी रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट के नियमों के हिसाब से जो लोग साल 2000 से पहले से धारावी के एरिया में रह रहे हैं। केवल उन्हीं लोगों को बदले में मुफ्त घर मिलेगा। इस एरिया का आखिरी सर्वे करीब 15 साल पहले हुआ था और अनुमान के मुताबिक तब यहां रहने वालों की संख्या 7 लाख के आसपास थी।इस बार डेटा कलेक्ट करने के लिए अडानी ग्रुप की टीम लोगों के घर-घर जाएगी और जानकारी जुटाएगी। लोगों से ये भी पता किया जाएगा कि वो धारावी में रहते हैं या काम करते हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	मकर	में
चंद्र-	कर्क	में
मंगल	धनु	में
बुध-	धनु	में
गुरु-	मेष	में
शुक्र-	धनु	में
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मीन	में
केतु-	कन्या	में

लग्नारंभ समय		
मकर..	06-05	बजे
कुंभ...	07-56	बजे
मीन ..	09-33	बजे
मेष--	11-09	बजे
वृष--	12-54	बजे
मिथुन..	14-54	बजे
कर्क...	17-06	बजे
सिंह...	19-18	बजे
कन्या..	21-25	बजे
तुला.....	23-30	बजे
वृश्चिक	00-41	बजे
धनु.....	03-58	बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
सूर्योदय - 06-53
सूर्यास्त. -18-04
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया - 03 -37 - तक उपरान्त तृतीया
मास - माघ कृष्ण पक्ष , शनिवार 27 January
नक्षत्र - आश्लेषा - 13 - 01 - तक उपरान्त मघा
योग - आयुष्मान - 08 - 08 - तक उप सौभाग्य
करण- तैतिल - 14 -26 - तक उप- गर
विशेष:-
व्रत -त्योहार - गण्ड मूल संज्ञक नक्षत्र

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:53 से 15:17 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	06:53 - 08:15	शुभ	अमृत	18:04 - 19:42	शुभ
रोग	08:15 - 09:40	अशुभ	चंचल	19:42 - 21:17	शुभ
उत्पात	09:40 - 11:04	अशुभ	रोग.	21:17 - 22:53	अशुभ
चंचल	11:04 - 12:28	शुभ	काल.	22:53 - 24:28	अशुभ
लाभ	12:28 - 13:53	शुभ	लाभ	24:28 - 02:04	शुभ
अमृत	13:53 - 15:17	शुभ	उत्पात	02:04 - 03:39	अशुभ
काल	15:17 - 16:42	अशुभ	शुभ	03:39 - 05:15	शुभ
शुभ	16:42 - 18:04	शुभ	अमृत	05:15 - 06:53	शुभ

अंतरिम बजट कृषि सेक्टर के लिए होगा खास

क्या 2019 की तरह लाई जाएगी नई गेमचेंजर स्कीम

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)।सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए एक फरवरी को पेश होने वाली अंतरिम बजट में कृषि क्षेत्र की योजनाओं के लिए आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकती है और कर्ज पर जोर दे सकती है। वित्त वर्ष 2023-24 में कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर एक साल पहले के चार फीसदी से घटकर 1.8 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को अंतरिम बजट पेश करने वाली हैं, जो वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का आखिरी प्रमुख आर्थिक दस्तावेज होगा। वर्ष 2019 के आम चुनाव से पहले पेश अंतरिम बजट में सरकार ने पीएम-किसान सम्मान निधि की घोषणा की थी, जिसके तहत छोटे किसानों को सालाना 6,000 रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। चुनावी साल में ऐसी उम्मीदें हैं कि आगामी बजट में सहायता की मात्रा बढ़ सकती है। साथ ही, सरकार अगले वित्त वर्ष के लिए कृषि ऋण लक्ष्य को बढ़ाकर 22-25 लाख करोड़ रुपये करने की घोषणा कर सकती है। चालू वित्त वर्ष के लिए सरकार का कृषि-ऋण लक्ष्य 20 लाख करोड़ रुपये है। चालू वित्त वर्ष में दिसंबर, 2023 तक 20 लाख करोड़ रुपये के कृषि-ऋण लक्ष्य का लगभग 82 फीसदी हासिल कर लिया गया है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि अंतरिम बजट में समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों को प्रमुख प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, कृषि में बर्बादी या नुकसान को कम करने के लिए भंडारण को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इलेक्ट्रॉनिक नेगोशिएबल वेयरहाउस रसीदों (ईएनडब्ल्यूआर) का कवरेज बढ़ाया जाना चाहिए।उद्योग चैंबर ने किसानों को सीधे नकद हस्तांतरण के रूप में उर्वरक सब्सिडी देने की दिशा में आगे बढ़ने का भी मुद्दा उठाया है। 'द ऑर्गेनिक वर्ल्ड' के संस्थापक और प्रबंध निदेशक गौरव मनचंदा ने कहा कि भारत को संचालन को अनुकूलित करने और उभरते बाजार के अवसरों का लाभ उठाने के लिए बजटीय समर्थन और मजबूत किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, उच्च कृषि बीमा परिव्यय, ग्रामीण रोजगार योजनाओं में अधिक निवेश, बेहतर सिंचाई सुविधाएं और बेहतर ग्रामीण बुनियादी ढांचे से बड़ा अंतर आ सकता है। वित्त वर्ष 2013-14 में यह आवंटन 27,662.67 करोड़ था। धानुका एग्रीटेक के प्रबंध निदेशक एम के धानुका को उम्मीद है कि आगामी अंतरिम बजट में सरकार कृषि को बढ़ावा देने के लिए की गई पहल को जारी रखेगी। उन्होंने कहा, विशेष रूप से, हम पीएम-किसान सम्मान निधि में कुछ वृद्धि और ग्रामीण खर्च में बढ़ोतरी की उम्मीद कर रहे हैं। पिछले बजट में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के लिए 60,000 करोड़ रुपये रखे गए थे। योजना के तहत प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से 30 नवंबर, 2023 तक 11 करोड़ से अधिक किसानों को 2।81 लाख करोड़ रुपये से अधिक जारी किए जा चुके हैं।

फेडरेशन ऑफ सीड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एफएसआईआई) के अध्यक्ष और सवाना सीड्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अजय राणा ने ऐसे नीतिगत माहौल पर जोर दिया जिससे बीज क्षेत्र में अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित किया जा सके।

क्या अब 8 लाख तक की सैलरी पर नहीं लगेगा टैक्स, बजट में मिल सकती है खुशखबरी!

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)।एक फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण देश का अंतरिम बजट पेश करेंगी। ऐसे में देश की टैक्सपेयर्स को बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। जी हां, आने वाले बजट में उन्हें बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। ये चुनावी साल है, ऐसे में सरकार टैक्सपेयर्स को लुभाने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। इसलिए बजट में टैक्सपेयर्स को बड़ी राहत मिलने के आसार हैं। सूत्रों की मानें तो बजट पेश होने वाले वोट ऑन अकाउंट बजट में न्यू टैक्स रिजीम में बदलाव हो सकता है। इसके अलावा मौजूदा टैक्स छूट का दायरा भी बढ़ाया जा सकता है। जिसके तहत 8 लाख तक की इनकम टैक्स फ्री हो जाएगी। आइए डिटेल में आपको इस बारे में डिटेल जानकारी देते हैं। टैक्सपेयर्स को खुश करने के लिए सरकार बजट 2024 में न्यू टैक्स रिजीम में मामूली बदलाव कर सकती है। इसमें मौजूदा टैक्स छूट को बढ़ाने पर विचार हो रहा है। न्यू टैक्स रिजीम में मौजूदा टैक्स छूट 7 लाख रुपए है। इसे बढ़ाकर 7.5 लाख रुपए किया जा सकता है। मतलब 50 हजार रुपए की अतिरिक्त छूट दी जा सकती है। इससे पहले सरकार ने न्यू टैक्स रिजीम में छूट का दायरा 5 लाख रुपए से बढ़ाकर 7 लाख रुपए किया था। इसमें सेक्शन 87(A) में रीबेट को 12500 रुपए से बढ़ाकर 25000 रुपए किया था। आने वाले फाइनेंशियल ईयर में 8 लाख रुपए तक की सैलरी टैक्स फ्री हो सकती है।

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आपकी प्रवृतियाँ आज काफी सक्रिय रहेंगी और आपको उनकी सुनकर ही आज आगे बढ़ाना चाहिए । यहां तक की अगर आपके आसपास हर किसी की राय अलग है तो भी आप उनकी ना सुनकर अपने ही मन की सुनें । आपके लिए शायद अभी यह कर पाना काफी मुश्किल होगा लेकिन आपको इसका लाभ मिलेगा ।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आप एक पारिवारिक व्यक्ति हैं । पारिवारिक मूल्य ही आपकी सफलता का श्रोत हैं । ,आज भी शुभ की शुरुआत आपके घर से ही होगी और आपको नयी कामयाबी दिलाएगी । आप विशेष लय में हैं । आज का दिन सार्थक होगा । मुश्किल समय में भी अपनी मुस्कान और होसला बनाये रखें । आपकी सकारात्मक दृष्टि आपको औरों से अलग मुकाम पर ले जायेगी ।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज आपके भावनाओं में बहने की उम्मीद थोड़ी ज्यादा है । किसी छोटी सी बात पर भी आप उदास हो जायेंगे या पुराने बेहतर समय को याद करने लगेंगे । किसी पुराने दोस्त से संपर्क साधने की कोशिश कर सकते हैं ।आज आप अपनी वर्तमान समस्या को सुलझाने के लिए कोई संतोषजनक समाधान खोजने या किसी की तरफ दोस्ती का हाथ बढाने के मूड में हैं ।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

पिछले काफी समय से जिस अटके काम को करने की सोच रहे हैं वह आज होने की उम्मीद है । खासी शारीरिक मेहनत करनी पड़ सकती है । आज सामाजिक और वित्तीय दृष्टि से भी लाभ प्राप्त होने की उम्मीद है। अपने प्रियजनों से किसी भी प्रकार के टकराव से बचें । तिारे कहते हैं की यदि आज कोई भी टकराव हुआ तो तुरंत बात बढ़ जायेगी ।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज अप्रत्याशित रूप से काफी खर्च हो सकता है । आप कोई ऐसी चीज खरीद सकते हैं जिसकी आपको जरुरत नही है लेकिन आपको अच्छी लगती है,इससे आपकी वित्तीय स्थिति काफी प्रभावित भी होगी। अपनी इस खर्च करने की प्रवृति पर नियंत्रण रखें तो दिन शांति से गुजर जाएगा । आपको आज कुछ नयी वित्तीय योजनायें भी पता चलेंगी ।

कन्या — टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

भौतिक सुविधाओं की ओर ध्यान देने के लिए यह काफी अच्छा समय है । अपने सामाजिक जीवन का आनंद उठायें और ऐसे दोस्तों और परिचितों से भी बात करें जिनके सम्पर्क में आप लम्बे समय से नही रहे हैं । आज अपने जाग्रति स्तर में भी बदलाव महसूस करेंगे,जो आपको अचानक ही अनुभव होगा । इस समय अपने मन की बात सुनना ही उचित होगा ।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

अपने जीवन में नकारात्मकता लाने वाले लोगों से दूर रहें । आपको यह जानकर अचरज होगा कि जिसे आप अपना हमराज समझते थे ,वही आपके बारे में उलटी-सीढ़ी बातें फैला रहा है । ऐसे लोगों से सावधान रहें । उन्हें अपने दिलो-दिमाग में जगह ना दें । कोई नज़दीकी दोस्त आपका साथ देगा । यह दोस्त आपका जीवनसाथी या माता-पिता भी हो सकते हैं ।

वृश्चिक — तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

एक वृद्ध व्यक्ति सोचने के लिए मजबूर करेगा । योजना बनाना और प्राथमिकताएं तय करना आपकी खासियत हैं । अपना काम करें,सब सही होगा । शांति बनाये रखें और धीरज से काम लें । कोई आपसे आज मिलने आएगा । अपनी सेहत और आराम का ख़ास ध्यान रखें । जल्द ही ऐसी वित्तीय स्थिति बन रही है जो आपके लिए फायदे का सौदा साबित होगी ।

धनु — ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज आपको अपने दृष्टिकोण को सांसारिक वास्तविकता के साथ संतुलित करने की जरुरत को समझने और इस कला में पारंगत होने की आवश्यकता महसूस होगी । आपकी योजनायें महत्वाकांक्षी हैं,लेकिन आपको इसके लिए वास्तविक समस्याओं को समझना होगा नही तो आप अपने अच्छे इरादे के बावजूद टकराव महसूस करेंगे ।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आप आज उल्लास और कुछ कर गुजरने के मूड में हैं । आपके सामने आज भुत से अवसर आयेंगे और आप उनका पूरा लाभ उठाने के लिए बहुत उत्साह में हैं । आज अगर आप अपने दिल की सुनेंगे तो वित्तीय,निजी जीवन तथा संबंधों में भी बहुत सफलता मिलेगी । आज दिन घटनाओं भरा रहेगा और आप इसका हरपल आनंद उठाएंगे ।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आप आज अनजाने तथ्यों के साथ सहज महसूस नही करेंगे । इसलिए आप प्रयोग ना करते हुए जानी –पहचानी राहों पर ही आगे बढने की कोशिश करेंगे । आपके सामने नए अवसर आयेंगे ,लेकिन आप उनमे से भी उसी को चुनेंगे जिससे आप भली-भांति परिचित हैं । इस समय का उपयोग अपना पिछला बचा हुआ काम निपटाने के लिए करें ।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

भाग्य आपकी वित्तीय स्थिति पर मुस्कुरा रहा है और अधिक कमाई के कारण आप के खर्चे भी बढ़ गए हैं। अब समय आ गया है की आप अपने खर्च पर नियंत्रण रखें । अब फिजूलखर्ची से बचना होगा ।आपके परिजन या किसी करीबी के साथ ऐसा कुछ होगा कि आपके भीतर भी उससे अशांति आएगी ।

पं ।महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

राम मंदिर खुलने के बाद पीएम मोदी की इस योजना से बदलेंगे अयोध्या के भाग्य

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)।उत्तर प्रदेश के अयोध्या में 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'बालक राम' की प्राण प्रतिष्ठा की। इसके बाद से रोजाना लाखों की संख्या में लोग राम मंदिर में दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। राम मंदिर बनने के साथ ही अयोध्या में कई इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स शुरू हो चुके हैं और अब पीएम मोदी की ही एक योजना अयोध्या के भाग्य बदलने जा रही है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने देश में लॉजिस्टिक्स को आसान बनाने के लिए एक मेगा प्रोजेक्ट प्लान किया है। इसे पीएम गतिशक्ति नाम दिया गया है। इसी योजना के तहत अब अयोध्या के लिए एक नया बाईपास बनाया जा रहा है।

बाईपास बदलेगा अयोध्या की किस्मत

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में 67.57 किलोमीटर लंबा अयोध्या बाईपास बनाया जा रहा है। इसे पीएम गतिशक्ति योजना के तहत डेवलप किया जा रहा है। इससे अयोध्या के आसपास के इलाके में माल की निर्बाध आवाजाही में आसानी होगी। वहीं अयोध्या के मुख्य रास्तों पर भीड़ कम होगी। ये बाईपास लखनऊ, बस्ती और गोंडा जैसे प्रमुख जिलों को कवर करेगा।

लखनऊ-गोरखपुर के बीच बढ़ेगा ट्रेड

अयोध्या उत्तर प्रदेश के दो प्रमुख इकोनॉमिक सेंटर्स लखनऊ और गोरखपुर के बीच स्थित है। इस वजह से अयोध्या से चमड़ा, इंजीनियरिंग गुड्स, कंस्ट्रक्शन मैटीरियल, लोहा और स्टील जैसी सामान लेकर जाने वाले ट्रक बहुत संख्या में गुजरते हैं। ऐसे में बाईपास एक ओर अयोध्या में भीड़ को कम करेगा, वहीं दूसरी ओर लोगों के लिए माल की डिलीवरी के सिस्टम को बेहतर करेगा। पीएम गतिशक्ति प्लान के तहत योजनाओं को राष्ट्रीय योजना समूह की बैठक में मंजूरी दी जाती है। इसकी बैठक हर 15 दिन में होती है। 500 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश वाले सभी लॉजिस्टिक और कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट्स को एनपीजी के माध्यम से मंजूरी दी जाती है।

बोइंग 737-मैक्स एयरक्राफ्ट के प्रोडक्शन पर रोक

एफएए का फैसला, इससे भारतीय एयरलाइंस की 527 विमानों की डिलिवरी लेट होने की आशंका

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने कंट्रोवर्शियल बोइंग 737 मैक्स एयरक्राफ्ट की मैन्यूफेक्चरिंग पर रोक लगा दी है। एफएए के इस फैसले का असर भारत की एयरलाइंस कंपनियों पर पड़ सकता है। एअर इंडिया एक्सप्रेस, स्पाइसजेट और अकासा एयर ने बोइंग को 527 विमान के ऑर्डर दिए हैं।

क्वालिटी कंट्रोल प्रैक्टिसेस को लेकर जांच का सामना कर रही बोइंग

तीन हफ्ते पहले अलास्का एयरलाइंस के एक एयरक्राफ्ट का पैनल हवा में उड़ गया था। हालांकि, विमान सुरक्षित लैंड कर गया था, लेकिन इस हादसे में कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आईं थीं। इस हादसे के बाद से बोइंग को अपनी क्वालिटी कंट्रोल प्रैक्टिसेस को लेकर जांच का सामना करना पड़ रहा है। इतना ही नहीं इस हादसे के बाद से बोइंग की मैन्यूफेक्चरिंग प्रोसेस की भी जांच बढ़ गई है। बोइंग 737 मैक्स 9 से 5 जनवरी की यह घटना उसी विमान में कई महीनों पहले हुई छोटी समस्याओं के बाद हुई थी। अलास्का एयरलाइंस से हुआ यह हादसा बोइंग के लिए ऑपरेशनल प्रॉब्लम को दर्शाता है। वहीं 2018 और 2019 में 737

एमएएक्स 8 विमानों से दो दुर्घटनाएं हुईं थीं, जिसमें 346 लोगों की जान गई थी। इसके बाद इस जेट को लंबे समय के लिए ग्राउंडेड कर दिया गया था।

737 मैक्स एयरक्राफ्ट के प्रोडक्शन का विस्तार नहीं कर सकती बोइंग: एफएए

अमेरिकी एविएशन रेगुलेटर 'फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन' ने अब फैसला सुनाया है कि बोइंग कंट्रोवर्शियल 737 मैक्स एयरक्राफ्ट के प्रोडक्शन का विस्तार तब तक नहीं कर सकती, जब तक कि वह उसकी समस्याओं को ठीक नहीं कर लेती।

प्रोडक्शन में विस्तार के लिए बोइंग की किसी भी रिक्वेस्ट पर सहमत नहीं होंगे

एफएए ने एक स्टेटमेंट में कहा, 'हम प्रोडक्शन में विस्तार के लिए बोइंग की किसी भी रिक्वेस्ट पर सहमत नहीं होंगे या 737 मैक्स के लिए एडिशनल प्रोडक्शन लाइनों को मंजूरी नहीं देंगे। जब तक कि हम संतुष्ट नहीं हो जाते कि इस प्रोसेस के दौरान सामने आए क्वालिटी कंट्रोल मुद्दों का समाधान हो गया है।'

एफएए का यह फैसला भारतीय एयरलाइनों के लिए क्यों है एक चुनौती

एफएए का यह फैसला एअर इंडिया एक्सप्रेस, स्पाइसजेट और अकासा एयर सहित उन भारतीय एयरलाइनों के लिए एक चुनौती है, जिन्होंने सामूहिक रूप से बोइंग 737 मैक्स के सैकड़ों वेरिएंट के लिए ऑर्डर दिए हैं।पिछले साल साइन हुई 70 बिलियन डॉलर यानी करीब 5.82 लाख करोड़ रुपए की डील के तहत एअर इंडिया एक्सप्रेस ने बोइंग को 181 '737 मैक्स' विमानों के ऑर्डर दिए हैं। जबकि, अकासा एयर ने 204 और स्पाइसजेट ने 142 मैक्स जेट के ऑर्डर बोइंग को दिए हुए हैं। एफएए के इस फैसले के कारण भारतीय एयरलाइनों के ऑर्डर्स के प्रोडक्शन और डिलीवरी में देरी हो सकती है।

डीजीसीए ने भी बोइंग 737 मैक्स विमानों को लेकर सुरक्षा संबंधी चिंताएं जताई

भारत का डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन भी देश में चल रहे सभी बोइंग 737 मैक्स विमानों का निरीक्षण पहले ही कर चुका है और उसने सुरक्षा संबंधी चिंताएं जताई हैं।

पति-पत्नी के बीच नई दीवार बनी मोबाइल

मोबाइल फोन एडिक्शन से बिगड़ रहे रिश्ते और सेहत

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। चाहे शादी हो या लव रिलेशनशिप, कोई रिश्ता सिर्फ फूलों की सेज नहीं होता। रिश्ते निभाने के रास्ते में ढेरों चुनौतियां भी होती हैं। नेशनल ओपिनियन रिसर्च सेंटर के एक सर्वे में 60 फीसदी लोग कहते हैं कि वह अपने रिश्ते से बहुत संतुष्ट नहीं हैं। इस सर्वे के मुताबिक एक रिश्ते में बहुत तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जैसे कि-

घर और नौकरी की जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बिठाना। बच्चे पालने से जुड़ी चुनौतियां। पैसे से जुड़ी परेशानियां और विवाद। रिश्ते में पर्याप्त इंटीमेसी यानी सेक्स का न होना। ये तो सैकड़ों सालों से चली आ रही चुनौतियां हैं। लेकिन अब इसमें एक और नया नाम जुड़ गया है- 'मोबाइल फोन।' जी हां, मोबाइल फोन पति-पत्नी के बीच खड़ी नई दीवार है। sciencedirect.com में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक मोबाइल फोन रिश्ते बिगड़ने से लेकर उनके टूटने तक की वजह बन रहा है।

मनोविज्ञान में एक टर्म है फबिंग। आप कैंब्रिज डिक्शनरी में इसका अर्थ खोजिए तो ये मिलेगा- "किसी व्यक्ति का फोन या अन्य मोबाइल डिवाइस पर ध्यान देने के लिए अपने साथी को नजरअंदाज करना।

सरल शब्दों में यूं समझ लीजिए कि बात पार्टनर से कर रहे हैं, लेकिन नजरें फोन पर टिकी हैं। पार्टनर कुछ बोल रहा है, लेकिन आप फोन पर गेम खेल रहे हैं। सामने बैठे व्यक्ति से कोई कनेक्शन नहीं और मीलों दूर बैठे किसी इंसान से फोन पर चैटिंग चल रही है।

मोबाइल फोन से बिगड़ रहे रिश्ते

यह स्टडी करने वाले डॉ. जेम्स ए. रॉबर्ट्स बायलर यूनिवर्सिटी, टेक्सास में मार्केटिंग के प्रोफेसर है। वे कहते हैं कि एक अमेरिकन व्यक्ति औसतन हर साढ़े छह मिनट में अपना फोन चेक करता है और पूरे दिन में तकरीबन डेढ़ सौ बार। भारतीयों की कहानी भी कुछ अलग नहीं है। स्टेट ऑफ मोबाइल, 2023 रिपोर्ट के मुताबिक एक भारतीय दिन में 4.9 घंटे यानी तकरीबन पांच घंटे अपने फोन से चिपके हुए बिताते हैं। रोज पांच घंटे मतलब महीने के डेढ़ सौ घंटे और साल के 1800 घंटे।

डॉ. रॉबर्ट्स लिखते हैं, "हमारी स्टडी में शामिल 92% लोगों ने कहा कि पार्टनर की हर वक्त मोबाइल फोन चेक करने की आदत उनके रिश्तों को खराब कर रही है। तकरीबन सभी प्रतिभागियों ने कहा कि पार्टनर का फोन हर वक्त उनके हाथ में रहता है। रिसर्चगेट की एक और स्टडी कहती है कि मोबाइल फोन एडिक्शन के कारण कपल के बीच तनाव और दूरियां पैदा हो रही हैं। इस स्टडी में शामिल 70 फीसदी लोगों का कहना है कि मोबाइल के कारण वे अपने पार्टनर के साथ पूरी तरह कनेक्ट नहीं कर पाते। क्योंकि वह 100% कभी मौजूद ही नहीं होता।

डॉ. क्लिंट मैक्सवेल अपनी किताब 'ब्रेकअप विद योर फोन एडिक्शन' में न सिर्फ मोबाइल एडिक्शन के खतरों से आगाह करते हैं, बल्कि इससे छुटकारा पाने के तरीके भी बताते हैं। वे लिखते हैं, "मोबाइल फोन की लत का कारण ये है कि हमारा दिमाग डोपामिन एडिक्ट हो गया है।"

स्टैनफोर्ड मेडिकल स्कूल के न्यूरोसाइंस डिपार्टमेंट की एक रिसर्च के मुताबिक मोबाइल फोन हमारे मस्तिष्क के डोपामिन सेंटर्स को एक्टिवेट करता है। यही कारण है कि हम कोई जरूरी काम न होने पर भी हर थोड़ी देर में अपना फोन उठा लेते हैं। अगर फोन पास न हो तो हमें घबराहट और बेचैनी होने लगती है।

मोबाइल फोन की लत से कैसे पाएं छुटकारा

डॉ. मैक्सवेल लिखते हैं कि इस लत को छोड़ना सिगरेट, शराब छोड़ने की तरह ही एक चुनौतीपूर्ण काम है। इससे छुटकारा पाने के लिए सबसे पहले जरूरी है इंटेंशन यानी लत से निजात पाने का इरादा। यह इरादा तब तक नहीं हो सकता, जब तक हमें समझ न आ जाए कि यह लत भले थोड़ी देर का एक्साइटमेंट दे रही है, लेकिन लॉन्ग टर्म में यह हमारी हेल्थ और रिलेशनशिप, दोनों के लिए खतरनाक है।

नो मोबाइल टाइम

घर में एक रूटीन बनाइए, जिसमें शाम को एक घंटे घर के सभी सदस्य एक साथ बैठेंगे और आपस में बात करेंगे। उस वक्त मोबाइल साथ में नहीं होना चाहिए।

साथ में वॉक या एक्सरसाइज करने जाएं

कपल साथ वक्त बिताने के लिए वॉक करने जाएं और नियम बनाएं कि उस वक्त मोबाइल फोन साथ लेकर नहीं जाएंगे। इस तरह आपको साथ प्रकृति के करीब रहने, प्रकृति की आवाजें सुनने और एक-दूसरे के साथ बिना डिस्टर्बेंस के समय बिताने का मौका मिलेगा।

डिनर टेबल पर नो मोबाइल

अपने घर में यह नियम बनाएं कि खाने की मेज पर कोई भी अपना फोन साथ लेकर नहीं आ सकता। उतना वक्त सिर्फ एक-दूसरे से बातें करते हुए बिताएं। अगर हम घर में इस तरह के कुछ रूल्स सेट कर दें, जिनका पालन करना अनिवार्य हो तो इससे नई आदतें बनने में मदद मिलती है।

फोन से सोशल मीडिया ऐप्स डिलीट करें

मोबाइल फोन में 70 फीसदी वक्त हम बेवजह सोशल मीडिया ऐप्स स्क्रॉल करते हुए बिताते हैं। फेसबुक को आए हुए सिर्फ 20 साल हुए हैं और इन 20 सालों में दुनिया भर में हुईं 1000 से ज्यादा साइंस स्टडी और सोशल सर्वे कह रहे हैं कि सोशल मीडिया हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए खतरा है।

इसलिए अपने फोन से सारे सोशल मीडिया ऐप्स जैसेकि फेसबुक, ट्विटर(X), इंस्टाग्राम, स्नैपचैट वगैरह डिलीट कर दें। ये एप्स दिन में एक बार सिर्फ लैपटॉप में ही खोलें।

फोन डिटॉक्स टाइम

जैसे हम अपनी बॉडी को डिटॉक्स करते हैं, लैपटॉप और फोन को डिटॉक्स करते हैं, वैसे ही अब इंसानों को फोन डिटॉक्स की भी जरूरत है। महीने में कोई दो-तीन दिन ऐसा तय करें, जब काम से छुट्टी के साथ आप अपने मोबाइल फोन से भी छुट्टी ले लें। फोन स्विचऑफ करके बैग में डाल दें और उसे देखें भी नहीं। महीने के दो-तीन दिन टोटल मोबाइल डिटॉक्स वाले हों। डॉ. मैक्सवेल कहते हैं कि आप खुद ये चीजें करके देखें कि आपके रिश्तों, लाइफ क्वालिटी और ओवरऑल हेल्थ में कितना सुधार होता है।

75वें गणतंत्र का जश्न

राज्यपाल ने फहराया तिरंगा

कहा-भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं, दुमका में हेमंत सोरेन बोले- दलित-पिछड़ों को अधिकार देना लक्ष्य

रांची, 26 जनवरी (एजेंसियां)। देश आज 75वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। झारखंड की राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन तिरंगा फहराया है जबकि मुख्यमंत्री हेंमत सोरेन ने दुमका में झंडा फहराया।

राज्यपाल ने अपने संबोधन में शहीद जवान और आजादी के जननायकों को याद किया। सेना और पुलिस के काम की भी सराहना की। राज्य में नक्सल गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए उन्होंने राज्य पुलिस और सेना की सराहना की। साथ ही कहा कि भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इधर दुमका में सीएम ने तिरंगा फहराया। उन्होंने कहा कि दलित-पिछड़ों को अधिकार देना सरकार का लक्ष्य है। इसके लिए हम काम करते रहेंगे।

रांची में आयोजित मुख्य समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य न्यायाधीश, मुख्य सचिव, गृह सचिव, डीजीपी और आयुक्त मौजूद रहे। गणतंत्र दिवस के मौके पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हैं। शहर में 1000 पुलिस बल और 50 दंडाधिकारी तैनात किए गए हैं।

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने 75वें गणतंत्र दिवस समारोह में अपने अभिभाषण में कहा कि उनकी सरकार ने हमेशा से सुशासन एवं न्याय के साथ विकास पर जोर दिया है। सरकार विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से हर व्यक्ति के सर्वांगीण विकास का लगातार प्रयास कर रही है। भ्रष्टाचार को सरकार की इन योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने में बाधक नहीं बनने देना चाहिए। किसी भी रूप में और किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

राज्यपाल ने यह भी कहा कि महिला सशक्तिकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मनरेगा योजना के अंतर्गत महिलाएं मेट एवं बागवानी सखी के रूप में कार्य कर रही है। इससे मनरेगा में मानव श्रम में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़कर 48 प्रतिशत हो गई है।

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से सरकारी मशीनरी द्वारा पंचायतों तक जाकर योजनाओं को लाभुकों तक पहुंचाया जा रहा है। दुमका पुलिस लाइन में हुए गणतंत्र दिवस समारोह में सीएम सोरेन ने सरकार की उपलब्धियां गिनवाईं। मुख्यमंत्री ने कहा कि चार साल के शासन में सरकार ने लाखों राज्यकर्मियों के लिए पुरानी पेंशन योजना शुरू की है। 35 लाख जरूरतमंदों को पेंशन, 20 लाख अतिरिक्त लोगों को राशन और 57 लाख से अधिक लोगों को सरकार साल में दो बार वस्त्र प्रदान कर रही है।

झारखंड आंदोलनकारियों की पहचान कर उनके आश्रितों और स्वजनों को पेंशन और सम्मान देने की मुहिम चलाई जा रही है। राज्य सरकार अपनी निधि से आवास विहीन और कच्चा घर में रहने वाले करीब 20 लाख परिवारों को तीन कमरों वाला पक्का मकान अबुआ आवास के तहत उपलब्ध कराया जाएगा। सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना से सात लाख से अधिक किशोरियों को लाभान्वित किया गया है।

गणतंत्र दिवस के मौके पर नक्सलियों की बड़ी साजिश

चाईबासा, 26 जनवरी (एजेंसियां)। गणतंत्र दिवस के मौके पर सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के उदेश्य से इन आईईडी को लगाया गया था। सुरक्षा बल को सर्च अभियान को दौरान इसकी जानकारी मिली और इसे निर्षक्रिय कर दिया गया। आईईडी को नक्सलियों ने सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से लगाया था। जवानों ने जहां बम मिला उसी जगह नष्ट कर दिया।

नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछू, चमन, कांडे, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन अपने दस्ते के साथ इन इलाकों में छिपे हैं और लंबे समय से यहां चाईबासा पुलिस की टीम, कोबरा 209 बीएन, 203 बीएन, 205 बीएन, झारखंड जगुआर और सीआरपीएफ 60 बीएन, 197 बीएन, 157 बीएन, 174 बीएन, 193 बीएन, 134 बीएन, 26 बीएन, 190 बीएन, 11 बीएन की एक संयुक्त अभियान दल का गठन कर लगातार नक्सलियों के खिलाफ अभियान चला रहे हैं। 10 अक्टूबर 2023 से गोईलकेरा थाना के ग्राम कुईड़ा, छोटा कुईड़ा, मारादिरी, मेरालगड़ा, हाथीबुरू, तिलायबेड़ा बोयपाईससांग, कटम्बा, बायहातु, बोरोय, लेमसाडीह के सीमावर्ती क्षेत्र और टोन्टो थाना के ग्राम हुसिपी, राजाबासा, तुम्बाहाका, रेगड़ा, पाटातोरब, गोबुरू, लुईया के सीमावर्ती इलाको में नक्सलियों के मौजूद होने। इन इलाको में आईईडी बम मिलने की खबर आती रही। सुरक्षा बल ने नक्सलियों के मंसूबों पर पानी फेर दिया है। सुरक्षा बल को ऑपरेशन के दौरान टोंटो थाना क्षेत्र के तुम्बाहाका गांव के आसपास जंगली पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए नक्सलियों ने 10 किलो के आईईडी बम लागए थे।

महतारी वंदन लागू नहीं, पैसे लेकर भरवाए जा रहे फॉर्म

रायपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना लागू नहीं हुई है, मगर इससे पहले ही महिलाओं से फॉर्म भरवाए जा रहे हैं। फॉर्म के नाम पर औरतों से पैसे भी लिए जा रहे हैं। महिलाओं की निजी जानकारी ली जा रही है, जिसके गलत इस्तेमाल होने का खतरा बना हुआ है। इस तरह के मामले बढ़ने की वजह से विभाग की ओर से अलर्ट जारी किया गया है। कलेक्टर्स को कार्रवाई करने कहा गया है। अनाधिकृत तरीके से फॉर्म भरवाए जाने की शिकायतें अधिकारियों के पास पहुंची तो अब महिला एवं बाल विकास संचालनालय हरकत में आया है। विभाग की ओर से जारी निर्देश में साफ कहा गया है कि महतारी वंदन योजना शुरू नहीं हुई है। महिला एवं बाल विकास विभाग की संचालक तूलिका प्रजापति के आदेश से यह निर्देश सभी कलेक्टर को भेजे गए हैं। महिला बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारियों को भी निर्देशित किया गया है। व्हाट्सएप पर कई डिजिटल फर्जी वेबसाइट के लिंक वायरल किए जा रहे हैं। दावा किया गया है कि लिंक पर क्लिक करते ही फॉर्म भरने पर महिलाएं महतारी वंदन योजना के लिए आवेदन कर सकेंगी। जबकि योजना शुरू ही नहीं हुई है और सरकार ऐसी कोई भी वेबसाइट लेकर नहीं आई है। जिन लिंक को महिलाओं के बीच सर्कुलेट किया जा रहा है वह प्राइवेट एजेंसियों के बनाए हुए अनाधिकृत लिंक हैं। किसी भी सरकारी योजना के आवेदन की लिंक के आखिर में gov.in लिखा होता है, लेकिन वायरल हो रही फर्जी लिंक में ऐसा नहीं है। पिछले सप्ताह सरगुजा के एक चॉइस सेंटर में महिलाओं से महतारी वंदन योजना के फॉर्म भरवाने के नाम पर 30-30 रुपए लिए गए। सैकड़ों महिलाओं से फर्जी फॉर्म भरवा दिए गए । इसकी जानकारी जब नायब तहसीलदार अंकिता पटेल के पास पहुंची तो उन्होंने अपनी जांच टीम लेकर दबिश दी और फॉर्म जब्त किए।

सरगुजा के आराध्या च्वॉइस सेंटर को सील कर दिया गया। मौके पर सैकड़ों ऐसे फॉर्म मिले जिनमें महिलाओं की तस्वीर लगी हुई थी, उनकी पर्सनल जानकारी लिखी हुई। संचालनालय की ओर से कहा गया है कि महतारी वंदन योजना को लेकर विभाग की ओर से किसी भी तरह का कोई वेब पोर्टल विकसित नहीं किया गया है। योजना बन जाने पर आधिकारिक वेबसाइट पर जरूर आवेदन लिए जाएंगे। निर्देश में यह बात विभाग ने भी स्वीकारी है कि ऐसे अनेक प्रकरण प्रकाश में आए हैं जिनमें अनाधिकृत लोग महिलाओं से संपर्क कर महतारी वंदन योजना का लाभ दिए जाने के फॉर्म उपलब्ध करा रहे हैं।

रांची में 46 साल पुरानी झंडे की दुकान

85 साल के हो गए पिता अब बेटे संभाल रहे हैं कारोबार, झंडे सिलाई से लेकर रेडिमेड झंडों तक का सफर

रांची, 26 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी रांची में 46 सालों से तिरंगा बना रहे अब्दुल सत्तार के परिवार की दूसरी पीढ़ी अब इस कारोबार को संभाल रही है। अब्दुल के बेटे फैयाज आलम अब इस कारोबार को संभाल रहे हैं। वो अपने पिता के संघर्ष को याद कर बताते हैं कि इस कारोबार मेरे पिता ने खड़ा किया। रांची के अपर बाजार में इनकी दुकान है। इनके पास 5 रुपए से लेकर 700 रुपए तक का झंडा है। वह हमेशा इसी का कारोबार करते हैं और स्वतंत्र और गणतंत्र दिवस के साथ अन्य दिनों में भी यहां झंडा मिलता है। फैयाज बताते हैं कि पिता ने इसकी शुरुआत एक कारोबार के रूप में नहीं की थी।

कर्तव्य पथ पर निकली छत्तीसगढ़ की मनमोहक झांकी

बस्तर की आदिम जनसंसद मुरिया दरबार-लिमऊ राजा को देखते रह गए लोग

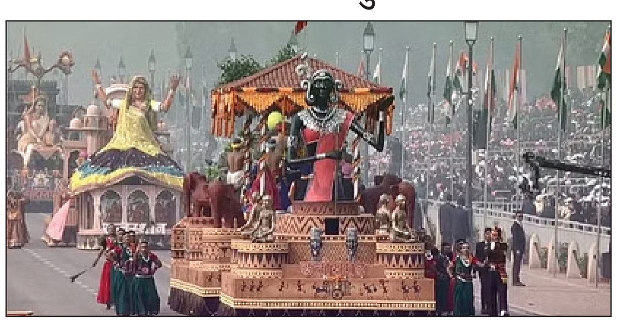

रायपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। नई दिल्ली के कर्तव्य पथ यानी राजपथ पर गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल छत्तीसगढ़ की झांकी बस्तर की आदिम जनसंसद मुरिया दरबार ने दर्शकों का मन मोह लिया। इस मनमोहक झांकी को जो भी देखा, बस देखते ही रह गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित देश के अनेक शीर्षस्थ लोग, विशिष्ट अतिथिगण और आम-नागरिक दर्शक-दीर्घा में उपस्थिति थे।

आज 75वें गणतंत्र दिवस के मौके पर कर्तव्य पथ पर तालियों की गड़गड़ाहट के बीच बस्तर की आदिम जनसंसद विषय पर केंद्रित छत्तीसगढ़ की झांकी नेसबका दिल जीत लिया। झांकी में जगदलपुर के मुरिया दरबार और बड़े डोंगर के लिमऊ राजा को मुख्य रूप से प्रदर्शित किया गया था।कर्तव्य पथ पर राज्यों की झांकियों की परेड में छत्तीसगढ़ की झांकी छठवें क्रम पर थी। उद्घोषणा में जनजातीय समाज मे आदिम काल से उपस्थित लोकतांत्रिक चेतना और विषय वस्तु की प्राचीनता के बारे में जब बताया गया तो दर्शकों का कौतुहल बढ़ गया। उन्होंने तालियां बजाकर सराहना की। झांकी के समक्ष छत्तीसगढ़ के लोक कलाकारों ने मांदर की थाप और बांसुरी की धुन पर परब नृत्य का प्रदर्शन किया। छत्तीसगढ़ की झांकी भारत सरकार की थीम 'भारत लोकतंत्र की जननी' पर आधारित है। 'बस्तर की आदिम जनसंसद मुरिया दरबार' विषय पर बनी झांकी में जनजातीय समाज के सांस्कृतिक सौंदर्य और कलाधर्मिता को भी दर्शाया गया था। मुरिया दरबार विश्व-प्रसिद्ध बस्तर दशहरे की एक परंपरा है, जो 600 सालों से निरंतर जारी है। कोंडागांव जिले के बड़े-डोंगर के लिमऊ-राजा नामक स्थान पर भी आदिम लोकतांत्रिक चेतना के प्रमाण मिलते हैं। इस स्थान से जुड़ी लोककथा के अनुसार आदिम-काल में जब कोई राजा नहीं था, तब आदिम-समाज एक नीबू को राजा का प्रतीक मानकर आपस में ही निर्णय ले लिया करता था। प्रदेश की इस झांकी के विषय चयन एवं प्रस्तुतिकरण के लिए राज्य शासन ने जनसंपर्क विभाग को जिम्मेदारी दी थी। विषयों पर व्यापक शोध एवं अन्वेषण के बाद वरिष्ठ अधिकारियों एवं विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में झांकी को तैयार किया गया था। छत्तीसगढ़ की झांकी भारत सरकार की थीम 'भारत लोकतंत्र की जननी' पर आधारित थी। यह झांकी जनजातीय समाज में आदि-काल से उपस्थित लोकतांत्रिक चेतना और परंपराओं को दर्शाती है, जो आजादी के 75 साल बाद भी राज्य के बस्तर संभाग में जीवंत और प्रचलित है। इस झांकी में केंद्रीय विषय आदिम जन-संसद के अंतर्गत जगदलपुर के मुरिया दरबार और कोंडागांव जिले के बड़े डोंगर में स्थित लिमऊ-राजा को दर्शाया गया था।

छत्तीसगढ़ से 3 हस्तियों को पद्मश्री सम्मान

रायपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर गुरुवार को पद्म पुरस्कारों का ऐलान किया गया। इनमें छत्तीसगढ़ से भी तीन लोगों को पद्मश्री अवॉर्ड मिलेगा। जशपुर के जागेश्वर यादव, रायगढ़ के रामलाल बरेठ और नारायणपुर के हेमचंद मांझी को पद्मश्री सम्मान से नवाजा जाएगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर के जागेश्वर यादव को फोन पर बधाई भी दी है। देश की कुल 34 हस्तियों को अवॉर्ड दिया गया है। इससे पहले 23 जनवरी को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने का ऐलान भी किया गया।

पद्मश्री सम्मान प्राप्त करने वालों में छत्तीसगढ़ से एक और विभूति का नाम शामिल हुआपंडित रामलाल बरेठ को कला के क्षेत्र में पद्मश्री सम्मान मिला है। रायगढ़ जिले के राम लाल बरेठ कथक के नर्तक हैं ,पूर्व में इन्हें अकादमी पुरस्कार से भी नवाजा जा चुका है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बरेठ को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

बिलासपुर संभाग के रायगढ़ जिले के रहने वाले पंडित रामलाल बरेठ को कला के क्षेत्र में पद्मश्री सम्मान से नवाजा गया है। बरेठ कथक के उम्दा नर्तक हैं।

आईआईआईटी समेत छत्तीसगढ़ के 11 विश्वविद्यालय डिफॉल्टर घोषित

आईआईआईटी समेत छत्तीसगढ़ के 11 विश्वविद्यालय डिफॉल्टर घोषित

रायपुर/ अंबिकापुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी ने छत्तीसगढ़ के कई नामी-गिरामी विश्वविद्यालयों को डिफाल्टर की सूची में डाला है। राजधानी रायपुर के तीन विश्वविद्यालय समेत प्रदेश के कुल 11 सरकारी विश्वविद्यालय डिफाल्टर घोषित किए गए हैं। जानकारी के अनुसार, इन विश्वविद्यालयों ने यूजीसी की गाइडलाइन का पालन नहीं किया है, जिसके बाद इन सबको डिफाल्टर सूची में डाला गया है। यूजीसी ने इस संबंध में इन यूनिवर्सिटीज को फाइनल रिमाइंडर जारी किया है। यूजीसी ने जारी निर्देश में कहा कि विश्वविद्यालय जल्द ही संस्थान में लोकपाल की नियुक्ति कराएं ताकि विद्यार्थियों से संबंधित प्रकरणों को आसानी से सुलझाया जा सके। जो विश्वविद्यालय डिफाल्टर सूची में शामिल हैं, उन्हें यूजीसी ने 31 जनवरी 2024 तक लोकपाल की नियुक्त करने के निर्देश दिए हैं।

छत्तीसगढ़ के ये विश्वविद्यालय डिफाल्टर सूची में शामिल

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर

आयुष विश्वविद्यालय, रायपुर छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ कामधेनू विश्वविद्यालय, अंजोरा दुर्ग

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर

इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी, नया रायपुर

महात्मा गांधी उद्यानिकी विश्वविद्यालय, पाटन

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, रायगढ़

कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय रायपुर

झारखंड की चामी मुर्मू को पद्मश्री, 30 लाख पौधे लगाए

सरायकेला-खरसावां, 26 जनवरी (एजेंसियां)। पद्म पुरस्कार का ऐलान कर दिया गया है। इस बार भी पद्म पुरस्कार में झारखंड को जगह मिली है। इस बार यह सम्मान 52 साल की चामी मुर्मू और तीरंदाज पूर्णिमा महतो को मिला है। सरायकेला-खरसावां जिले की रहने वाली आदिवासी महिला चामी मुर्मू ने पर्यावरण और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में काम किया है। 3,000 महिलाओं के साथ मिलकर चामी ने 30 लाख से अधिक पेड़ लगाए। झारखंड की लेडी टार्जन के नाम से जानी जाने वाली चामी को पर्यावरण संरक्षण में उनके योगदान के लिए समाज सेवा के क्षेत्र में पद्म श्री पुरस्कार मिला है तो पूर्णिमा को खेल क्षेत्र में यह सम्मान दिया गया है।

चामी ने 30 लाख पौधे लगाए हैं और 3 हजार महिलाओं को इस अभियान में जोड़ा है। 30 हजार से अधिक महिलाओं को समूह में जोड़ा है उन्हें आत्मनिर्भर बनाया है। उन्होंने अपने एनजीओ सहयोगी महिला के माध्यम से महिलाओं को कुपोषण, एनिमिया सहित कई बीमारियों को लेकर भी लोगों को जागरूक किया है।

गणतंत्र दिवस पर गदर के गाने पर झूमे रूसी डिप्लोमैट्स

इजराइली राजदूत ने कुर्ता-धोती पहनकर बधाई दी, अमेरिकी दूतावास में तिरंगा रंगोली बनी

यरुशलम, 26 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के 75वें गणतंत्र दिवस के मौके पर नई दिल्ली में मौजूद अलग-अलग देशों की ऐंबैसी ने अनोखे ढंग से गणतंत्र दिवस की बधाई दी। रूसी दूतावास ने एक वीडियो के जरिए बधाई संदेश दिया। इसमें ऐंबैसी स्टाफ, उनके परिजन और बच्चे प्रोफेश्नल डांसर्स के साथ गदर फिल्म के गाने 'मैं निकला, गड्डी ले के' पर थिरकते नजर आए।

इसके अलावा अमेरिकी ऐंबैसी ने खास तरह से भारत को बधाई दी। दूतावास के वीडियो में डिप्लोमैट्स, स्टाफ और उनके परिजन रंगोली बनाते और बच्चे तिरंगा लहराते नजर आए। वहीं इजराइली डिप्लोमैट्स ने भी पारंपरिक भारतीय पोशाक में भारत को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं।

इजराइली ऐंबैसी ने भी सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किया। इसमें इजराइली राजदूत नाओर गिलोन ने कुर्ता-धोती पहनकर भारत को बधाई दी। इसके अलावा दूतावास की महिला डिप्लोमैट्स ने भी साड़ी पहनकर गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। जापान, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के दूतावासों ने भी इस खास दिन पर बधाई दी।

वहीं अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने भी रिपब्किल डे के मौके पर भारत की जनता को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा- मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में हमारे रिश्ते और मजबूत होंगे। मैं भारत को जी20 शिखर सम्मेलन की सफलता की भी बधाई देता हूं। हमारी साझेदारी ही हमारे रिश्तों की मजबूती है।

ब्रिटेन के किंग चार्ल्स ने इस मौके पर राष्ट्रपति को शुभकामनाएं देते हुए मैसेज भेजा। उन्होंने कहा- मैं अपनी पत्नी के साथ इस खास मौके पर आपको और भारत के लोगों को बधाई देता हूं। यह मौका हमारे उन साझा मूल्यों की याद दिलाता है, जिसने हमें जोड़ रखा है। मुझे भरोसा है कि आने वाले समय में दोनों देशों के बीच रिश्ते और मजबूत होंगे। मैं उम्मीद करता हूं कि दोनों देश वैश्विक चुनौतियों का मिलकर सामना करते रहेंगे।

ऑस्ट्रेलिया भी आज मनाता है राष्ट्रीय दिवस

इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भी भारत के लोगों के लिए बधाई संदेश भेजा। उन्होंने कहा- हमारे साझा राष्ट्रीय दिवसों का दिन हमें दोस्ती का जश्न मनाने का एक और मौका देता है।दरअसल, ऑस्ट्रेलिया भी आज ही अपना राष्ट्रीय दिवस मनाता है। अल्बनीज ने आगे कहा- दोनों देशों और यहां के लोगों के बीच गहरे रिश्ते हैं। हमारा भविष्य उज्ज्वल है। हम साथ मिलकर इस क्षेत्र और इंडो-पैसेफिक की सुरक्षा के लिए काम करते रहेंगे।

रिपब्लिक डे से एक दिन पहले रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने भी भारत और प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ की। उन्होंने कहा- पीएम मोदी की लीडरशिप की वजह से भारत में तेजी से आर्थिक विकास हो रहा है। भारत अपनी विदेश नीति को लेकर स्पष्ट है।

भारत से सीमा विवाद द्विपक्षीय रिश्तों की पूरी तस्वीर नहीं

सीमा मुद्दे को समग्र संबंधों से जोड़ना नासमझ

बीजिंग, 26 जनवरी (एजेंसियां)। चीन की सेना ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत के साथ सीमा विवाद एक विरासती मुद्दा है। सीमा मुद्दे को समग्र संबंधों से जोड़ना एक नासमझी है, क्योंकि यह द्विपक्षीय संबंधों की पूरी तस्वीर का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। यह दोनों देशों के साझा हितों के खिलाफ भी है। चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता वरिष्ठ कर्नल वू कियान ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि पिछले तीन वर्षों में, चीन और भारत ने सैन्य और राजनयिक चैनलों के माध्यम से संचार और समन्वय बनाए रखा है। दोनों सेनाओं ने कोर कमांडर स्तर पर 20 दौर की बैठकें की और सीमा पर तनाव कम करने में योगदान देने वाले चार बिंदुओं मुख्य रूप से गलवां घाटी, पैंगोंग झील, हॉट स्प्रिंग्स और जियानन डाबन से सैनिकों को हटाने पर सहमति व्यक्त की। वू कियान ने कहा, हमें उम्मीद है कि भारतीय पक्ष रणनीतिक रूप से आपसी विश्वास को बढ़ाने, मतभेदों को ठीक से संभालने और सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति की रक्षा के लिए चीनी पक्ष के साथ काम करेगा।

मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू ने गणतंत्र दिवस की बधाई दी

कहा- भारत-मालदीव में सदियों पुरानी दोस्ती, उम्मीद है यह और मजबूत होगी

माले, 26 जनवरी (एजेंसियां)। मालदीव से जारी तनाव के बीच राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भारत को गणतंत्र दिवस की बधाई दी है। पीएम मोदी और राष्ट्रपति मुर्मू के नाम अपने संदेश में मुइज्जू ने लिखा- मैं भारत सरकार और वहां के नागरिकों को इस मौके पर शुभकामनाएं देता हूं।

मुइज्जू ने कहा- मैं उम्मीद करता हूं कि भारत और मालदीव के बीच सदियों से चला आ रही दोस्ती आने वाले समय में और मजबूत होगी। मैं भविष्य में भारत सरकार और लोगों के लिए लगातार शांति और विकास की कामना की। भारत के 75वें गणतंत्र दिवस के मौके पर नई दिल्ली में मौजूद अलग-अलग देशों की ऐंबैसी ने अनोखे ढंग से गणतंत्र दिवस की बधाई दी। रूसी दूतावास ने एक वीडियो के जरिए बधाई संदेश दिया। इसमें ऐंबैसी स्टाफ, उनके परिजन और बच्चे प्रोफेश्नल डांसर्स के साथ गदर फिल्म के गाने 'मैं निकला, गड्डी ले के' पर थिरकते नजर आए।

इसके अलावा अमेरिकी ऐंबैसी ने खास तरह से भारत को बधाई दी। दूतावास के वीडियो में डिप्लोमैट्स, स्टाफ और उनके

परिजन रंगोली बनाते और बच्चे तिरंगा लहराते नजर आए। वहीं इजराइली डिप्लोमैट्स ने भी पारंपरिक भारतीय पोशाक में भारत को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। इजराइली ऐंबैसी ने भी सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किया। इसमें इजराइली राजदूत नाओर गिलोन ने कुर्ता-धोती पहनकर भारत को बधाई दी। इसके अलावा दूतावास की महिला डिप्लोमैट्स ने भी साड़ी पहनकर गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। जापान, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के दूतावासों ने भी इस खास दिन पर बधाई दी। वहीं अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने भी रिपब्किल डे के मौके पर भारत की जनता को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा- मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में हमारे रिश्ते और मजबूत होंगे। मैं भारत को जी20 शिखर सम्मेलन की सफलता की भी बधाई देता हूं। हमारी साझेदारी ही हमारे रिश्तों की मजबूती है।

ब्रिटेन के किंग चार्ल्स ने इस मौके पर राष्ट्रपति को शुभकामनाएं देते हुए मैसेज भेजा। उन्होंने कहा- मैं अपनी पत्नी के साथ इस खास मौके पर आपको और भारत के लोगों को बधाई देता हूं। यह मौका हमारे उन साझा मूल्यों की याद दिलाता है, जिसने हमें जोड़ रखा है। मुझे भरोसा है कि आने वाले समय में दोनों देशों के बीच रिश्ते और मजबूत होंगे। मैं उम्मीद करता हूं कि दोनों देश वैश्विक चुनौतियों का मिलकर सामना करते रहेंगे। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भी भारत के लोगों के लिए बधाई संदेश भेजा। उन्होंने कहा- हमारे साझा राष्ट्रीय दिवसों का दिन हमें दोस्ती का जश्न मनाने का एक और मौका देता है।

भारतवंशी युवक ने मजाक में कहा था-विमान उड़ा दूंगा

स्पेन की कोर्ट ने किया मुकदमा, सुरक्षा के लिए फाइटर जेट भेजने पड़े थे

मद्रिद, 26 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय मूल के ब्रिटिश युवक आदित्य वर्मा को एक फ्लाइट को लेकर मजाक करना भारी पड़ गया। उसके खिलाफ अब स्पेन मुकदमा चल रहा है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, आदित्य ने जुलाई 2022 में अपने दोस्तों के साथ मजाक करते हुए स्नैपचैट पर एक ग्रुप में मैसेज किया कि वो तालिबान के साथ है और विमान में विस्फोट करने जा रहा है।

आदित्य ने ये मैसेज उस वक्त किया जब वो मिनोर्का आइलैंड जा रहा था और उसका विमान गैटविक एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाला था। बीबीसी के मुताबिक आदित्य के मैसेज भेजते ही ब्रिटेन की सिक्योरिटी सर्विसेज ने स्पेनिश अधिकारियों को सतर्क कर दिया, इस वक्त विमान भी हवा में था।

फ्लाइट लैंड होते ही आदित्य को गिरफ्तार किया

आदित्य वर्मा की फ्लाइट जैसे ही स्पेन में लैंड हुई, उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसे 2 दिन हिरासत में रखा गया। जब वो वापस ब्रिटेन पहुंचा तो वहां की खुफिया एजेंसी एमआई1 और एमआई6 ने पूछताछ की।

सोमवार को स्पेन के मैड्रिड में एक अदालत में पेश होना पड़ा। सुनवाई के दौरान उसने कहा कि उसके मजाक का मकसद किसी को संकट में डालना या नुकसान पहुंचाना नहीं था। मैड्रिड कोर्ट में हुई सुनवाई के मुताबिक, आदित्य ने गैटविक एयरपोर्ट के वाई-फाई से मैसेज किया था, इससे सबकी चिंता बढ़ गई थी। फ्लाइट के बगल में दो स्पेनिश एफ-18 लड़ाकू विमान तैनात किए गए थे।

मदद लेने के लिए जमा हुए लोगों पर इजराइली सेना की फायरिंग, 15 की मौत

गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय

गाजा पट्टी, 26 जनवरी (एजेंसियां)। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने इजराइली बलों पर गाजा पट्टी में मानवीय सहायता प्राप्त करने के लिए एकत्र हुए फलस्तीनियों की भीड़ पर गोलीबारी करने का आरोप लगाया है। मंत्रालय की ओर से कहा है कि इस हमले में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और करीब 150 लोग घायल हुए है। इजराइली सेना ने घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि वह इस घटना संबंधी रिपोर्ट की जांच कर रही है। एपी ने इस घटना की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की है।

प्रत्यक्षदर्शियों और स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि गोलीबारी गाजा सिटी के दक्षिण में एक गोलचक्कर पर हुई, जहां बंट रही खाद्य सामग्री को लेने के लिए भीड़ एकत्र थी। ऑनलाइन उपलब्ध फुटेज में गोल चक्कर के पास मुख्य सड़क पर सैकड़ों लोग गोलीबारी की आवाज के बीच भागते नजर आ रहे हैं और

लोगों के हाथ में राहत सामग्री है। शिफा अस्पताल में घायलों का इलाज किया जा रहा है। गोलीबारी में घायल होने के बाद अस्पताल में भर्ती मोहम्मद अल रफी ने कहा कि इजराइली सैनिकों ने भीड़ पर गोलीबारी की। रफी ने बताया कि वह आटा लेने जा रहे थे। उसने कहा कि इस हमले में कई युवा हताहत हो गए हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता अशरफ अल किद्रा ने कहा कि गोलीबारी में 20 लोग मारे गए और 150 अन्य लोग घायल हो गए। गाजा में कई सहायता एजेंसियां भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुएं वितरित करती हैं। अभी यह पता नहीं चल सका है कि इस हमले के समय कौन सी एजेंसी राहत सामग्री वितरित कर रही थी। फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी-यूएनआरडब्ल्यूए और संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम दोनों ने कहा है कि हमले के समय वे राहत सामग्री नहीं बांट रहे थे।

हमास ने इजराइल पर सात अक्टूबर को हमला कर करीब 1,200 लोगों की जान ले ली थी और करीब 250 अन्य लोगों को बंदी बना लिया था। इसके बाद इजराइल ने हमास को खत्म करने के संकल्प के साथ गाजा पर हमला किया। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजराइल के हमले में अब तक 25,900 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

लेखिका से दुष्कर्म मामले में डोनाल्ड ट्रंप की हुई गवाही

वॉशिंगटन, 26 जनवरी (एजेंसियां)। गुरुवार को दुष्कर्म के मामले में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गवाही हुई। यह गवाही न्यू हैंपशायर कॉकस में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद हुई। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए ट्रंप ने आरोप लगाए कि उनके खिलाफ चल रहे मामले राजनीति से प्रेरित हैं और इनके पीछे डेमोक्रेटिक सरकार का हाथ है। ट्रंप ने कहा कि उन्हें व्हाइट हाउस में वापस आने से रोकने के लिए यह सब किया जा रहा है।

लेखिका जीन कैरोल ने डोनाल्ड ट्रंप पर दुष्कर्म के आरोप लगाए थे। जीन कैरोल ने मानहानि का यह मुकदमा न्यूयॉर्क की फेडरल कोर्ट में दायर किया था, जिसके एवज में डोनाल्ड ट्रंप से एक करोड़ डॉलर मुआवजे की मांग की थी। गुरुवार को इसी मामले में ट्रंप की कोर्ट में गवाही हुई। शुक्रवार को भी इस मामले में सुनवाई होगी। जीन कैरोल ने आरोप लगाया था कि 1990 के दशक में ट्रंप ने मैनहट्टन के बर्गडॉर्फ गुडमैन डिपार्टमेंटल स्टोर के ड्रेसिंग रूम में उनके साथ दुष्कर्म किया था।

डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ कई आपराधिक मामले चल रहे हैं, जिनमें साल 2020 के चुनाव नतीजों में धांधली के आरोप और एक नागरिक धोखाधड़ी का मामला शामिल है।

नागरिक धोखाधड़ी मामले में ट्रंप पर आरोप हैं कि उन्होंने बैंकों से लोन लेने के लिए अपने वित्तीय विवरण में अपनी संपत्तियों की कीमत ज्यादा दर्शायी थी। डोनाल्ड ट्रंप पर 6 जनवरी को यूएस कैपिटल में हुए दंगे के लिए लोगों को उकसाने के भी आरोप लगे हैं। ट्रंप पर गोपनीय दस्तावेजों के कथित दुरुपयोग का भी मामला चल रहा है।

आपराधिक मामलों का सामना कर रहे ट्रंप पर कोलोराडो और मेन राज्य में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित कर दिया गया है।

अमेरिका में पहली बार नाइट्रोजन से मौत की सजा

वॉशिंगटन, 26 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के अलबामा राज्य में एक शख्स केनेथ स्मिथ को नाइट्रोजन गैस से मौत की सजा दी गई है। स्मिथ ने इस सजा से बचने के लिए गुरुवार देर रात अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट में लास्ट मिनट अपील की थी, जिसे खारिज कर दिया गया था। इसके बाद अमेरिका में नाइट्रोजन गैस से मौत की सजा दिए जाने का ये पहला मामला है।

अमेरिकी मीडिया हाउस सीएनएन के मुताबिक स्मिथ को 1988 में हुई एक हत्या का दोषी पाया गया था। एक पादरी ने स्मिथ से अपनी पत्नी की हत्या कराई थी। 2022 में स्मिथ को जहरीला इंजेक्शन देकर सजा देने की कोशिश की गई, लेकिन वो बच गया था। नाइट्रोजन गैस से सजा-ए-मौत का समर्थन करने वाले लोगों का कहना है कि इसे बिना दर्द हुए जान जाती है। जबकि यूएन और दूसरे एक्सपर्ट्स का मानना है कि नाइट्रोजन गैस से इंसान तड़प-तड़प कर मरता है।

अलाबामा के जेल अधिकारियों के मुताबिक सबसे पहले स्मिथ को एक चेंबर में ले जाकर स्ट्रेचर पर बांधा गया। उसके मुंह पर एक इंडर्स्ट्रियल मास्क पहनाया गया, इसमें नाइट्रोजन गैस छोड़ी गई।

इसे सूंघते ही ये गैस पूरे शरीर में फैल गई और शरीर के सारे हिस्सों ने काम करना बंद कर दिया। इससे स्मिथ की मौत हो गई। मास्क पहना कर नाइट्रोजन गैस सुंघाने से उल्टी भी हो सकती है, इससे मौत की सजा देने की प्रक्रिया बाधित हो सकती है। स्मिथ के वकील ने भी ये दलील दी थी। इससे बचने के लिए जेल अधिकारियों ने स्मिथ को सुबह दस बजे के बाद कुछ भी खाने को नहीं दिया। नाइट्रोजन गैस सुंघा कर मौत की सजा देना, मुंह को प्लास्टिक से ढंककर जान लेने जैसा है। फर्क सिर्फ इतना है कि इसमें नाइट्रोजन की बजाय कार्बन डाइऑक्साइड से मौत होती है।

अमेरिका ने पाकिस्तान को दिया झटका

भारत पर लगाए हत्या के आरोपों का नहीं दिया कोई जवाब

इस्लामाबाद, 26 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी विदेश विभाग ने पाकिस्तान के भारत लगाए हत्याओं के आरापों पर जवाब देने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान ने 2023 में सियालकोट और रावलकोट में दो पाकिस्तानी नागरिकों की हत्या में भारत की संलिप्तता का आरोप लगाया है। पाकिस्तान के जियो टीवी ने इस मामले में अमेरिकी विदेश विभाग से संपर्क कर प्रतिक्रिया मांगी थी। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि इस पर वह कुछ नहीं कहेंगे। अमेरिका का ये रुख दो नागरिकों की हत्या के आरोप लगाकर भारत पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाने की कोशिश में जुटे पाकिस्तान के लिए ये बड़ा झटका है। अमेरिका और कनाडा भारत पर इसी तरह के आरोप लगा चुके हैं, अब इसी तरह के इल्जाम पाकिस्तान भी भारत पर लगाकर

दबाव बनाने की कोशिश करता दिख रहा है।

पाकिस्तान के विदेश सचिव मुहम्मद साइरस सज्जाद काजी ने गुरुवार को भारत पर दो नागरिकों की हत्या के गंभीर आरोप लगाए हैं। काजी ने कहा, बीते साल 11 अक्टूबर को शाहिद लतीफ की सियालकोट में एक मस्जिद के बाहर हत्या कर दी गई थी। इसके बाज मुहम्मद रियाज की 8 सितंबर को रावलकोट में एक मस्जिद के अंदर हत्या कर दी गई थी। एजेंसियों को इन दोनों हत्याओं की जांच में भारतीय एजेंटों का हाथ होने के सबूत मिले हैं। पाकिस्तान के विदेश सचिव ने आरोप लगाया कि योगेश कुमार नाम के एक भारतीय एजेंट ने इस हत्या का षडयंत्र रचा, वो किसी तीसरे देश में रह रहा है। उसने मोहम्मद उमेर नाम के एक व्यक्ति को इसके लिए सुपारी दी।

दो पाकिस्तानी नागरिकों की हत्या करवाने के पाकिस्तान के आरोपों को भारत के विदेश मंत्रालय ने बेबुनियाद कहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तान के विदेश सचिव का बयान भारत विरोधी झूठा प्रोपेगेंडा चलाने का उनका एक नया प्रयास है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, पाकिस्तान लंबे समय से आतंकवाद, संगठित अपराध और अवैध गतिविधियों का गढ़ रहा है। भारत समेत कई देशों ने सार्वजनिक तौर पर पाकिस्तान को चेताया है कि इस आतंकवाद और हिंसा की अपनी प्रकृति का शिकार वह खुद होगा। आज वही हो रहा है और अब अपने गलत कामों के लिए वह दूसरों पर आरोप मढ रहा है, जो किसी भी तरह से जायज नहीं है।

पाकिस्तानी पीएम काकर की गीदड़भभकी

बोले- ईरान पर हमारी जवाबी कार्रवाई में भारत के लिए भी संदेश

इस्लामाबाद, 26 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवरुल हक काकर ने कहा है कि ईरान को जिस तरह से पाकिस्तान ने जवाब दिया, उसका वो भारत को भी एक साफ मैसेज गया है। काकर ने एक न्यूज चैनल से बातचीत में कहा कि ईरान की ओर से जिस तरह से पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र के उल्लंघन किया गया, उसके बाद पाकिस्तानी सेना के पास ईरान को जवाब देने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता था। पाकिस्तान ने इसकी प्रतिक्रिया में एक मजबूत जवाब दिया, ये निश्चित रूप से भारत और पूरे क्षेत्र के लिए एक संदेश है। ईरान ने बीते हफ्ते बलूचिस्तान में एक आतंकवादी संगठन को निशाना बनाने का दावा करते हुए हवाई हमले किए थे। इस पर पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने कड़ी प्रतिक्रिया करते हुए अस्वीकार्य करार दिया और देश की संप्रभुता का उल्लंघन बताया। पाकिस्तान की सेना ने भी दो दिन बाद 18 जनवरी को ईरानी सीमा के अंदर आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया। इससे पाकिस्तान और ईरान के बीच तनातनी भी काफी बढ़ गई थी। इसी पर अब पाकिस्तान के पीएम की ओर से ये बयान आया है। जिसमें उन्होंने भारत का नाम भी घसीट लिया है।

काकर ने ईरान को वापसी प्रतिक्रिया का क्रेडिट पाक सेना प्रमुखअसीम मुनीर को दिया। काकर ने कहा कि यह एक कठिन निर्णय था क्योंकि हम भारत की ऐसी कार्रवाई पर तुरंत प्रतिक्रिया देने के लिए बहुत स्पष्ट हैं लेकिन पाकिस्तान का ईरान के साथ कोई सीमा विवाद नहीं है। पूरी दुनिया पाकिस्तान की ओर देख रही थी कि हम इस तरह के उल्लंघनों पर कैसे प्रतिक्रिया देते हैं।

ईडी के नौवें समन का जवाब-31 मार्च तक व्यस्त हूं

हेमंत सोरेन ने कहा-फिलहाल पूछताछ मुमकिन नहीं, एजेंसी ने 31 जनवरी तक मांगा था समय

रांची, 26 जनवरी (एजेंसियां)। जमीन घोटाला मामले में ईडी के 9 वें समन के जवाब में हेमंत सोरेन ने पूछताछ में शामिल होने पर असमर्थता जताई। 31 मार्च तक उनकी व्यस्तता है और इस वजह से वे पूछताछ के लिए उपलब्ध नहीं हो पाएंगे।

सूत्रों के अनुसार गुरुवार को ईडी को भेजी हुई चिट्ठी में विधानसभा के आगामी बजट सत्र सहित अन्य आवश्यक कार्यों में सीएम ने अपनी व्यस्तता का हवाला दिया है। फिलहाल पूछताछ के लिए समय देने में असमर्थता जताई है।

ईडी ने 20 जनवरी को सीएम आवास पर आकर पूछताछ की थी। उसी वक्त संभावना जताई थी कि अभी और पूछताछ हो सकती है। जिसके बाद 23 जनवरी को प्रवर्तन निदेशालय ने सीएम को समन भेजा था। जिसमें ईडी ने सीएम को 27-31 जनवरी के बीच पूछताछ के लिए समय और स्थान बताने को कहा था। सीएम हेमंत सोरेन से 20 जनवरी को पूछताछ हो चुकी है। इस दिन ईडी के अधिकारियों ने उनसे साढ़े सात घंटे पूछताछ की थी। पूछताछ के बाद कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के दौरान सीएम हेमंत सोरेन ने यह कहा था कि मैंने सभी सवालों के जवाब दिए हैं। आगे भी अगर ईडी पूछताछ करना चाहती है, तो वे जवाब देने को तैयार हैं।

20 जनवरी को हुई पूछताछ के दौरान उनसे उनकी आमदनी के स्रोत के अतिरिक्त आयकर रिटर्न में दिए गए ब्योरे से संबंधित सवाल किए थे। यह पूछताछ मुख्य तौर पर डीएवी बरियातू के पीछे स्थित 8.46 एकड़ जमीन से जुड़ी हुई थी। उक्त जमीन के अलावा दूसरे मामले से संबंधित सवाल भी पूछे गए थे। ईडी के अधिकारियों की ओर से तमाम सवालों पर सीएम के बयान दर्ज नहीं किए जा सके थे।

गोलीबारी में 50 की मौत

अबुजा, 26 जनवरी (एजेंसियां)। नाइजीरिया में कुछ बंदूकधारियों ने दो दिन में पचास लोगों की हत्या कर दी। बंदूकधारियों ने कई घरों में आग भी लगा दी है। घटना देश के उत्तर-मध्य पठारी राज्य की है। मीडिया रिपोर्ट ने बताया कि क्षेत्र में 24 घंटे का कर्फ्यू लगाया गया है। अधिकारियों से आग्रह किया गया है कि खानाबदोश पशुपालकों और कृषक समुदायों के बीच हिंसा को समाप्त कराए। हालांकि, अब तक किसी भी संगठन ने इन हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली है। राज्य में पिछले माह ही एक हमले में 140 लोगों की मौत हो गई थी।

ब्रिटेन के प्रसिद्ध वकील अजीत मिश्रा को मिला यह पुरस्कार

ब्रिटेन में भारतीय मूल के प्रसिद्ध वकील अजीत मिश्रा को कानूनी व सार्वजनिक जीवन में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित फ्रीडम ऑफ द सिटी ऑफ लंदन अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यूके इंडिया लीगल पार्टनरशिप (यूकेआईएलपी) के संस्थापक और अध्यक्ष मिश्रा को 23 जनवरी को यह पुरस्कार प्रदान किया गया। वह नाइट्स में दोहरे योग्य वकील और कॉपरिट पार्टनर हैं। लंदन कॉरपोरेशन के नीति अध्यक्ष क्रिस हेबर्ड और नागरिक मामलों की समिति के उपाध्यक्ष श्रवण जोशी ने मिश्रा को प्रतिष्ठित मान्यता के लिए नामित किया। अमेरिका में कोरोना की दवा का गैरकानूनी व्यापार करके अवैध लाभ कमाने के मामले में भारतीय मूल के पूर्व फाइजर कर्मचारी अमित डागर को दोषी करार दिया है। आरोपी पर फार्मास्यूटिक कंपनी द्वारा दवाओं का क्लीनिकल परीक्षण नतीजों के बारे में जानकारी के आधार पर गैरकानूनी व्यापार करके अवैध लाभ कमाने का आरोप है। दो सप्ताह की सुनवाई के बाद न्यूजर्सी के रहने वाले अमित डागर को दोषी ठहराया गया।

दक्षिण कोरिया में सत्ताधारी पार्टी की महिला सांसद बाए ह्युनजिन एक अज्ञात व्यक्ति के हमले में घायल हो गईं। उन्हें सियोल के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमलावर ने सांसद के सिर पर पत्थर जैसी वस्तु से हमला किया था।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की गणतंत्र दिवस पर शुभकामनाएं

जयपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह राष्ट्रीय पर्व हमें हमारे महान संविधान निर्माताओं की याद दिलाने के साथ संविधान के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि हमें हमारे देश की गौरवशाली संस्कृति को बनाए रखने के लिए समावेशी एवं राष्ट्रहितैषी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा।

शर्मा ने कहा कि संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करना देश के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पावन अवसर पर हमें भेदभाव की भावना से ऊपर उठकर देशहित, सामाजिक समरसता, सौहार्द्र, संवेदनशीलता और भाईचारे की भावना को आत्मसात करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों का आह्वान किया कि हम सभी प्रगति के पथ पर आगे बढ़ें तथा देश की अखण्डता को बनाए रखने का संकल्प लें।

राज्य मंत्री देवासी ने किया ध्वजारोहण

धूमधाम से मनाया गया जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह, स्कूली बच्चों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

सिरोही, 26 जनवरी (एजेंसियां)। जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह शहर के अरविंद पैवेलियन में राज्य मंत्री ओटाराम देवासी के मुख्य अतिथि में मनाया गया। समारोह में 12 स्कूलों के करीब 1000 छात्र- छात्रों ने एक साथ व्यायाम प्रदर्शन किया। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 45 लोगों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि देवासी ने ध्वजारोहण कर परेड का निरीक्षण किया और मार्च पास्ट की सलामी ली। मार्च पास्ट में राजस्थान सशस्त्र पुलिस बल, राजस्थान पुलिस, राजस्थान महिला पुलिस, राजस्थान गृह रक्षा दल, सीनियर डिवीजन एनसीसी और सीनियर विंग एनसीसी, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिरोही सहित कई स्कूल के बच्चों ने भाग लिया। अतिरिक्त कलेक्टर डॉ. भास्कर बिश्नोई ने राज्यपाल के संदेश का पठन किया। छात्राओं ने सामूहिक नृत्य, देशभक्ति और लोकगीत से उत्तर प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर विभिन्न विभागों ने अपनी-अपनी झांकियां प्रस्तुत की।

मुख्य समारोह से पहले कलेक्टर शुभम चौधरी और एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी ने कार्यालय, सरकारी बंगले पर ध्वज फहराया। गणतंत्र दिवस समारोह देखने के लिए शहर भर के लोग पहुंचे।

आग में कूदीं बेटियां राज्यपाल के लिए डॉग लाया बुके

जयपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। 75वां गणतंत्र दिवस प्रदेशभर में आज जोश और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। मुख्य समारोह राजधानी जयपुर के एसएमएस स्टेडियम में हुआ। यहां राज्यपाल कलराज मिश्र ने झंडारोहण किया और परेड की सलामी ली।

यहां पुलिस के डॉग स्क्वॉयड, घुड़सवारों ने बेहतरीन करतब दिखाए। जिला स्तरीय कार्यक्रमों में भी बच्चों ने शानदार परफॉर्मेंस दी। चित्तौड़गढ़ में तो बेटियों ने फायर रिंग में से छलांग लगाकर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। इससे पहले आज सुबह मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ओटीएस और बड़ी चौपड़ पर ध्वजारोहण किया।

देश के असली हीरो ने रखा तिरंगे का मान

सेकंड्स में पोल पर चढ़कर दूर की रुकावट

जयपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। कहते हैं कि वन्स ए सोल्जर ऑल्वेज सोल्जर। यह सिर्फ कोरी कहावत नहीं है, देश के जांबाज एनएसजी कमांडो कानसिंह रूपावत ने आज गणतंत्र दिवस के मौके पर इस जज्बे को दिखा भी दिया। रवींद्र मंच पर झंडारोहण के समय पोल पर ध्वज अटक गया। इस पर कानसिंह ने कुछ ही सेकंड्स में हाथों के बल पोल पर चढ़ रुकावट दूर कर दी। जयपुर के रवींद्र मंच पर झंडारोहण के कार्यक्रम के दौरान पोल पर रस्सी से बंधा ध्वज अटक गया। इस पर यहां के ही गार्ड, जो एनएसजी में कैप्टन रह चुके हैं, बिना एक पल गंवाए हाथों के बल पोल पर चढ़ गए और उलझी रस्सी को खोल दिया। इसके बाद शान से तिरंगा फहराया गया, वहां मौजूद लोगों ने इस सैनिक की सम्मान में भी जमकर तालियां बजाईं। ये हमारी भारतीय सेना का अनुशासन है कि यहां से रिटायर होने के बाद भी पूर्व सैनिक भले ही कोई और जिम्मेदारी निभाए लेकिन हर पल उस अनुशासन और समर्पण की डोर से बंधे रहते हैं, जो उन्हें ट्रेनिंग में दी गई थी। इसके बाद कैप्टन कानसिंह से एक्सक्लूसिव बातचीत की। उन्होंने बताया कि वे थ्री ग्रेनेडियर में कैप्टन के पद से रिटायर हैं। इसके साथ ही वे एनएसजी के स्पेशल एक्शन ग्रुप का हिस्सा रहे हैं, जिनका काम काउंटर हाईजैकिंग का रहा है। उन्होंने साढ़े चार साल एनएसजी में काम किया है।

अपने कर्तव्य का इमानदारी से निर्वहन ही सच्ची देश सेवा : डॉ. समित शर्मा

जयपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। गणतंत्र दिवस के अवसर पर जल भवन स्थित जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मुख्यालय पर शासन सचिव, पीएचईड़ी डॉ. समित शर्मा ने झण्डारोहण किया। इस अवसर पर उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि हर अधिकारी-कर्मचारी अपने दायित्व का निर्वहन इमानदारी एवं निष्ठा के साथ करे यही देश की सच्ची सेवा है। उन्होंने कहा कि लोगों को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल नियमित रूप से मिले यह हम सभी का कर्तव्य है। टीम के रूप में सभी चुनौतियों का सामना करते हुए विभाग की विभिन्न पेयजल परियोजनाएं पूरी करें एवं नए कनेक्शन उपभोक्ताओं को आवेदन करने के सात दिन में मिलें इसके लिए पूरे प्रयास हों। डॉ. शर्मा ने कहा कि जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अभियंताओं-कर्मचारियों द्वारा पेयजल परियोजनाओं के माध्यम से आमजन तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है यह राष्ट्र निर्माण में हमारा महती योगदान है।

उन्होंने कर्मचारियों से कहा कि सभी समय पर आएं और समय पर जाएं। उत्साह एवं समर्पण भाव से कार्य करें एवं पीएचईडी मुख्यालय को स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखें। उन्होंने गणतंत्र दिवस समारोह में बड़ी संख्या में अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति पर खुशी जताई । कार्यक्रम की शुरूआत में एमडी जल जीवन मिशन बचनेश अग्रवाल ने समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों के निर्वहन का आह्वान किया।

इस अवसर पर विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने के अतिरिक्त मुख्य अभियंता अमिताभ शर्मा, अतिरिक्त मुख्य अभियंता अजय सिंह राठौड़, अधीक्षण अभियंता निरिल कुमार, अधिशाषी अभियंता नरेश बैरवा, जे. के. चारण, मोहन कंडेला, श्रीमती ज्योति जैन, भूपेन्द्र सैनी, विनय जैन, सहायक अभियंता शिवशंकर, सहायक लेखाधिकारी प्रभूलाल मीणा, प्रशासनिक अधिकारी सुशील शर्मा सहित अन्य को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सरकार के तानाशाहपूर्ण रवैये के खिलाफ बिगुल बजाएंगे : डोटासरा

जयपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा ने गणतंत्र दिवस के मौके ध्वजारोहण करने के बाद केंद्र सरकार, राज्य सरकार और भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि आज कांग्रेस के हम सब सिपाहियों ने संकल्प लिया है कि केंद्र सरकार के तानाशाहपूर्ण रवैये के खिलाफ बिगुल बजाएंगे। संविधान हमारे लिए गीता, बाइबल, कुरान सब कुछ है, उसकी अस्मिता को बचाने का संकल्प हमने लिया है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में सरकार बने डेढ़ से दो महीने गुजर चुके हैं लेकिन सरकार संविधान के मुताबिक नागरिकों के लिए काम नहीं करते हुए अपने ऊपर वालों को खुश करने में लगी हुई है। पिछली सरकार के सारे काम विकास कार्य रोक दिए गए हैं। कांग्रेस के तमाम नेता एवं कार्यकर्ता राजस्थान में भ्रमण करके कार्यक्रम आयोजित करेंगे और सरकार की कमियों को उजागर करेंगे।

आज सशक्त और समृद्ध नए भारत के साथ पूरी दुनिया हाथ मिलाती है : कर्नल राज्यवर्धन

सवाई माधोपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने शुक्रवार को राष्ट्रीय पर्व 75वें गणतंत्र दिवस पर पुलिस लाइन, परेड ग्राउंड में हुए जिला स्तरीय समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होकर ध्वजारोहण किया और मार्च पास्ट की सलामी ली। परेड का भी निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस बैंड द्वारा राष्ट्रगान धुन के साथ गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने राष्ट्रीय पर्व की शुभकामनाएं दीं और अमर बलिदानियों, संविधान निर्माताओं व स्वतंत्रता सेनानियों का स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्य अतिथि द्वारा स्वतंत्रता सेनानी आश्रित/शहीद वीरांगनाओं और जिले में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहाकि प्रदेश और देश के जवानों की राष्ट्र भक्ति, सेवा और समर्पण अभिनंदनीय है। हमारा महान संविधान भारतीय गणतंत्र की आत्मा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को ध्येय मानकर राजस्थान की भाजपा सरकार सुशासन को केंद्र में रखते हुए सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर राजस्थान के निर्माण की दिशा में निरंतर सकारात्मक विकास कार्यों के प्रति कृतसंकल्पित है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज सशक्त और समृद्ध नए भारत के साथ पूरी दुनिया हाथ मिलाती है। वैश्विक स्तर पर जब भी कोई निर्णय लिया जाता है तो उसमें सबसे बड़ी भूमिका आज भारत की होती है। भारत अर्थव्यवस्था के मामले में दुनिया में 5वें नंबर पर आ गया है। आज सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं पारदर्शी तरीके ससम्मान घर-घर पहुंच रही हैं।

मोदी सरकार की हर एक योजना का केंद्र बिंदु गांव, गरीब, किसान, नौजवान, महिलाएं और कमजोर तबका है। राजस्थान में पेपरलीक, अपराध एवं अपराधियों पर जीरो टॉलरेंस नीति को सख्ती से लागू किया गया है। राजस्थान में श्री अन्नपूर्णा रसोई योजना प्रदेश के जरूरतमंद लोगों तक पौष्टिक भोजन पहुंचाने का अटूट संकल्प है। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने संविधान में स्थापित आदर्शों का सम्मान करते हुए, भारत को 2047 तक एक विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने में सभी के अमूल्य योगदान देने का आह्वान किया।

जयपुर में 10वीं क्लास की छात्रा से रेप

जयपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर में 10वीं क्लास की छात्रा से रेप का मामला सामने आया है। घर से नाबालिग पीड़िता को परिचित किडनैप कर ले गया। गहने-कैश भी चोरी कर साथ ले गया। नाबालिग पीड़िता के पिता ने कानोता थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। मामले की जांच एसएचओ (कानोता) भगवान सहाय कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि कानोता निवासी युवक ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वह परिवार सहित यहां रहते हैं। उनकी 14 साल की बेटी 10वीं क्लास में पढ़ती है। आरोप है कि 29 नवंबर को शाम करीब 7 बजे उनकी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर दौसा निवासी महेन्द्र प्रजापत (19) भगा ले गया। कानोता थाने में नाबालिग बेटी की गुमशुदगी दर्ज करवाई। पुलिस ने नाबालिग बेटी की तलाश कर उसे मथुरा से ढूंढ निकाला।

कानोता थाने लाकर बयान दर्ज कर परिजनों को सौंप दिया। पिछले दिनों आरोपी महेंद्र 4-5 साथियों के साथ आया। घर में घुसकर नाबालिग बेटी का किडनैप कर ले गया। नाबालिग बेटी को उठाकर ले जाते समय सोने-चांदी के गहने और करीब 50 हजार रुपए कैश भी चोरी कर ले गया। किडनैप कर नाबालिग बेटी से रेप किया। महेन्द्र और उसके साथ लगातार कॉल कर कानूनी कार्रवाई करने को लेकर धमकी दे रहे हैं। कानोता थाने में नाबालिग पीड़िता के पिता ने रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बूंदी में छात्रा से कोचिंग संचालक ने किया रेप, कोर्ट ने सुनाई उम्र कैद की सजा

बूंदी, 26 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के बूंदी जिले में एक कोचिंग संचालक को नाबालिग छात्रा से रेप करने के मामले में उम्र कैद की सजा सुनाई गई है. 3 जनवरी 2021 को रेप की जानकारी होते ही पीड़िता की मां ने महिला थाने में आरोपी कोचिंग संचालक के खिलाफ केस दर्ज कराया था।

इस पूरे प्रकरण में महिला थाना ने आरोपी कोचिंग संचालक को गिरफ्तार करके कोर्ट में पेश किया था. रेप की इस घटना में पॉक्सो कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कोचिंग संचालक आरिफ अंसारी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है जबकि 2 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। विशिष्ट लोक अभियोजक राकेश ठाकोर ने बताया कि पूरे प्रकरण में 3 जनवरी 2021 को पीड़िता की मां ने केस दर्ज कराया था. कोचिंग संचालक आरिफ अंसारी लंबे समय से नाबालिग पीड़िता के साथ रेप कर रहा था. बच्ची उसके कोचिंग में पढ़ने जाया करती थी।

आरोपी छात्रा पर दबाव बनाकर जबरदस्ती दुष्कर्म करता था. शिक्षा की नगरी कोटा से 30 किलोमीटर की दूरी पर कोटा संभाग के ही बूंदी जिले में 3 साल पहले एक टीचर ने छात्रा के साथ दुष्कर्म किया था. उस मामले में कोर्ट ने आरोपी शिक्षक को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी और एक लाख का जुर्माना भी लगाया था।

भीलवाड़ा के बहरूपिया बाबा को पद्मश्री अवॉर्ड

भांड कला को 3 पीढ़ियों से जिंदा रखा, मंकी मैन के नाम से हैं मशहूर

भीलवाड़ा, 26 जनवरी (एजेंसियां)। 26 जनवरी की पूर्व संध्या पर बहरूपिया कला के लिए भीलवाड़ा के जानकीलाल भांड को पद्मश्री पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। देशभर से 34 नामों में जानकीलाल का नाम भी शामिल है, जिन्हें पद्मश्री पुरस्कार 2024 के लिए चुना गया है।

बहरूपिया बाबा के नाम से मशहूर जानकी लाल एक बहरूपिया कलाकार हैं, जो समाप्त होती इस कला को आज भी जिंदा रखे हुए हैं। वे भीलवाड़ा सहित देश-विदेश में अपनी बहरूपिया कला को प्रदर्शित कर चुके हैं और लगभग 60 सालों से इस कला को दिखा रहे हैं। 83 साल के जानकीलाल के अनुसार, यह कला विरासत में मिली है और इससे पहले उनकी तीन पीढ़ियां बहरूपिया कला के प्रति समर्पित रही है। जानकीलाल उम्र के इस पड़ाव में भी इस बहरूपिया कला को जारी रखे हैं। कला के प्रति उनके इसी लगाव को देखते हुए सरकार ने उन्हें पद्मश्री अवार्ड 2024 के लिए चयनित किया है। पद्मश्री अवॉर्ड की घोषणा होने के बाद उनके परिवार में खुशी का माहौल है। उन्होंने ग्लासगो, बर्लिन, न्यूकेसल, लंदन, न्यूयॉर्क, दुबई, मेलबोर्न में भी अपनी कला की प्रस्तुतियां दीं हैं। वे होली व अन्य त्योहार पर शहर में अपनी कला से लोगों का लोकानुरंजन करते रहे हैं। विदेशों में उन्हें मंकी मैन के नाम से जाना जाता है।

भीलवाड़ा संगीत कला केंद्र की ओर से उन्हें लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड दिया गया। जानकीलाल की कला स्वांग के रूप में मशहूर है। उनके दादा कालूलाल और पिता हजारी लाल भी इसी कला की प्रस्तुति करते थे। इसके बाद जानकीलाल ने कला को आगे बढ़ाया। 60 साल से भी अधिक समय से जानकीलाल कभी पुलिस तो कभी भगवान का स्वांग धरकर विविध मौकों पर प्रस्तुति देते रहे हैं। वे कई बार गाडोलिया लुहार, कालबेलिया, काबुली पठान, ईरानी, फकीर, राजा, नारद, भगवान भोलेनाथ, माता पार्वती, साधु, दूल्हा, दुल्हन के रूप में लोगों के बीच प्रकट होकर मनोरंजन करते है। इस कला से जानकीलाल को विश्व में भी पहचान मिली। दिल्ली में उन्होंने एक महीने तक मंकी मैन का किरदार निभाया। इसके बाद 1986 में लंदन, न्यूयॉर्क और वर्ष 1988 में जर्मन, रोम, बर्मिंघम और फिर लंदन में अपनी कला का प्रदर्शन किया। न्यूयॉर्क, दुबई, मेलबोर्न में भी उनकी कला को पसंद किया गया।

कर्मचारियों की तोंद देख चिंतित हुई सरकार

मीटिंग्स में समोसे-कचौड़ी पर लगा बैन, अब मिलेगा अलग नाश्ता

जयपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। भारत का हर शख्स सरकारी नौकरी के सपने देखता है. आखिर देखे भी क्यों ना? ये नौकरी आपको स्थिरता देती है. एक बार सरकारी नौकरी लग गई तो बुढ़ापे तक का सहारा हो जाता है. लोग आराम से सरकारी दफ्तर में बैठकर काम के साथ-साथ चाय नाश्ते का मजा लेते हैं. सरकारी मीटिंग्स के नाश्ते में अब तक समोसे कचौड़ी के साथ जलेबी दी जाती थी. लेकिन आगे से ऐसा नहीं होगा।

हाल ही में सरकारी मीटिंग्स में मिलने वाले स्नैक्स का मेन्यू चेंज कर दिया गया है. इसके लिए एक विभागीय परिपत्र जारी किया गया, जो वायरल हो रहा है. सोशल मीडिया पर भी इस नए मेन्यू की काफी चर्चा हो रही है. भजनलाल सरकार के कार्मिक विभाग द्वारा अब सरकारी मीटिंग्स में नए मेन्यू के हिसाब से नाश्ता परोसा जाएगा. इसमें समोसा, कचौड़ी या जलेबी नहीं बल्कि सिर्फ रोस्टेड आइटम्स मिलेंगे।

शामिल हुई ये चीजें

तली-भुनी और फ्राइड चीजों की वजह से सरकारी कर्मचारियों की सेहत पर बुरा असर पड़ रहा था. इस वजह से मेन्यू में बदलाव किया गया. अब मीटिंग्स में रोस्टेड चना, रोस्टेड मूंगफली, मखाने और मल्टी ग्रेन डाइजेस्टिव बिस्किट्स सर्व किये जायेंगे. कर्मचारियों की हेल्थ को ध्यान में रखकर ये मेन्यू बनाया गया है. इसे लेकर ऑर्डर जारी कर दिए गए हैं। ऐसा नहीं है कि मीटिंग में सिर्फ नाश्ते का मेन्यू चेंज हुआ है. पीने के पानी को लेकर भी नए दिशा-निर्देश आए हैं. अब प्लास्टिक की बोतल में पानी नहीं सर्व होगा. कर्मचारियों और अधिकारीयों को कांच के गिलास और बोतल में पानी दिया जाएगा.

सभी ब्रांड के घटिया घी बना रही फैक्ट्री पर छापा

4 हजार लीटर देसी घी व 3500 लीटर सड़ा वनस्पति घी जब्त, जोधपुर में जयपुर क्राइम ब्रांच की कार्रवाई

जोधपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर क्राइम ब्रांच की टीम ने जोधपुर के औद्योगिक क्षेत्र में घी बनाने वाली एक फैक्ट्री पर कार्रवाई की। टीम ने यहां से हजारों लीटर घटिया क्वालिटी का देसी व वनस्पती घी पकड़ा। इस घी को बाजार में प्रचलित सरस सहित कई ब्रांड के नाम से भेजने की तैयारी थी।

टीम को मौके से अलग–अलग घी कम्पनी के पैकेट भी मिले हैं। टीम ने सभी घी के सैंपल को जांच के लिए भेजा है। आशंका जताई जा रही है कि फैक्ट्री में नकली घी बनाकर लोगों को महंगे ब्रांड के नाम से बेचा जा रहा था। जानकारी के अनुसार जयपुर क्राइम ब्रांच की टीम को जोधपुर में बड़े स्तर पर नकली घी बनाने वाली फैक्ट्री का इनपुट मिला था। इस पर गुरुवार रात को 9 बजे के करीब जयपुर से टीम में शामिल आईटी के आशाराम व इंस्पेक्टर सुभाषसिंह तंवर के साथ विवेक विहार थाना पुलिस ने बोरानाडा के पास संचालित होने वाली धेनूश्री कम्पनी पर दबिश दी। इस दौरान घी बनाने का काम चल रहा था। टीम को वहां पर 4 हजार लीटर के करीब देसी घी व 3500 लीटर सड़ा हुआ वनस्पति घी मिला। कार्मिकों से पूछताछ में पता चला की फैक्ट्री का मालिक भजनलाल विश्नोई है। सूचना मिलने पर फैक्ट्री मैनेजर ऋषि शर्मा मौके पर पहुंचे। कार्रवाई शुक्रवार सुबह 4 बजे तक चली।

पैकिंग का पूरा प्लांट लगा रखा, एक ही नम्बर की चार ट्रक

जांच के दौरान टीम को सभी ब्रांड के बड़ी मात्रा में घी पैक करने का प्लांट मिला। साथ ही अलग-अलग ब्रांड के पैकेट भी मिले। आशंका है कि घटिया क्वालिटी के घी को यहां महंगे ब्रांड के पैकेट में पैक कर बाजार में बेचा जा रहा था। वहीं फैक्ट्री में एक ही नम्बर की चार ट्रक भी मिले हैं। इसकी भी टीम जांच करवा रही है।

फूड इंस्पेक्टर को मौके पर बुलाया

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नकली घी के संदेह में देर रात फूड इंस्पेक्टर को भी मौके पर बुलाया गया। यहां से घी के अलग - अलग सैंपल लिए गए है। जिनको जांच के लिए भेजा जाएगा। इसकी रिपोर्ट करीब 10 से 15 दिन में आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पाम ऑयल से भरा हुआ मिला टैंकर

टीम को फैक्ट्री के अंदर पाम ऑयल से भरा हुआ एक टैंकर भी मिला। सबसे बड़ी बात यह है कि यहां एक ही नम्बर के चार टैंकर खड़े थे। इस संबंध में पुलिस ने जांच भी शुरू की है।

महिला दक्षता समिति शिक्षण संस्थाओं में मनाया गया गणतंत्र दिवस

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)।महिला दक्षता समिति द्वारा संचालित शिक्षण संस्थाओं सुमन जूनियर और वोकेशनल कॉलेज,वी .डी बजाज डिग्री कॉलेज, महिला दक्षता समिति और बंसीलाल मालानी कॉलेज ऑफ नर्सिंग गंगारम चंदा नगर प्रांगण में गणतंत्र दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में हर्षा नंदी चंद्रशेखर मुख्य अतिथि , वाई .एल. रवि जाधव , एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती पल्लवी कटियार उपस्थित रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं संविधान निर्माता डॉ . बी . आर अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण, ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान से किया गया। महिला दक्षता समिति शिक्षण संस्थान की फाउंडर अध्यक्ष डॉ .सरोज बजाज ने सभा में उपस्थित सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी और कहा कि आज का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण है । संविधान के नियम और कानून की वजह से ही भारत में हर कार्य सक्रियता से, एवं सुचारू रूप से सिद्ध हो रहे है।

उन्होंने छात्राओं से कहा कि हमारे अतिथि गणों से आप लोग प्रेरित होकर के निष्ठा के साथ कार्य करना है। हमारी शिक्षण संस्था निरंतर लड़कियों को शिक्षित कर उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इस शिक्षण संस्थान से जुड़ी मेरी यात्रा 34 साल से चल रही है और चुनौती पूर्ण रही है । किंतु अच्छी बात यह है कि मुझे हमेशा दान दातावों का ,शिक्षा प्रेमियों का, शुभ चिंतको का सहयोग मिलता रहा । उन्होंने आगे कहा कि मुझे अत्यंत खुशी हो रही है कि हमारे कॉलेज की हिंदी अध्यापिका अनिता ने अपने परिवार की जिम्मेदारियों को निभाते हुए विकट परिस्थितियों में भी परिश्रम से, लगन से ,मेहनत से पीएचडी की है। हम हमारी छात्राओं को और अधिक सुविधा प्रदान करने के लिए स्वर्गीय निर्मला गोयंका के नाम से एक विशाल छात्रावास का निर्माण कर रहे हैं।

अग्रवाल समाज सोमाजीगुड़ा बेगमपेट शाखा गणतंत्र दिवस एवं हवन कार्यक्रम गैंडिपेट गौशाला में आयोजित किया गया । शाखा की मानद मंत्री श्रीमती कविता अग्रवाल ने बताया कि सर्व प्रथम महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा अर्चना की गई। शाखा द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजा रोहन किया गया। अध्यक्ष हरीशचंद्र गुप्ता, मानद मंत्री श्रीमती कविता अग्रवाल, सयुक्त मंत्री दिलीप चैनवाला, कोषाध्यक्ष विष्णु गुप्ता, केंद्रीय समिति सदस्य संगेश अग्रवाल, कई सदस्यों ने बढ़चढ के भाग लिया।

क्षत्रिय राजपूत ट्रस्ट बोर्ड अंबर पेठ के प्रांगण में ट्रस्ट बोर्ड के अध्यक्ष ठाकुर नरेंद्र सिंह बिसेन की अध्यक्षता में उच्च न्यायालय अधिवक्ता कल्याण सिंह,ट्रस्टी ठाकुर गोपाल सिंह पूर्व न्यायाधीश, कोषाध्यक्ष अधिवक्ता ठाकुर धीरेंद्र सिंह के, राजेश सिंह, टी, रघुनंदन सिंह कुंदन सिंह चौहान, रंजीत देवी सिंह, गजेंद्र सिंह, कमल सिंह, हंसराज सिंह, सुजीत सिंह, अमर सिंह, गणेश सिंह, उमेश सिंह, इंदर सिंह, शैलेंद्र सिंह, गोपाल सिंह,मनोज देवी सिंह,, विश्वजीत सिंह राजपूत, राम सिंह, ज्ञानेश्वर सिंह, संतोष सिंह सतीश सिंह विजय सिंह टी, दसरथ सिंह व अन्य उपास्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना ज्ञानबाग़ कॉलोनी महिला शाखा एवं पुरुष शाखा द्वारा ज्ञानबाग़ कॉलोनी स्थित के एन एन्क्लेव में गणतंत्र दिवस के, राष्ट्रीय पर्व पर झंडा फहराया गया । जिसमें शाखा के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने उत्साह व उमंग के साथ भाग लिया।

अतापुर साई नगर वैलफेयर एसोसिएशन द्वारा गणतन्त्र दिवस पर राष्ट्रीय झंडा फहराया अध्यक्ष बंगी श्रीनिवास, मंत्री कोटला सत्यम, कोषाध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी, सदस्य मारूती, नरेश डोबा, रमेश बोया,दयानंद बिरादर, रामबाबू, अन्य की उपस्थिति में फहराया गया।

बिहार समाज सेवा संघ हैदराबाद के तत्वावधान में 75वां गणतंत्र दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार समाज सेवा संघ के राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा के नेतृत्व में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन सिकंदराबाद स्थित मलयालम मठ में किया गया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के कार्यकर्ता और वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद थे। हैदराबाद बिहार समाज सेवा संघ के अध्यक्ष मनीष तिवारी के हाथों झंडा तोलन किया गया । कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ सदस्य प्रताप गौरव सिंह,रवि ओझा के साथ सुरज कुमार, टुनटुन ओझा,लाला यादव , अभिनाश ओझा,लाला ओझा, विष्णु ओझा आदि मौजूद रहे।

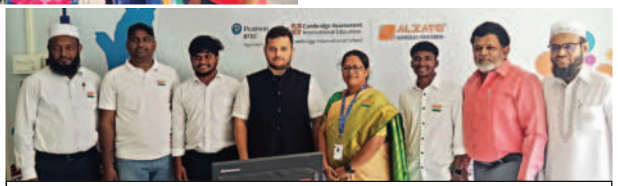

सालीटेर बिजनेस स्कूल के तत्वावधान में कालेज की प्राचार्या श्रीमती चंद्रकांता अवस्थी ने ध्वाजारोहण किया । इस अवसर पर कालेज में स्टैंडिंग कामेडी, गायन , निबंध लेखन, कैरम, शतरंज आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्र एवं छात्राओं ने संविधान की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। इस ध्वाजारोहण कार्यक्रम में कालेज के कारस्पांडेट भी उपस्थित थे।

जगतगिरी स्थित राठौड़ परिवार द्वारा आयोजित स्वागत समारोह कार्यक्रम मे उपस्थित सीरवी समाज अध्यक्ष चोलाराम हाम्बड़, मोतीलाल काग, गणेशराम बर्फा, रुपाराम सैंणचा, चुतराराम सनपुरा, आयोजक भगवानराम राठौड़, गुणाराम, नाथुराम राठौड़, शंकरलाल बर्फा व समाज बन्धु।

अग्रीकल्चर मार्केट बोइनपल्ली में गणतंत्र दिवस पर झंडा रोहण कार्यक्रम में शामिल होते व्यापार संघ के अध्यक्ष गौतम जैन लोढा, सोमा देवेन्दर रेड्डी वेनुगोपाल, रेड्डी, प्रभाकर, रामाकृष्णा, सत्यनाराण अन्य पदाधिकारी।

लाल सिंह पार्षद गोशामहल बीजेपी द्वारा राष्ट्र के पावन अवसर पर वीरांगना रानी अवंती बाई चौक पर झंडा वंदन किया गया। उदय सिंह, गुणवान बिरादर, शंकर सिंह, रमेश यादव, रामुलु,विनय राज, सुधीर गॉड और अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे

आरडब्ल्यूएस कार्यालय फिर से मदनूर में स्थापित किया गया

मदनूर, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में बेकार पड़े आरडब्ल्यूएस कार्यालय भवन में 24 जनवरी को स्वच्छ भारत के तहत साफ-सफाई की गयी थी। स्थानीय भारतीय जनता पार्टी नेता कृष्णा पटेल ने जुक्कल विस क्षेत्र के पूर्व विधायक हनमंत शिंदे पर आरोप लगाते हुए बताया कि कुछ वर्ष पहले पूर्व विधायक के नेतृत्व में संबंधित आधिकारियों ने चोरी छुपे रातोंरात मदनूर व जुक्कल मंडल के आरडब्लूएस कार्यालय को बिचकुंदा मंडल में स्थापित करा दिया था। उसके बाद से बेकार पड़े कार्यालय भवन अवैध धंधा का अड्डा बन गया था। उन्होंने आर डबलू कार्यालय वापस मदनूर लाने के लिय आधिकारियों को दो दिन समय दिया था दो दिन के भीतर फिर से मदनूर व जुक्कल मंडल में कार्यालय स्थापित किए जाने पर लोगों में हर्ष है।

अशोक फाउंडेशन के तत्वावधान में रिकाबगंज भंडारा चौक पर गणतंत्र दिवस का भव्य आयोजन पंकज कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में किया गया। पंकज कुमार अग्रवाल ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा को फहराया। गणतंत्र दिवस उत्सव पर मुख्य रूप से राकेश, बृजमहन, प्रखर अग्रवाल, मनीत, व अन्य उपस्थित थे ।

बिहार समाज सेवा संघ पैराडाइज के द्वारा 75 वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। अध्यक्ष दीपक सिंह, महासचिव मनीष कुमार गुप्ता, महाकाली पुलिस स्टेशनल एसआइ भास्कर राव महेश व्यास चंद्र प्रकाश व्यास, बाजार अध्यक्ष संतोष यादव, बंसीलालपेट अध्यक्ष्य विकास पासवान, सुनील कामत, मुकेश कामत, अंकित कुमार, मोहित कुमार, रोहित कुमार, रविंद्र यादव, राकेश सिंह, संतोष सिंह, विक्की कुमार सिंह, पिंटू कुमार एवं अन्य।

हिल रिज स्प्रिंग्स, गच्चीबोली में गणतंत्र दिवस मनाती हुई महिलाएं, झांसी, गीता अग्रवाल, श्रीदेवी, ज्योत्सना, पल्लवी राव सरस्वती के वी वी ,हरिणी रेला मुनी, लक्ष्मी राय आदि।

भैंसा के क्षेत्रीय सरकारी अस्पताल में 75 वे गणतंत्र दिवस पर विधायक पावर रामराव पटेल , सुप्रीटेंडेंट डॉ. काशीनाथ, पूर्व चेयरमैन गंगाधर, सहित डॉक्टर , नेता गण, नर्स, कंपाउंडर, सहित अन्य अधियारियो ने तिरंगे को सलामी दी।

जीडिमेटला श्री आईमाता बडेर में समाज बन्धुओं द्वारा 75वें गणतंत्र दिवस पर पुजा-अर्चना व ध्वजा रोहण कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष मांगीलाल काग, अर्जुनलाल बर्फा, नारायणलाल वरपा, प्रेम पंवार, पूर्व अध्यक्ष बाबुलाल चोयल, चेनाराम चोयल, रावतराम बर्फा, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

श्री आईमाता मंदिर जीडिमेटला में समाज बन्धुओं के सानिध्य में आयोजित रक्तदान शिविर में श्री माई की तस्वीर पर माल्यार्पन कर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष मांगीलाल काग, नारायणलाल बर्फा, प्रेम पंवार, बाबुलाल चोयल, चेनाराम चोयल, व अन्य। अवसर पर कुशल डॉक्टरों की देखरेख में समाज बन्धुओं द्वारा 67 यूनिट रक्त दान करने पर प्रमाण-पत्र से सम्मानित किये गये।

बंडलागुडा श्री आईमाता मंदिर स्थित सीरवी समाज एल.बी.नगर वेल्फेयर एसोशिएशन द्वारा 75वें गणतंत्र दिवस ध्वजा रोहण कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष जगदीशप्रसाद काग, उपाध्यक्ष वेनाराम चोयल, लक्ष्मणराम परिहार, सचिव प्रकाश सेपटा, चुन्नीलाल पंवार, धन्नाराम देवड़ा, खंगारराम, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

श्री आईजी गौशाला में गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर आयोजित ध्वजा रोहण कार्यक्रम में उपस्थित सचिव हुक्माराम सानपुरा, नारायणलाल परिहार, ढगलाराम सेपटा, भगाराम, भंवरलाल मुलेवा, एन.आर.पटेल, पदाधिकारी व गौभक्त।

अग्रणी महिला मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया ने बताया की गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में हिमायतनगर स्थित कार्यालय के समक्ष ध्वजारोहण किया गया । अवसर पर बबिता गर्ग , रितु गर्ग , टीना खंडेलवाल , श्वेता खंडेलवाल, सुनयना नरसरिया , संगीता जाजोदिया , रखी , लीला , प्रीति गोयल , एवम पवन भुवानिया ,रामकृष्ण आदि उपस्थित थे।

75 वें गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर जामबाग मंडल में नगरसेवक राकेश जायसवाल ने ध्वजारोहन किया। इस अवसर पर अमर सिंह, संजय, सुरेश टॉल्डी, प्रवीण, अजय एवं अन्य।

रक्तदान शिविर संपन्न

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जैन हाई स्कूल बेगम बाजार में गणतंत्र दिवस पर अमर शहीदों के नाम रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया। प्रिंसिपल राजेश कुमार जैन ने रक्तदान करने वाले अभिभावकों नंद किशोर उपाध्याय, रवि उपाध्याय, वैभव उपाध्याय, अंकित औझा, लक्ष्मण शर्मा, सुरेश , महिंदर , आकाश खेडकर, अनिरुद्ध तिवारी, सुदीपजी, संपत जैन, रोहन जैन, आयुष जैन, मोहसिनजी बेलिम, सहेनीदेवी कुमावत, सुमैया बेगम, कोमलजी एवम अन्य सभी रक्तदाताओं का हार्दिक धन्यवाद दिया।

शिविर उद्घाटन पर जैन हाई स्कूल के फाउंडर सदस्य सतीश कुमार जैन, प्रिंसिपल राजेश कुमारजैन, संजय कुमार जैन, राजेश तोषनीवाल, मनिष नाट, प्रदीप तिवारी, किशोर उपाध्याय, वीरजैन, अध्यापकगण उपस्थित थे।

बोडुप्पल स्थित राजलक्ष्मी गार्डन में सैंणचा परिवार द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लच्छाराम, रामलाल, जेठाराम, डॉ.प्रताप, मूलाराम सैंणचा, कोरेमुला सीरवी समाज संरक्षक प्रभुराम परिहारियां, सचिव डायाराम लचेटा व समाज बन्धु।

जडेजा-राहुल ने दूसरे दिन जमाया रंग

> 175 रन की बढत > स्टंप्स तक स्कोर 421/7 > जडेजा-अक्षर नाबाद लौटे

हैदराबाद, 26 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला हैदराबाद में खेला जा रहा है. राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जा रहे इस मुकाबले में भारतीय टीम की स्थिति मजबूत हो गई है. दूसरे दिन (26 जनवरी) का खेल समाप्त होने तक भारत ने अपनी पहली पारी में सात विकेट पर 421 रन बना लिए थे. भारतीय टीम की लीड 175 रनों की हो चुकी है. स्टम्प के समय तक रवींद्र जडेजा 81 और अक्षर पटेल 35 रन पर खेल रहे थे।

यशस्वी के बाद राहुल-जडेजा का जलवा

दूसरे दिन सबसे पहले पहले आउट होने वाले बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (80) रहे. उनको जो रूट ने अपनी ही गेंद पर कैच आउट कर दिया. उस समय टीम इंडिया का स्कोर 123/2 हुआ था. इसके बाद केएल राहुल और शुभमन गिल ने पारी संभालने की कोशिश की. पर गिल भी महज 23 रन बनाकर टॉम हार्टले का शकिार बन गए. फिर श्रेयस अय्यर और राहुल ने 64 रनों की पार्टनरशिप की. ऐसा लग रहा था कि श्रेयस लंबी पारी खेलेंगे, लेकिन वह बड़ा शॉट मारने के चक्कर में 35 रन बनाकर चलते बने. श्रेयस के बाद राहुल को केएस भरत के रूप में जोड़ीदार मिला और दोनों ने 65 रन जोड़े. केएल राहुल अपने शतक से सिर्फ 14 रन दूर रह गए. राहुल ने 152 गेंदों पर 80 रन बनाए, जिसमें सात चौके और दो छक्के लगाए। श्रीकर भरत भी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे, लेकिन वह 41 रनों के निजी स्कोर पर एलबीडब्ल्यू हो गए. श्रीकर के आउट होने के बाद रवींद्र जडेजा ने पूरी तरह मोर्चा संभाल लिया. जडेजा ने 155 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 81 रन बनाए, जिसमें सात चौके और दो छक्के शामिल है. वहीं अक्षर ने 62 गेंदों की पारी में पांच चौके और एक सिक्स लगाया।

सिर्फ 246 रनों पर सिमट गई थी इंग्लिश टीम

इस मैच में पहले दिन इंग्लैंड की टीम महज 246 रन बनाए थे. इंग्लैंड की टीम ने बैजबॉल स्टाइल में बल्लेबाजी जरूर की. लेकिन उनका दांव उल्टा पड़ गया. इंग्लैंड की टीम का पहला विकेट 55 रन पर गिरा और पूरी टीम 246 रनों पर सिमट गई. अंग्रेज कप्तान बेन स्टोक्स ने अपनी टीम के लिए सर्वाधिक 70 रन बनाए. वहीं भारत की ओर से रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा सबसे सफलतम गेंदबाज रहे, इन दोनों ने ही 3-3 विकेट हासिल किए. वहीं अक्षर पटेल और जसप्रीत बुमराह को दो-दो सफलता मिली। जवाब में खेलने उतरी टीम इंडिया ने पहले दिन स्टम्प तक 23 ओवर्स में 119/1 का स्कोर खड़ा कर दिया था. रोहित शर्मा ने आउट होने से पहले 27 गेंदों में 24 रन बनाए, वहीं पहले यशस्वी जायवाल ने महज 70 गेंदों पर नॉट आउट 76 रन जड़ दिए।

शुभमन गिल के बल्ले पर लगा 'ग्रहण'

हैदराबाद, 26 जनवरी (एजेंसियां)। भारत-इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जा रहा है. इस मुकाबले में भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल से धाकड़ प्रदर्शन की उम्मीद थी. मगर उन्होंने निराश किया. गिल पहली पारी में सिर्फ 23 रन बनाकर चलते बने. गिल बड़ा शॉट लगाने की चक्कर में डेब्यूटेंट गेंदबाज टॉम हार्टले की गेंद पर मिडऑफ रीजन में बेन डकेट के हाथों लपके गए. देखा जाए तो 24 वर्षीय शुभमन गिल टेस्ट क्रिकेट में काफी समय से 'आउट ऑफ फॉर्म' चल रहे हैं. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल से लेकर अबतक गिल ने क्रिकेट के इस सबसे बड़े फॉर्मेट में एक भी फिफ्टी नहीं जड़ी है. साउथ अफ्रीका दौरे पर भी गिल का बल्ला खामोश रहा था और चार पारियों में 74 रन ही बना पाए थे.

एक ओवर में 3 नो बॉल!

शोएब मलिक मैच फिक्सिंग के घेरे में आए, क्रिकेट कॉन्ट्रैक्ट खत्म

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। सना जावेद से तीसरी शादी करने वाले पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक बुरी तरह फंस गए हैं. बांग्लादेश प्रीमियर लीग में खेल रहे मलकि का उनकी टीम ने कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर दिया है. मलिक पर मैच फिक्सिंग का आरोप लगा है. शोएब मलकि हाल में बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) में खेलते हुए नजर आए थे. शोएब बीपीएल में फॉर्च्युन बारशिल की ओर से खेल रहे थे. उन्होंने 22 जनवरी को मीरपुर में खुलना टाइगर्स के खलािफ मैच में एक के बाद एक लगातार तीन नो बॉल फेंकी थीं. इसके बादवो सोशल मीडिया पर तमाम पाकिस्तानी और क्रिकेट फैन्स के निशाने पर आ गए थे।

फॉर्च्युन बारिशल ने कॉन्ट्रैक्ट खत्म होने की पुष्टि की

बांग्लादेश प्रीमियर लीग की एक फ्रेंचाइजी फॉर्च्यून बारिशल ने अपने आखिरी मैच के दौरान फिक्सिंग के संदेह में शोएब मलिक का कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर दिया है. खुलना राइडर्स के खिलाफ शोएब मलिक ने एक ही ओवर में तीन नो बॉल फेंकी थीं, जिसके बाद संदेह पैदा हुआ. मलिक ने तीन मौकों पर ओवर स्टेप किया. इसके बाद टीम मालिकों ने उनका अनुबंध समाप्त करने का फैसला किया है. मलिक ने मैच दौरान बल्ले से छह गेंदों पर सिर्फ पांच रन बनाए. फॉर्च्यून बारिशल टीम मालिक मिजानुर रहमान ने इस खबर की पुष्टि की है।

मलिक ने पावरप्ले में की थी बॉलिंग

बीपीएल में मलिक फॉर्च्यून बरिशल टीम से खेलते थे, जिसकी कप्तानी तमीम इकबाल के हाथों में है. फॉर्च्यून बारशिल ने हाल में एक मैच में पहले बैटिंग करते हुए 4 विकेट पर 187 रन बनाए थे. इस दौरान मुश्फिकुर रहीम ने 68 रनों की पारी खेली. जब खुलना टाइगर्स टारगेट चेज करने उतरी, तो कप्तान तमीम ने पावरप्ले में ही शोएब मलिक से गेंदबाजी करवाई. इस दौरान मलिक काफी महंगे साबित हुए।

1 ओवर में 3 नोबॉल और दिए 18 रन

41 साल के शोएब मलिक ने पारी का चौथा ओवर किया, जिसमें उन्होंने 3 नोबॉल फेंकी. ओवर की आखिरी गेंद पर मलिक ने लगातार 2 नोबॉल फेंकी. दूसरी बार में नोबॉल पर चौका भी लगा. जबकि आखिर में फ्रीहिट पर छक्का लगा. इस तरह मलिक ने मैच में सिर्फ एक ओवर किया, जिसमें 18 रन लुटा दिए।

बोपन्ना, चिनप्पा सहित 7 खिलाड़ियों को पद्मश्री

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और स्क्वॉश खिलाड़ी जोशना चिनप्पा सहित कुल सात खिलाड़ियों को पद्मश्री पुरस्कार मिलेगा. गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर 2024 के लिए पद्म पुरस्कारों का ऐलान कर दिया गया. इनमें 5 पद्म विभूषण, 17 को पद्म भूषण और 110 हस्तियों को पद्मश्री पुरस्कार दिए जाएंगे. 110 हस्तियों में सात खिलाड़ी हैं. ये पुरस्कार भारत के राष्ट्रपति देते हैं. इसकी सेरेमनी हर साल मार्च या अप्रैल में राष्ट्रपति भवन में होती है।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में बोपन्ना

43 साल के बोपन्ना इन दिनों ऑस्ट्रेलिया में हैं. वह ऑस्ट्रेलियन ओपन के मेंस डबल्स कैटेगरी में हिस्सा ले रहे हैं. वो और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन फाइनल में पहुंच चुके हैं. फाइनल मुकाबला कल यानी 27 जनवरी को खेला जाएगा। वहीं जब एसोसिएशन ऑफ टेनिस प्रोफेशनल्स (एटीपी) रैंकिंग अपडेट की जाएगी तो बोपन्ना 43 साल की उम्र में दुनिया के नंबर-1 मेंस डबल्स खिलाड़ी बनेंगे। इसी के साथ वह नंबर-1 रैंक हासिल करने वाले दुनिया के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होंगे।

बोपन्ना के पास एक ग्रैंड स्लैम खिताब

बोपन्ना ने 2017 में कनाडा की गैब्रिएला डाब्रोव्स्की के साथ फ्रेंच ओपन में मिक्स्ड डबल्स खिताब जीता था. वहीं बोपन्ना मेंस डबल्स में 2010 में पाकिस्तान के ऐसाम-उल-हक कुरैश के साथ और 2023 में एबडेन के साथ यूएस ओपन में दो बार उपविजेता रहे हैं।

चिनप्पा के नाम कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल

चनिप्पा ने कॉमनवेल्थ गेम्स एक गोल्ड (2014) और एक सिल्वर (2018) मेडल जीता है. वहीं एशियन गेम्स में दो सिल्वर और तीन ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं. उन्होंने डबल्स में वर्ल्ड चैंपियनशिप में चार मेडल जीते हैं, इसमें 2022 में एक गोल्ड मेडल भी शामिल है. साल 2023 मेंराष्ट्रपति ने 106 पद्म पुरस्कारों को मंजूरी दी थी, इनमें 6 पद्म विभूषण, 9 पद्म भूषण और 91 पद्म श्री शामिल थे।

द.अफ्रीका के खिलाफ न्यूजीलैंड की टेस्ट टीम घोषित

क्राइस्टचर्च, 26 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 4 फरवरी से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए मध्यक्रम बल्लेबाज के रूप में न्यूजीलैंड टेस्ट टीम में चुने जाने के बाद रचिन रवींद्र 2022 के बाद घर पर अपना पहला टेस्ट खेलने के लिए तैयार हैं।

आईसीसी के इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीतने के बाद रवींद्र को प्रोटियाज के खिलाफ अगले हफ्ते टौरंगा के बे ओवल में शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए टीम में नामित किया गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा, हेनरी निकोल्स के लिए लाइन-अप में लाए जाने के बाद 24 वर्षीय खिलाड़ी अपने टेस्ट करियर में पहली बार मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने के लिए तैयार है, जिसमें विल यंग बल्लेबाजी कवर प्रदान करेंगे।

वर्ल्ड नंबर-1 जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन से बाहर

चौथी सीड जनिक सिनर ने हराया; इस ग्रैंड स्लैम में 103 मैच में महज 9वीं हार

मेलबर्न, 26 जनवरी (एजेंसियां)। वर्ल्ड के नंबर-1 पुरुष टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच शुक्रवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 से बाहर हो गए। उन्हें मेंस सिंगल्स के सेमीफाइनल में चौथी सीड इटली के जनिक सिनर ने हराया। 3 घंटे 22 मिनट तक चले मैच में इतालवी खिलाड़ी ने डिफेंडिंग चैंपियन जोकोविच को 6-1, 6-2, 6-7, 6-3 से हराया। इसी के साथ सिनर ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में जोकोविच की लगातार 33 मैचों की जीत का सिलसिला सेमीफाइनल में खत्म कर दिया।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में 9वीं हार

जोकोविच की इस ग्रैंड स्लैम में 103 मैचों में महज 9वीं हार है। उन्होंने 103 ऑस्ट्रेलियन ओपन मैच खेले हैं, जिसमें 94 जीते हैं और महज 9 हारे है। यहां उनके जीत का परसेंटेज 91% है।

सिनर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में

वहीं सिनर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंचे हैं। वह पहले इटैलियन खिलाड़ी हैं, जो ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंचे हैं। फाइनल में सिनर का सामना दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। दूसरा सेमीफाइनल जर्मनी के एलेक्जेंडर जवेरेव और रूस के डेनियल मेदवेदेव के बीच खेला जाएगा।

जोकोविच के पास सबसे ज्यादा मेंस सिंगल्स खिताब

सर्बिया के नोवाक जोकोविच के पास सबसे ज्यादा (10) मेंस सिंगल्स ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब हैं। एमेच्योर एरा को भी गिना जाए तो उनके बाद सबसे ज्यादा खिताब (6) ऑस्ट्रेलिया के रॉय एमरसन के पास हैं। टेनिस में 1968 में ओपन एरा की शुरुआत हुई जब सभी खिलाड़ियों (एमेच्योर और प्रोफेशनल) को चारों ग्रैंड स्लैम में हिस्सा लेने की अनुमति दी गई। इसे ओपन एरा कहा जाता है।

481.2 करोड़ है प्राइज मनी

इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन की कुल प्राइज मनी 481.2 करोड़ रुपए है। पिछले साल के मुकाबले इस साल प्राइज मनी में 13 फीसदी का इजाफा हुआ। मेंस और विमेंस सिंगल्स के विनर को करीब 17.50 करोड़ रुपए मिलेंगे। टूर्नामेंट में सभी कैटेगरी के लिए हर स्टेज पर अलग-अलग प्राइज मनी है।

ऑस्ट्रेलिया के उस्मान ख्वाजा बने आईसीसी पुरुष टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2023

दुबई, 26 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीत के सितारे सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को 2023 के लिए आईसीसी पुरुष टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर घोषित किया गया है। पूरे साल ख्वाजा के शानदार प्रदर्शन ने ऑस्ट्रेलिया को अपना पहला आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बाएं हाथ के बल्लेबाज ने साल की शानदार शुरुआत की और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ करियर का सर्वश्रेष्ठ नाबाद 195 रन का स्कोर हासिल करके पिछले सीज़न की अपनी लय को आगे बढ़ाया।

चुनौतियों से घबराए बिना, ख्वाजा ने भारत के खिलाफ श्रृंखला के दौरान अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया, और चार मैचों में 333 रन के प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ शीर्ष रन-स्कोरर के रूप में उभरे, जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल थे। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में एक दुर्लभ झटके का सामना करते हुए, ख्वाजा ने इंग्लैंड के खिलाफ एशेज के दौरान जोरदार वापसी की, और एक बार फिर 496 रन के साथ श्रृंखला में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने। उनके महत्वपूर्ण योगदान में ट्रैविस हेड, कैमरून ग्रीन और एलेक्स कैरी के साथ महत्वपूर्ण साझेदारियां शामिल थीं, जिससे दबाव की स्थितियों को धैर्य के साथ संभालने की उनकी क्षमता का प्रदर्शन हुआ। ख्वाजा का असाधारण वर्ष पाकिस्तान के खिलाफ 40 प्लस के तीन स्कोर के साथ अपने चरम पर पहुंच गया, जिससे कैलेंडर वर्ष में कुल 1,210 रनों के साथ हुआ। विशेष रूप से, वह 2023 के चुनौतीपूर्ण लेकिन पुरस्कृत वर्ष में टेस्ट रनों के लिए चार अंकों के आंकड़े को तोड़ने वाले एकमात्र खिलाड़ी के रूप में अकेले खड़े थे। बाएं हाथ के स्टार के असाधारण प्रदर्शन में दक्षिण अफ्रीका (195 नाबाद) और भारत (180) के खिलाफ महत्वपूर्ण शतक भी शामिल थे, लेकिन उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन एशेज में चिर प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड के खिलाफ निखरकर सामने आया। शुरुआती टेस्ट में, 393/8 पर आश्चर्यजनक घोषणा के बाद, ख्वाजा के लचीले शतक ने ऑस्ट्रेलिया के इंग्लैंड के लक्ष्य का पीछा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उनका दृढ़ संकल्प और कौशल दूसरी पारी में भी स्पष्ट था, जहां उन्होंने 197 गेंदों पर 65 रन बनाकर धैर्य के साथ बल्लेबाजी की और एक यादगार एशेज जीत की नींव रखी। दूसरी पारी में अपने प्रभावशाली शतक और महत्वपूर्ण योगदान के लिए, ख्वाजा ने सही मायने में प्लेयर ऑफ द मैच की प्रशंसा अर्जित की, जिससे उनकी शानदार उपलब्धि में एक और उपलब्धि जुड़ गई।

तन्मय की फर्स्ट क्लास क्रिकेट में सबसे तेज ट्रिपल सेंचुरी

147 बॉल में 300 रन पूरे किए, एक दिन में तीन रिकॉर्ड तोड़े

हैदराबाद, 26 जनवरी (एजेंसियां)। हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज तन्मय अग्रवाल ने शुक्रवार को तीन रिकॉर्ड तोड़े। हैदराबाद के नेक्सजेन क्रिकेट ग्राउंड में रणजी ट्रॉफी राउंड-4 मैच के दौरान अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 147 गेंदों में फर्स्ट क्लास क्रिकेट का सबसे तेज तिहरा शतक लगाया। तन्मय 323 रन बनाकर अभी नॉटआउट हैं। वे शनिवार को अपनी पारी को आगे बढ़ाएंगे। अग्रवाल ने साउथ अफ्रीका के मार्को मरैस का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2017 में ईस्टर्न प्रोविंस के खिलाफ बॉर्डर के लिए 191 गेंदों में 300 रन बनाए थे। तन्मय ने इस पारी में 21 छक्के लगाए, जो रणजी ट्रॉफी का रिकॉर्ड है। भारत के टॉप डोमेस्टिक टूर्नामेंट की एक पारी में सबसे ज्यादा छक्कों का पिछला रिकॉर्ड ईशान किशन के नाम था, उन्होंने 14 छक्के लगाए थे। तन्मय ने इस पारी में 119 गेंदों पर 200 का आंकड़ा छूकर पूर्व भारतीय कप्तान रवि शास्त्री का सबसे तेज दोहरे शतक का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। शास्त्री फर्स्ट क्लास क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने वाले भारतीय खिलाड़ी थे। अब इस मामले में तन्मय टॉप पर हैं।

डब्ल्यूडब्ल्यूई के संस्थापक विंस मैकमेहन पर लगे गंभीर आरोप

पूर्व कर्मचारी ने यौन शोषण-तस्करी का आरोप लगाया

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट (डब्ल्यूडब्ल्यूई) के संस्थापक विंस मैकमेहन पर गंभीर आरोप लगे हैं। कंपनी के पूर्व कर्मचारी ने उन पर यौन शोषण और तस्करी का आरोप लगाया है। पूर्व कर्मचारी जेनेल ग्रांट ने मैकमेहन के खिलाफ 25 जनवरी, 2024 को अमेरिका के कनेक्टिकट जिला न्यायालय में मुकदमा दायर किया है। ग्रांट ने मैकमेहन पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। इनमें यौन शोषण, हमला और तस्करी शामिल है। उन्होंने मार्च 2019 में मैकमेहन से परिचय होने बाद और नौकरी के दौरान अपने अनुभव बताए हैं।

इस दौरान वह बेहद असुरक्षित महसूस कर रहे थे। आरोपों के अनुसार, मैकमेहन के साथ यौन संबंध बनाने पर ही उनकी नौकरी निर्भर थी। कानूनी दस्तावेज जबरदस्ती और शोषण के एक पैटर्न को रेखांकित करता है, जिसमें मैकमेहन ने कथित तौर पर ग्रांट की अश्लील सामग्री को उनकी सहमति के बिना साझा किया और डब्ल्यूडब्ल्यूई कार्यकारी जॉन लॉरिनाइटिस सहित अन्य लोगों के साथ यौन संबंधों के लिए उन पर दबाव डाला।

गाबा टेस्ट के पहले दिन वेस्टइंडीज 266/8, हॉज ने 71, डा सिल्वा ने 79 रन बनाए

ब्रिसबेन, 26 जनवरी (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच 2 टेस्ट की सीरीज का दूसरा मुकाबला ब्रिसबेन के द गाबा स्टेडियम में खेला जा रहा है। डे-नाइट टेस्ट के पहले दिन गुरुवार को वेस्टइंडीज ने 8 विकेट के नुकसान पर 266 रन बना लिए। टीम से केवम हॉज ने 71 और विकेटकीपर जोशुआ डा सिल्वा ने 79 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया से तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने 4 विकेट लिए। पहले दिन का खेल खत्म होने तक वेस्टइंडीज से केविन सिनक्लेयर 16 रन बनाकर नॉटआउट रहे। वह दूसरे दिन भारतीय समयानुसार आज यानी शुक्रवार सुबह 9:30 बजे से अपनी टीम की पहली पारी आगे बढ़ाएंगे।

वेस्टइंडीज ने 64 रन पर 5 विकेट गंवाए

डे-नाइट टेस्ट में वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी। टीम की शुरुआत बेहद खराब रही, उन्होंने 9 रन पर पहला विकेट गंवाया। कप्तान क्रेग ब्रैथवेट 4 ही रन बनाकर आउट हो गए। उनके बाद तेजनारायण चंद्रपॉल 21, कर्क मैकेंजी 21, एलिक एथनाज 8 और जस्टिन ग्रीव्स 6 ही रन बनाकर पवेलियन लौट गए। टीम ने 64 रन के स्कोर पर 5 विकेट गंवा दिए। मिचेल स्टार्क को 3 विकेट मिले, वहीं पैट कमिंस और जोश हेजलवुड के हाथ भी एक-एक सफलता आई। शुरुआती 5 विकेट जल्दी गिरने के के बाद केवम हॉज और जोशुआ डा सिल्वा ने वेस्टइंडीज को संभाला। दोनों ने टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया और आपस में फिफ्टी पार्टनरशिप भी कर ली। डा सिल्वा ने तेजी से अपनी फिफ्टी पूरी की, उनके बाद हॉज की भी फिफ्टी पूरी हो गई। डा सिल्वा 79 रन बनाकर नाथन लायन की बॉल पर एलबीडब्ल्यू हुए। डा सिल्वा के विकेट के साथ उनकी हॉज के साथ 149 रन की पार्टनरशिप टूटी। उनके बाद हॉज भी 71 रन बनाकर मिचेल स्टार्क का शिकार हो गए। 225 रन के स्कोर पर 7 विकेट गंवाने के बाद अल्जारी जोसेफ और केविन सिनक्लेयर ने वेस्टइंडीज को संभाला। दोनों ने पहले दिन के आखिरी ओवर तक बैटिंग की और टीम का स्कोर 250 रन के पार पहुंचा दिया। दिन के आखिरी ओवर में जोसेफ जोश हेजलवुड का शिकार हो गए। उन्होंने 32 रन बनाए। वेस्टइंडीज के 8वें विकेट के साथ पहले दिन का खेल खत्म हुआ। टीम ने 266 रन बनाए और सिनक्लेयर 16 रन बनाकर नॉटआउट रहे। वेस्टइंडीज से केमार रोच और शमार जोसेफ का बैटिंग करना बाकी है। दोनों दूसरे दिन सिनक्लेयर का साथ देंगे। ऑस्ट्रेलिया से स्टार्क ने 4 और हेजलवुड ने 2 विकेट लिए। एक-एक विकेट पैट कमिंस और नाथन लायन को भी मिला।

बर्बाद संवैधानिक संस्थाओं का पुनर्निर्माण कर रही है सरकार : राज्यपाल

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौदरराजन ने कहा कि कांग्रेस सरकार पिछले दस वर्षों के दौरान नष्ट हो चुके संवैधानिक निकायों का पुनर्निर्माण कर रही है और लोगों की सरकार संवैधानिक गुणों, प्रणालियों और प्रथाओं को पुनर्जीवित कर रही है। शुक्रवार को यहां पब्लिक गार्डन में 75वें गणतंत्र दिवस समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि तेलंगाना समाज ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में संवैधानिक भावना के खिलाफ चल रही 10 साल की तानाशाही सरकार को समाप्त कर दिया है और तेलंगाना राज्य में जनता की सरकार का गठन हुआ है। तमिलिसाई ने कहा, "लोगों के जनादेश ने घोषणा की कि अहंकार और निरंकुशता का तेलंगाना राज्य में कोई स्थान नहीं है।" संविधान ने लोगों को चुनाव में संघर्षों और फैसलों के माध्यम से संविधान की भावना के खिलाफ सरकार चलाने वाले शासकों को हटाने के लिए पर्याप्त शक्तियां दीं। इसने लोगों को संवैधानिक भावना के विरुद्ध शासन करने वाली सरकारों को समाप्त करने का अवसर भी प्रदान किया। उन्होंने कहा कि अलग तेलंगाना राज्य संविधान और उसमें निहित अधिकारों की प्रेरणा से हासिल किया गया है, उन्होंने कहा कि लोकतंत्र, कल्याण और विकास का फल लोगों तक तभी पहुंचेगा जब सरकार संविधान की भावना के अनुरूप प्रशासन चलाएगी। "एकतरफा फैसले और तानाशाही दृष्टिकोण लोकतंत्र के सिद्धांतों के खिलाफ हैं। नवनिर्वाचित लोगों की सरकार ने पूरी चेतना के साथ काम करना शुरू कर दिया है। राज्य सरकार समान अवसर प्रदान करने, सामाजिक न्याय प्रदान करने और सभी वर्गों के लोगों को स्वतंत्रता प्रदान करने के उद्देश्य से प्रयास कर रही है। समारोह में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी समेत कई मंत्रियों, अधिकारियों ने भाग लिया।

आरोग्या अस्पताल में गणतंत्र दिवस समारोह संपन्न

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नगरद्वय के मोअज्जम जाही मार्केट स्थित आरोग्य अस्पताल परिसर में गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य पर सादगीपूर्ण समारोह का आयोजन किया गया। आरोग्य अस्पताल की ओर से आगंतुक अतिथियों का स्वागत डॉ मोहन गुप्ता एवं डॉ महेश शर्मा ने किया। कार्यक्रम का प्रारम्भ मनोज गोयल द्वारा अतिथिगण के अभिवादन और स्वागत-सम्बोधन से हुआ। प्रसिद्ध न्यूरो-फिजीशीयन डॉ मनोज कुमार सिंह ने ब्रिसबेन आस्ट्रेलिया से पधारे समारोह के मुख्य अतिथि डॉ महावीर जैन का और अनिल कुमार वाजपेयी ने अवसर पर उपस्थित विशेष अतिथि एवं उद्योगपति मोहम्मद नुरुद्दीन आबिद भाई का पुष्पहार और शाल से सम्मान किया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि एवं विशेष अतिथि द्वारा भारतमाता के चित्र का माल्यार्पण किया एवं राष्ट्रिय ध्वज फहराया। डॉ महावीर जैन ने आरोग्य अस्पताल प्रबंधन का आभार प्रकट किया और उपस्थित अतिथियों को %5 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें दी। विशेष अतिथि मो. नुरुद्दीन आबिद भाई ने भी डॉ मोहन गुप्ता एवं आरोग्य अस्पताल से संबन्धित सभी व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया। डॉ के डी मोदी ने इस अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज का वंदन विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झण्डा ऊंचा रहे हमारा गीत गा कर किया। राजस्थानी स्नातक संघ के भूतपूर्व अध्यक्ष गोविंदनारायण राठी ने प्रतिवर्ष आरोग्या अस्पताल में स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस के आयोजन के लिये डॉ.मोहन गुप्ता की प्रशंसा की और कहा कि वर्तमान परिपेक्ष एवं परिस्थितियों में इस प्रकार के आयोजनों का अपना विशेष महत्व है।

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप योजनाओं के क्रियान्वयन में हम अग्रणी रहेंगे : रोनाल्ड रोज़

जीएचएमसी मुख्यालय में मना गणतंत्र दिवस समारोह

हैदराबाद, 26 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर रोनाल्ड रोज़ ने कहा कि राज्य सरकार की महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप योजनाओं का कार्यान्वयन राज्य में सबसे आगे रहेगा। मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने डिप्टी मेयर मोते श्रीलता शोभन रेड्डी के साथ 75वें गणतंत्र दिवस का जश्न मनाने के लिए शुक्रवार को जीएचएमसी मुख्यालय में पुलिस सलामी ली और राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस कार्यक्रम में जीएचएमसी के विभिन्न विभागों के एचओडी के रूप में कार्यरत उच्च अधिकारियों और अधिकारियों ने भाग लिया । इस अवसर पर कमिश्नर रोनाल्ड रोज़ ने कहा कि ब्रिटिश शासन से भारत की आजादी के लिए कई देशभक्तों ने कई संघर्षों में भाग लिया और उन्होंने उस संघर्ष में अपनी जान गंवाने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। महात्मा गांधी , जवाहर नेहरू , दादाबाई नौरोजी , मौलाना अब्दुल कलाम आज़ाद , बालगंगाधर तिलक , भगत सिंह , सुभाष चंद्र बोस और अन्य महान लोगों के बलिदान के परिणामस्वरूप स्वतंत्रता प्राप्त हुई और भारत का संविधान लागू हुआ। उन्होंने कहा कि शहर के लोगों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विकास कार्य किये गये हैं। राज्य के मुख्यमंत्री नवगठित राज्य सरकार द्वारा चुनाव के दौरान जनता से किये गये वादों को पूरा करने के लिए लोक प्रशासन उपलब्ध कराने के लिए कृत संकल्पित हैं। बाद में, मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी, डिप्टी मेयर मोते श्रीलता शोभन रेड्डी और कमिश्नर रोनाल्ड रोज़ ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर सर्वोत्तम सेवाएं प्रदान करने वाले 43 अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशंसा प्रमाण पत्र दिए। खेल रत्न पुरस्कार विजेताओं को स्मृति चिन्ह और प्रशंसा प्रमाण पत्र दिए गए।ईवीडीएम निदेशक प्रकाश रेड्डी, अतिरिक्त आयुक्त स्नेहा सबरीश, वेंकटेश दोत्रे, उपेन्द्र रेड्डी, यादगी राव, सरोजा, जयराज कैनेडी, सीसीपी राजेंद्र प्रसाद नाइक, हाउसिंग ओ.एस.डी. सुरेश कुमार, सीई देवानंद, सीएम एवं एचओ डॉ. पद्मजा, यूबीडी प्रभारी अतिरिक्त आयुक्त सुनदा, संयुक्त आयुक्त माइकल बोस, मुख्य परीक्षक वेंकटेश्वर रेड्डी, एसएनडीपी सीई कृष्णा, ईई विद्यासागर, एसीपी सुदर्शन, मूल्यांकन अधिकारी कुलकर्णी, सचिव लक्ष्मी और अन्य ने भाग लिया।

डीजीपी कार्यालय, खुफिया मुख्यालय और पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन में गणतंत्र दिवस मना

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक के कार्यालय में समारोह को एक औपचारिक समारोह द्वारा चिह्नित किया गया, जहां अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक रेलवे और सड़क सुरक्षा, महेश एम भागवत ने पुलिस कर्मियों से सलामी ली। राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, उसके बाद राष्ट्रगान गाया गया। आयोजन में डीआईजी समन्वय डॉ. गजाराव भूपाल सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारियों एवं अन्य स्टाफ ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इसी क्रम में खुफिया विभाग के मुख्यालय में खुफिया प्रमुख अतिरिक्त डीजीपी बी शिवधर रेड्डी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सलामी दी। समारोह में डीआइजी कार्तिकेय, एसएसपी भास्करन, श्रीधर और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन ने एम.डी., आईजीपी एम.रमेश के साथ ध्वजारोहण और सलामी देकर यह दिन मनाया। पूरे वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

दक्षिण मध्य रेलवे ने 75वां गणतंत्र दिवस मनाया

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने को रेलवे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ग्राउंड, सिकंदराबाद में 75वां गणतंत्र दिवस मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रहे दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और रेलवे सुरक्षा बल की विभिन्न टुकड़ियों द्वारा प्रस्तुत गार्ड ऑफ ऑनर प्राप्त किया। अपना संबोधन देते हुए, अरुण कुमार जैन ने %5वें गणतंत्र दिवस के महत्वपूर्ण अवसर पर पूरी रेलवे बिरादरी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान हमारे दूरदर्शी नेताओं द्वारा बोए गए महान आदर्शों का एक स्थायी प्रमाण है, जो हमारे राष्ट्र को आकार देने में सहायक रहे हैं और हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत बने हुए हैं। उन्होंने बताया कि दक्षिण मध्य रेलवे ने चालू वित्तीय वर्ष में असाधारण प्रदर्शन दर्ज किया है और ज़ोन ने 2023-24 के दौरान किसी भी वित्तीय वर्ष में पहले नौ महीनों के लिए अपनी सर्वश्रेष्ठ कमाई दर्ज की है। एससीआर ने अप्रैल-दिसंबर 2023 के दौरान सकल मूल राजस्व में 14,738 करोड़ रुपये हासिल किए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 950 करोड़क्षरुपये से अधिक है। जोन ने ओरिजिनेटिंग फ्रेट लोडिंग 100 एमटी को पार कर इतिहास रचा। अपने इतिहास में अब तक की सबसे कम समय अवधि के भीतर प्रारंभिक माल ढुलाई राजस्व में 10,000 करोड़ कमाए।रु. इसके साथ ही, ज़ोन ने अप्रैल-दिसंबर 2023 के दौरान लगभग 200 मिलियन मूल यात्रियों को ढोया, जिससे 4,286 करोड़ रुपये की कमाई हुई। उन्होने कहा कि कमाई में असाधारण प्रदर्शन ज़ोन के बुनियादी ढाँचे के निर्माण पर निरंतर ध्यान देने से मेल खाता है। उन्होंने कहा, अप्रैल-दिसंबर 2023 के दौरान, एससीआर ने पूंजीगत व्यय में 13,452 करोड़ रुपये खर्च किए, जो किसी भी वित्तीय वर्ष के पहले 9 महीनों के दौरान इसके इतिहास में सबसे अधिक है। इसने अपने रेल नेटवर्क पर क्षमता वृद्धि में सहायता करते हुए तेजी से बुनियादी ढांचे के निर्माण में योगदान दिया है। चालू वित्तीय वर्ष में, ज़ोन ने 11 किलोमीटर नई लाइनें, 105 किलोमीटर डबल लाइनें और 96 किलोमीटर तीसरी लाइन का काम शुरू किया है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि मौजूदा एससीआर के बीजी रेल नेटवर्क का लगभग 947 विद्युतीकरण पूरा होने से मिशन विद्युतीकरण को एक बड़ा धक्का मिला है।

साइबराबाद सीपीओ में मनाया गणतंत्र दिवस

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद के पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती, ने साइबराबाद सीपी कार्यालय में 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारतीय राष्ट्रीय ध्वज फहराया। कार्यक्रम में साइबराबाद ट्रैफिक ज्वाइंट सीपी नारायण नाइक, शमशाबाद डीसीपी नारायण रेड्डी, साइबराबाद डीसीपी क्राइम नरसिम्हा कोतापल्ली, डीसीपी एडमिन रविचंदन रेड्डी, राजेंद्रनगर डीसीपी श्रीनिवास, बालानगर डीसीपी श्रीनिवास राव, मेडचल डीसीपी नितिका पंत, डीसीपी साइबर अपराध के. शिल्पावल्ली, महिला एवं बाल सुरक्षा डीसीपी सृजना कर्णम, माधापुर डीसीपी जी. विनीत, माधापुर ट्रैफिक डीसीपी डीवी श्रीनिवास राव, डीसीपी एडमिन रवि चंदन रेड्डी, सीएआर मुख्यालय एडीसीपी शमीर, सीएसडब्ल्यू एडीसीपी श्रीनिवास , एडीसीपी, एसीपी, सीएओ लेखा चंद्रकला, सीएओ एडमिन गीता, इंस्पेक्टर, मंत्रालयिक कर्मचारी और अन्य ने भाग लिया। सीपी ने दिवंगत हुए महापुरुषों के चित्रों पर श्रद्धासुमन अर्पित किये और उनके महान बलिदानों को याद किया। सीपी साइबराबाद ने इस अवसर पर पुलिस कर्मियों और नागरिकों को शुभकामनाएं दीं। सीपी ने कहा कि हमारा संविधान आज ही के दिन वर्ष 1950 में लागू हुआ था। ठीक 74 साल पहले, भारत एक गणतंत्र बन गया और लोगों के पास अपनी नियति तय करने की सामूहिक शक्ति है। यह हमारे लोकतांत्रिक और गणतंत्र देश का जश्न मनाने और उसकी संप्रभुता पर गर्व करने का दिन है। मैं हमारे संविधान के निर्माताओं को अपनी सबसे बड़ी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, जिन्होंने स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के महान सिद्धांतों को स्थापित किया। साइबराबाद सीपी ने कर्तव्यों में सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस को 18 अति उत्कृष्ट सेवा पदक प्रदान किए।

सिटी पुलिस आयुक्त कार्यालय में ध्वजारोहण किया गया

हैदराबाद , 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 75वां गणतंत्र दिवस समारोह हैदराबाद पुलिस आयुक्त कार्यालय, टीएसआईसीसीसी बिल्डिंग, बंजारा हिल्स, रोड नंबर 12, हैदराबाद में आयोजित किया गया। श्रीमती जे.परिमाला हाना नूतन आईपीएस ज्वाइंट सीपी एडमिन ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कार्यालय के कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। भारत के प्रत्येक नागरिक ने मिलकर अपने देश को आजादी दिलाने के लिए संघर्ष किया। सभी को समाज की भलाई के लिए काम करना होगा। हमें अपने कर्तव्यों का सही ढंग से पालन करना चाहिए और अपने बच्चों को समाज के मूल्यों को सिखाना चाहिए। आइए अपने राष्ट्र की भलाई के लिए स्वयं को समर्पित करें। श्री कोथाकोटा श्रीनिवास रेड्डी आईपीएस पुलिस आयुक्त हैदराबाद ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर कार्यालय कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि हम सभी को अपने राष्ट्र की समृद्धि के लिए मिलकर काम करना चाहिए। श्रीमती पुष्पा डीसीपी आईसीसीसी टेक्निकल, श्री. सुरेंद्र रेड्डी डीसीपी एडमिन, श्री टी.रादेश मुरली डीसीपी एसएमआईटी आईटी सेल और डीसीपी स्वेता आईपीएस डीसीपी डीडी, श्रीमती। कार्यक्रम में एन.सुधारानी, सीएडीओ, श्री.एम.श्रीनिवास, मुख्य लेखा अधिकारी, श्री.सत्यनारायण लेखा अधिकारी, अन्य कार्यालय कर्मचारी शामिल हुए।

सीएम ने अपने आवास पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया

हैदराबाद, 26 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर अपने आवास पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। वे इसी क्रम में सिकंदराबाद परेड ग्राउंड पहुंचे। वीर सैनिक स्मारक पर तीनों सेनाओं ने सीएम का स्वागत किया। गणतंत्र दिवस के मौके पर सीएम ने वीर सैनिक स्मारक पर युद्ध नायकों को श्रद्धांजलि दी।

एनएमडीसी खनिज भवन में गणतंत्र दिवस का आयोजन

हैदराबाद, 26 जनवरी,(स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी खनिज भवन में %5 वें गणतंत्र दिवस का भव्य आयोजन किया गया।इस संदर्भ में, एनएमडीसी के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि, एएमडीसी खनिज भवन हैदराबाद में एनएमडीसी अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) अमिताभ मुखर्जी ने तत्संबधित मुख्यालय के वरिष्ठतम कर्मचारी जैलाबुध्दीन के साथ राष्ट्रीय झंडा फहराया। इस समारोह में एनएमडीसी निदेशक(उत्पादन) दिलीपकुमार मोहंती, निदेशक(तकनीकी) विनय कुमार तथा मुख्य सतर्कता अधिकारी बी. विश्वनाथ भी उपस्थित हुए। इस शुभावसर पर एनएमडीसी अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) अमिताभ मुखर्जी ने अपने संबोधन में कहा कि, नागरिकों के रूप में हम अपनी व्यक्तिगत पहचान से परे हैं। पर एक ऐसा समुदाय है जो साझा मूल्यों एवं समान नियति से बंधे हुए हैं। ऐसे में राष्ट्र निर्माण हमारा सर्वोपरि उत्तरदायित्व बन जाता है। उन्होने सामूहिक उत्तरदायित्व पर कहा कि, देश में सबसे बडे लौह अयस्क उत्पादक के रूप में हमारे कंधों पर भारत एवं तत्संबंधित जन के प्रति बहुत बडी जिम्मेदारी है। । एनएमडीसी का विजन एक वैश्विक पर्यावरण अनुकूल खनन कंपनी के रूप में उभरना है, जो न केवल वर्तमान की आवश्यकताओं को पूरा करें, बल्कि आगामी पीढियों की आवश्यकताओं की भी रक्षा करें। एनएमडीसी का यह विजन राष्ट्र के लिए एक वादा है, जिसे हम जरूर पूरा करेंगे।

इस संबंध में गणतंत्र दिवस समारोह को सोल्लास पूर्वक मनाते हुए एनएमडीसी कर्मचारियों व हितधारकों के लिए इन्डोर गेम्स सहित प्रतियोगिताओं का आयोजन हुवा। इस समारोह के दौरान शतरंज, टेबल टेनिस, कैरम व कुछ प्रतिभा खेलों के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये गये। इस समारोह में अन्य संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति भी रही।

बस भवन में मनाया गया गणतंत्र दिवस

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) के केंद्रीय कार्यालय बस भवन में शुक्रवार को गणतंत्र दिवस मनाया गया। कंपनी के एमडी वीसी सज्जनार ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और झंडे को सलामी दी। आरटीसी अधिकारियों के साथ, उन्होंने महापुरुषों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके बलिदानों को याद किया। इसके बाद उन्होंने टीएसआरटीसी का समर्थन करने वाले लोगों और संगठन के विकास में लगातार सहयोग कर रहे कर्मचारियों को 75वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भारत की आजादी कई बलिदानों के परिणामस्वरूप आई और प्रत्येक नागरिक से देश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। इस शुभ दिन पर भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. बीआर अंबेडकर महाने को याद किया जाना चाहिए। इस अवसर पर बोलते हुए संगठन के एमडी वीसी सज्जनारू ने कहा कि हम वर्तमान पीढ़ी में देशभक्ति की भावना जगाने के इरादे से हर दिन सुबह 11 बजे बस भवन में राष्ट्रगान गाते हैं, साथ ही उन्होंने जनगानमना राष्ट्रगान के महत्व को भी समझाया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.